ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 05 मार्च, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-63

विजयेंद्र ने सरकार से किसान हितैषी बजट पेश करने की मांग की @ नम्मा बेंगलूरु

उत्तर प्रदेश में निवेश की घोषणाओं का अंदरूनी सच

13,500 करोड़ का एमओयू करने वाला निकला जालसाज

लखनऊ, 04 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में 750 डाटा सेंटर बनाने का जिम्मा लेने के लिए आगे आने वाली कंपनी व्यूनाउ मार्केटिंग सर्विसेज लिमिटेड और व्यूनाउ इंफ्राटेक फर्जी निकली। कंपनी के प्रबंध निदेशक ने कागजों में फर्जीवाड़ा कर अफसरों की आंखों में धूल झोंक कर एमओयू की चाल चली। यह एमओयू तत्कालीन मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की मौजूदगी में किया गया था। कंपनी के मालिक सुखविंदर सिंह खरोर और उसकी पत्नी डिंपल खरोर को विदेश भागते समय ईडी ने दिल्ली एयरपोर्ट पर दबोचा लिया। आरोपी ने यूपी में 750 डाटा सेंटर खोलने का एमओयू किया था। नोएडा में एफआईआर के बाद ईडी ने जांच शुरू की थी। इसमें मनी लॉन्ड्रिंग का गोरखधंधा खुलकर सामने आया। इसने निवेशकों से 3558 करोड़ एंठ लिए। शीर्ष अधिकारियों ने कंपनी की

विदेश भागने की कोशिश में था ईडी ने एयरपोर्ट से दबोचा

कुंडली नहीं खंगाली। इसी एमओयू की आड़ में मास्टरमाइंड सुखविंदर सिंह खरोर ने अपनी टीम के साथ 3558 करोड़ निवेशकों से बटोर लिए। विदेश भागने से पहले ईडी ने उसे पत्नी सहित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया।

निवेश के मामले में भी सरकार ने गलतियां रोकने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति को लागू किया था और उसके आधार पर ही निवेश के प्रस्तावों को मंजूरी भी दी जा रही है। इसके मद्देनजर ही उच्चस्तर से वैश्विक निवेशक सम्मेलन में निवेश का समझौता करने वाली सभी कंपनियों का इतिहास और हकीकत जांचने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। परीक्षण में संदिग्ध पाई जाने की स्थिति में कंपनियों द्वारा किए गए एमओयू को रोकने या रद्द करने के भी निर्देश दिए गए हैं। लेकिन डाटा सेंटर के लेकर किए गए एमओयू में उत्तर प्रदेश के अधिकारी गच्चा खा गए। 20 नवंबर 2022 को तत्कालीन मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की मौजूदगी में व्यूनाउ के एमडी और मास्टरमाइंड सुखविंदर सिंह खरोर ने एमओयू किया था।

▶10 पर

क्लाउड स्पेस के नाम पर ठगे 3500 करोड़

चंडीगढ़, 04 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में क्लाउड स्पेस के नाम 3,500 करोड़ की साइबर ठगी का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस को महीनों चकमा देने के बाद ठग जोड़े सुखविंदर सिंह खरौर और डिंपल खरौर को पकड़ा गया। फिलहाल, दोनों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं। जालंधर की पीएमएलए अदालत ने पति सुखविंदर सिंह खरौर को 10 दिन और उसकी पत्नी डिंपल खरौर को 5 दिन के ईडी रिमांड में भेज दिया है, जहां उनसे सघन पूछताछ की जा रही है।

खरौर दंपत्ति लोगों को क्लाउड स्पेस खरीदने और उसे वापस लीज पर देने के नाम पर धोखा देता था। इस फर्जी योजना से इन्होंने 3,500 करोड़ रुपए की कमाई की। पिछले महीने ईडी ने उनके ठिकानों पर छापा मारकर 80 करोड़ रुपए की 26 लग्जरी कारें जब्त की थीं। इसके अलावा पंजाब में उनकी 178 करोड़ रुपए की सम्पत्ति भी जब्त की गई। इस जोड़े ने काला धन सफेद करने के लिए कई फर्जी कंपनियां बना रखी थीं। डिंपल के बैंक खातों और उनकी कंपनियों मसलन खारौर फिल्म्स एलएलपी, फ्रूटचैट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और अवनी आईटी इन्फ्रा वेंचर्स लिमिटेड के जरिए पैसे निकाले गए।

▶10 पर

बिहार की राजनीति से संशय का पटाक्षेप

नीतीश के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगा एनडीए

पटना, 04 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एवं बिहार के प्रभारी मनोहर लाल खट्टर ने यह साफ कर दिया है कि बिहार में विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर ही लड़ा जाएगा। खट्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ है और एनडीए नीतीश के नेतृत्व में ही विधानसभा चुनाव लड़ेगा। खट्टर के इस बयान से बिहार में सीएम पद और गठबंधन के नेतृत्व पर भाजपा और जेडीयू में संशय की स्थित समाप्त हो गई है।

हरियाणा के पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री खट्टर ने कहा, हम लोग नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक बार फिर चुनाव में जाएंगे और फिर राज्य में एनडीए की सरकार बनाएंगे। खट्टर ने अपना यह बयान दिलीप जायसवाल के बिहार भाजपा का अध्यक्ष तय होने के बाद दिया है। खट्टर ने भाजपा के कार्यक्रम के दौरान राज्य के चुनाव को लेकर एक नारा भी दे दिया है। उन्होंने नारा दिया, बिहार है तैयार, फिर से एनडीए सरकार। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा समेत पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता, विधायक और मंत्री शामिल थे। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता फिर से एनडीए सरकार को बहुमत से जिताने जा रही है। 2025 में हम 200 प्लस सीटों के साथ एनडीए सरकार बनाएंगे।

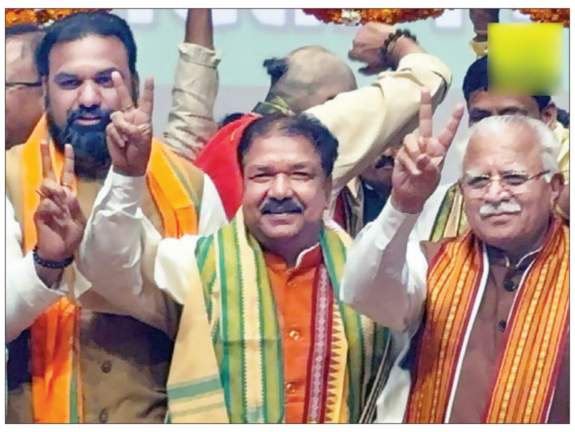

केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर ने की घोषणा

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पद से इस्तीफा देने वाले भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष चुन लिया गया है। हालांकि छह महीना पहले वह इस पद पर विराजमान हो चुके थे।

▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

मियां-टियां या पाकिस्तानी कहना अपराध नहीं

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी को मियां-टियां या पाकिस्तानी कहना अपराध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे मजहबी भावना भड़काने वाला भी मानने से इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला झारखंड से जुड़े एक मामले में दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कहने वाले हिंदू व्यक्ति को बाइज्जत बरी कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस सतीश शर्मा की बेंच कहा, एफआईआर के अवलोकन से पता चलता है कि आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 353, 298 और 504 के तहत लगाई गई है लेकिन जरूरी सबूत ही मौजूद नहीं हैं। आरोपी ने कोई हमला नहीं किया था, इसलिए उस पर आईपीसी की धारा 353 नहीं लगती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ऐसे में, हाईकोर्ट को आरोपी को बरी कर देना चाहिए था। इसके अलावा, अपीलकर्ता पर मियां-टियां और पाकिस्तानी कहकर मजहबी भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है। जरूर ये बातें ठीक नहीं हैं, लेकिन यह मजहबी भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाती।

ऐसा कहना गलत है, पर गैरकानूनी नहीं है

सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ ही मुस्लिम व्यक्ति की मजहबी भावनाएं भड़काने के आरोपी हिंदू व्यक्ति को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें उसके खिलाफ मुकदमा चलाने की बात कही गई थी। हाईकोर्ट ने यह बातें निचली अदालत का फैसला बरकरार रखते हुए कही थी।

यह मामला झारखंड के बोकारो का है। यहां उर्दू ट्रांसलेटर के तौर पर काम करने वाले एक सरकारी कर्मचारी ने 2020 में एक हिंदू व्यक्ति हरी नंदन सिंह (80) के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई थी। मुस्लिम व्यक्ति ने आरोप लगाया था हरिनंदन सिंह ने उसकी मजहबी भावनाएं आहत की हैं। पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट भी लगा दी थी और हरी नंदन सिंह को मजहबी भावनाएं भड़काने, शान्ति खराब करने समेत कई मामलों में आरोपी बताया था। इसके बाद मजिस्ट्रेट कोर्ट ने हरी नंदन सिंह को तलब किया था। मैजिस्ट्रेट ने कहा था कि सिंह के खिलाफ मामला चलाने के लिए काफी सबूत मौजूद हैं।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

जम्मू-कश्मीर में एक दूसरे पर आरोपों की राजनीति चरम पर

भाजपा को समर्थन दे रही है नेशनल कॉन्फ्रेंस: मुफ्ती

श्रीनगर, 04 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा किए गए असंवैधानिक कामों का समर्थन करने का आरोप लगाया। महबूबा ने कहा कि उमर अब्दुल्ला सरकार की द्वारा असंवैधानिक कार्यों को खुला समर्थन दिया जा रहा है। जिसके बाद उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी मुफ्ती पर पलटवार किया है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा बजट सत्र में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा, महबूबा मुफ्ती कुछ भी बोल सकती हैं क्योंकि वे जम्मू-कश्मीर के विनाश का कारण हैं। अगर जम्मू-कश्मीर ने राज्य का दर्जा और विशेष दर्जा खो दिया है तो यह उनकी वजह से है। हमें उन्हें सिखाने की ज़रूरत नहीं है। हम उन लोगों के प्रति जवाबदेह हैं जिन्होंने हमें वोट दिया है न कि उनके प्रति। महबूबा ने आरोप लगाया था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने सहित भाजपा

▶10 पर

आतंकी फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग में ईडी की कार्रवाई

एसडीपीआई का अध्यक्ष एमके फैजी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेंसियां)। आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़ी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के खिलाफ आतंकियों की फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एसडीपीआई के अध्यक्ष एमके फैजी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी को सोमवार 3 मार्च की दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। ईडी का कहना है कि फैजी का नाम प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया

▶10 पर

संतोष देशमुख की हत्या में आरोपी बनाए जाने पर

धनंजय मुंडे ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया

मुंबई, 04 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने मंगलवार को महाराष्ट्र कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। उनके सहयोगी वाल्मिक कराड को सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में आरोपी बनाए जाने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंडे को मंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए कहा था। इस्तीफे की खबर आने के बाद फडणवीस ने कहा कि मुंडे ने अपना इस्तीफा मुझे सौंप दिया है। मैंने उनका इस्तीफा मंजूर कर के आगे की कार्रवाई के लिए उसे राज्यपाल को भेज दिया है।

इस बीच महाराष्ट्र के मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद एनसीपी नेता धनंजय मुंडे ने ट्वीट किया, मेरी पहले दिन से ही दृढ़ मांग रही है कि बीड जिले के मासाजोग में संतोष देशमुख की नृशंस हत्या के आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। कल जो तस्वीरें सामने आईं, उन्हें देखकर मेरा दिल बहुत दुखी हुआ। इस मामले की जांच पूरी हो चुकी है और कोर्ट में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। साथ ही न्यायिक जांच का भी प्रस्ताव रखा गया है। पिछले कुछ दिनों से मेरी तबीयत ठीक नहीं चल रही है।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 89,010/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 97,890/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 39^0
न्यूनतम : 24^0

शेर और तेंदुए के साथ पीएम मोदी ने बिताया समय

जामनगर, 04 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों गुजरात के जामनगर जिले में पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र, वंतारा का उद्घाटन किया और उसका दौरा भी किया है। इस दौरान पीएम मोदी ने शेर और तेंदुए के शावकों के बच्चों को दूध भी पिलाया और तमाम घटनाओं में बचाए गए कई पशुओं को भी देखा।

वंतारा में 2,000 से अधिक प्रजातियां और 1.5 लाख से अधिक बचाए गए, लुप्तप्राय और संकटग्रस्त जानवर रहते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कई सुविधाओं का जायजा भी लिया। प्रधानमंत्री ने एशियाई शेर शावकों, सफेद शेर शावक, हिम तेंदुए शावक जो एक दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजाति है, कैराकल शावक समेत कई प्रजातियों के साथ खेलते भी दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस सफेद शेर के बच्चे को खाना खिलाया, उसका जन्म वंतारा में हुआ था, जब उसकी मां को बचाकर यहां लाया गया था। भारत में कभी बहुतायत में पाए जाने वाले कैराकल अब दुर्लभ होते जा रहे हैं। वंतारा में, कैराकल को उनके संरक्षण के लिए प्रजनन कार्यक्रम के तहत कैद में पाला जाता है और बाद में जंगल में छोड़ दिया जाता है।

प्रधानमंत्री ने वंतारा में वन्यजीव अस्पताल का भी दौरा किया और पशु चिकित्सा सुविधाओं को देखा, जो एमआरआई, सीटी स्कैन, आईसीयू और अन्य सुविधाओं से सुसज्जित हैं, और वन्यजीव एनेस्थीसिया, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, एंडोस्कोपी, दंत चिकित्सा, आंतरिक चिकित्सा आदि समेत कई विभाग भी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अस्पताल के

शावकों को पिलाया दूध सुविधाओं का जायजा लिया

एमआरआई कक्ष का दौरा किया और एक एशियाई शेर का एमआरआई देखा। उन्होंने ऑपरेशन थियेटर का भी दौरा किया, जहां एक तेंदुआ राजमार्ग पर एक कार से टकराने के बाद जीवन रक्षक सर्जरी से गुजर रहा था और उसे बचाकर यहां लाया गया था।

बचाए गए जानवरों को केंद्र में ऐसे स्थानों पर रखा जाता है जो उनके प्राकृतिक आवास से मिलते-जुलते हैं। केंद्र में किए गए कुछ प्रमुख

संरक्षण पहलों में एशियाई शेर, हिम तेंदुआ, एक सींग वाला गैंडा समेत कई अन्य पशु शामिल हैं।

उन्होंने केंद्र में बचाए गए तोतों को भी छोड़ा। पीएम मोदी ने केंद्र में कई सुविधाओं का प्रबंधन कर रहे डॉक्टरों, सहायक कर्मचारियों और श्रमिकों से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री ने इस दौरान बड़े अजगर, अनोखे दो सिर वाले सांप, दो सिर वाला कछुए, तपीर, तेंदुए के बच्चे भी देखे जिन्हें एक कृषि क्षेत्र में छोड़ दिया गया था और बाद में ग्रामीणों ने देखा और बचाया। उन्होंने हाथियों को उनके जकूज़ी में देखा। प्रधानमंत्री ने इस दौरान एक ओकापी को थपथपाया, चिम्पांजी से भी रूबरू हुए जिन्हें एक ऐसी सुविधा से बचाया गया था, जहां उन्हें पालतू जानवर के रूप में रखा गया था, ओरंगुटान को गले लगाया और प्यार से उनके साथ खेला जिन्हें पहले एक भीड़भाड़ वाली सुविधा में रखा गया था। पीएम मोदी ने इस दौरान पानी के नीचे एक दरियाई घोड़े को करीब से देखा, मगरमच्छों को देखा, ज़ेबरा के बीच में सैर की, एक जिराफ और एक गैंडे के बच्चे को खाना खिलाया।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ और साउथ चैप्टर द्वारा विश्व नवकार दिवस की तैयारियां जोरों पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ और साउथ चैप्टर द्वारा आगामी 9 अप्रैल को निर्धारित विश्व नवकार दिवस की तैयारियों को लेकर राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जीतो एपेक्स के मार्गदर्शन में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु महिला विंग, यूथ विंग और केकेजी जोन के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया एवं साउथ चैप्टर के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने कार्य प्रणाली की दिशा पर अपने विचार प्रस्तुत किए और सभी सदस्यों के सुझावों की सराहना की। केकेजी जोन के चेयरमैन प्रवीण बाफना ने इस अवसर की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस जैन समाज के लिए ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण होगा और इसकी तैयारी के लिए सभी को अभी से जुट जाना चाहिए। इस बैठक में केकेजी जोन के महामंत्री दिलीप जैन एवं कोषाध्यक्ष ओम भी उपस्थित थे। बैठक में जीतो बेंगलूरु नार्थ के महामंत्री विजय सिंघवी ने बैठक का संचालन किया एवं सभी उपस्थित पदाधिकारियों से इस कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। जीतो बेंगलूरु साउथ के महामंत्री नितिन लूनिया ने अपने सुझाव दिए एवं धन्यवाद प्रस्ताव दिया। नवकार दिवस के कन्वीनर दिनेश खींवेसरा एवं महेंद्र जैन ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने विश्व नवकार दिवस को भव्य और ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए संकल्प लिया।

रंगीलो फाल्गण कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु माहेश्वरी महिला संगठन ने माहेश्वरी भवन में रंगीलो फाल्गण कार्यक्रम का आयोजन किया। सर्वप्रथम महिला संगठन की कार्यकारिणी सदस्य सुनीता मुन्दडा, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को- ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के उपाध्यक्ष- महेश रांदड, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी भगवान दास बल्दवा, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियाणी, माहेश्वरी महिला संगठन के सलाहकार सदस्य सावित्री मालू, सुशीला राठी, माहेश्वरी सभा के सचिव अजय राठी, कार्यक्रम के प्रायोजक सुनील बजाज, वेणू गोपाल बजाज की माता अवतारमणी बजाज, प्रसिद्ध गायिका मुंबई निवासी राधा बागड़ी ने पूजा कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रायोजक का सम्मान संगठन के पदाधिकारियों ने किया। राधा का परिचय शोभा भूतड़ा ने दिया।

दीपा बल्दवा, शीतल सोनी ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। राधा बागड़ी ने राजस्थानी फाल्गण की गीत टूटी बाजू बन्द री लूम, होलियाँ में उड़े रे गुलाल, मिस्री को बाग लगा दो रसिया से धमाल से माहौल को रंगारंग बना दिया। महिला व पुरुषों ने फाल्गण के गीता का आनंद नृत्य करते हुए लिया। प्रिती मंत्री ने राजस्थान का प्रमुख नृत्य घूमर की प्रस्तुति दी। संचालन रितू चितलांग्या व वृंदा बागड़ी ने किया। धन्यवाद गायत्री मालपानी व्यक्त किया।

कर्नाटक पान ब्रोकर एसोसिएशन बेंगलूरु की एक सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक पान ब्रोकर एसोसिएशन बेंगलूरु की एक सभा होटल आशा फूड कैंप में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मदन लाल सकलेचा ने की। मंत्री पी.एम.मनोहरलाल लुकड़ ने अब तक की सभी गतिविधियों के बारे में बताया एवं सरकार की तरफ से नए कानून एवं प्रावधान की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया गया। उनके निवारण हेतु भी विचार किया गया। वर्तमान में विधानसभा सत्र चालू है और सरकार एवं सहकारिता विभाग द्वारा पान ब्रोकर एक्ट 1961 में कभी भी किसी भी समय नये कानून एवं नये नियम जारी की जा सकती हैं। अगर कहीं भी जरूरत हुई तो हम कानूनी कार्रवाई पर भी सलाह ले सकते हैं। काफी सदस्यों ने अपने विचार रखें। पदाधिकारियों में नेमीचंद लुकड़, रिखबचंद मेहता, देवराज कोठारी, विजयराज सेठिया, गुमानराम उपस्थित थे। सुरेश दक, माणकचंद खारीवाल, विनोद सकलेचा, महेंद्र सकलेचा, कांतिलाल लोढ़ा, पुखाराम, पदम पोरवाल, महेंद्र देवड़ा, भंवरलाल चौधरी, उत्तम लुणावत, प्रकाश बोहरा, प्रकाश सोनी, मुकेश मेहता आदि सदस्यों की भी उपस्थिति रही।

त्याग भावना से ही जीवन सार्थक होगा : साध्वी श्रद्धाश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित साध्वी श्रद्धाश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि आज व्यक्ति के पास साधन, सुविधा, पैसा सब कुछ होते हुए भी व्यक्ति के जीवन में सुख और शांति नहीं है। इसका कारण है हम जीवन में छोड़ने का भाव नहीं रखते है। सब कुछ पकड़ कर रखते है। प्रभु महावीर ने सब कुछ होते हुए भी सब कुछ त्याग दिया।

हमारी नजर धर्मी व्यक्ति क्या छोड़ता है उस पर होती है क्या प्राप्त करता है उस पर नहीं होती। उसी प्रकार पापी व्यक्ति क्या प्राप्त करता है उस पर हमारी नजर होती है वह क्या छोड़ता है उस पर नहीं होती। त्याग करने का पुरुषार्थ हमारे जीवन में होना चाहिए। जिसने सब कुछ छोड़ दिया उसने सब कुछ पा लिया। जो पाप हम आज करेंगे वह पाप एक ना एक दिन दुबारा लौट कर हमें ही मिलने वाला है। किए हुए पाप सदैव मल्टीप्लाई होकर आते है। हमें ऐसे पापों से बचना चाहिए जो हमारे जीवन में आवश्यक नहीं है। पापी ने क्या छोड़ा और धर्मी ने क्या आचरण किया उस पर नजर रखेंगे तो हमारा जीवन सार्थक और सफल होगा। हम सदा सुखी रहेंगे।

इसके पूर्व साध्वी परिज्ञा श्री ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में जहां मान सम्मान मिलता है वहाँ उन्हें प्रसन्नता होती है और जहाँ अपमान मिलता है वहाँ उन्हें दुःख होता है। अगर मान सम्मान को पाना है तो हमारा व्यवहार हमारे विचार और हमारा आचरण शुद्ध होना चाहिए।

हमारा व्यवहार कटु होगा तो वह हमें औरो से दूर करेगा। हमारे शब्दों का प्रयोग शुद्ध हो हमारी वाणी में मिठास हो तो हम सबके प्रिय बनेंगे प्रसंशनीय बनेंगे। दूस-रों के गुणों की हमे प्रशंसा करनी चाहिए और अपने अवगुणों को दूर करना चाहिए। अच्छे शब्दों का प्रयोग कर हम सबके चहेते बन सकते है। इस अवसर पर श्री अम्बेश गुरु सेवा समिति के मंत्री सुरेंद्रकुमार आंचलिया ने अपने भाव रखे। संदुर से प्रवीण जैन भी उपस्थित रहे। आगम ज्ञाता डॉ. समकितमुनि का 13 मार्च को आयोजित होली चातुर्मास निमित्त राजाजीनगर स्थानक में 9 मार्च को प्रवेश रहेगा एवं प्रवचन श्रृंखला उसी दिन रविवार से प्रारंभ होगी। आभार ज्ञापन सह मंत्री राकेश दलाल ने व्यक्त किया एवं संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

नारी शक्ति और होली के रंगों से सजी काव्य संध्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय चेतना परिवार अभिव्यक्ति काव्य मंच की 36वीं काव्य गोष्ठी का आयोजन रविवार को ऑनलाइन गूगल मीट पर आयोजित किया गया। उपाध्यक्ष अनीता तोमर ने संचालन की बागडोर सँभालते हुए सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ गीता चौबे गूंज की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। अध्यक्षा डॉ. मंजु गुप्ता ने संस्था के उद्देश्यों की जानकारी दी। उषा गुप्ता ने मुख्य अतिथि जयपुर की वरिष्ठ कवयित्री और साहित्यकार डॉ. शशि मंगल का परिचय दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बेंगलूरु के वरिष्ठ कवि राशदादा राश रहे जिनका परिचय राधेश्याम यादव ने दिया। काव्य गोष्ठी में डॉ. शारदा मिश्रा, राजेश श्रीवास्तव, राधेश्याम यादव सुदर्शन, श्रीलाल जोशी, मंजीत कौर रखरा, डॉ. अनीता पंडा अन्वी, मीना गुप्ता, उषा उमेश गुप्ता, प्रतीक्षा तिवारी, कनु सिंह, दीपक ओझा, रेखा गुप्ता, गीता चौबे गूँज ने महाशिवरात्रि, महिला दिवस और होली की शुभकामनाओं के साथ सुन्दर गीत, गजल और कविताओं से समां बाँध दिया। मुख्य अतिथि डॉ. शशि मंगल और विशिष्ट अतिथि राश दादा राश ने सभी की प्रशंसा करते हुए अपनी उत्कृष्ट रचनाएँ प्रस्तुत कीं। आशा रानी शरण तथा परवीन राठी श्रोता के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्ष मंजु गुप्ता लता ने सभी की रचनाओं की समीक्षा करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया और अपने सुमधुर गीत से सबका मन मोह लिया।

लॉयन्स क्लब सारकी ने मनाई 50वीं वर्षगांठ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सारकी स्थित लॉयन्स क्लब की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर पैलेश रोड स्थित ज्ञान ज्योति ऑडिटोरियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत उपस्थित रहे। विशेष अतिथि लॉयन्स क्लब के इंटनेशनल डायरेक्टर पंकज मेहता ने शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर लॉयन्स क्लब के चेयरमैन व समाजसेवी राधेश्याम शर्मा को कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने दानवीर पदत से सम्मानित किया और समाज सेवा में अग्रणी रहने पर बधाई दी। इस अवसर पर सचिव नवीन, सहसचिव नन्दनी के साथ बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे।

मेगा साइक्लोथॉन 3.0 में 150 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट एवं टीपीएफ नेक्स्टजेन के संयुक्त तत्वावधान में साइक्लोथॉन 3.0 एक बच्चे की शिक्षा के लिए साइक्लिंग का भव्य आयोजन हाल ही में तेरापंथ भवन आरआर नगर से बेंगलूरु यूनिवर्सिटी तक किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत टीपीएफ टीम द्वारा मंगलाचरण से हुई, जिसके बाद टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट अध्यक्ष ललित बेगानी ने स्वागत भाषण दिया। टीपीएफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मंडोत ने कार्यक्रम की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाल शिक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है और यह आयोजन इस नेक उद्देश्य को समर्थन देने के लिए किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मंडोत द्वारा फ्लैग-ऑफ के साथ साइक्लोथॉन की शुरुआत हुई, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश और उमंग के साथ साइक्लिंग शुरू की। 150 से अधिक प्रतिभागियों ने इस आयोजन में भाग लिया, जिनमें 80 से अधिक साइकिलिस्ट्स ने आरआर नगर तेरापंथ भवन से बेंगलूरु यूनिवर्सिटी और वापसी तक लगभग 6 किलोमीटर की दूरी तय की। इस साइक्लोथॉन में 6 वर्ष की आयु के बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। साइक्लिंग के दौरान दिव्या जैन और हर्ष बरलोटा, जो इस कार्यक्रम के संयोजक थे, ने विभिन्न क्विज और गतिविधियों का आयोजन किया, जिससे साइक्लिंग और अधिक रोमांचक और ज्ञानवर्धक बनी। इस आयोजन में टीपीएफ साउथ जोन अध्यक्ष विक्रम कोठारी एवं मंत्री भरत भंसाली ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम को तेरापंथ सभा, तेयुप, तेरापंथ महिला मंडल और ज्ञानशाला का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में सभा संस्थाओं से राजेश चावत, मंगल कोचर, राकेश छाजेड़, मनोज डागा, सुरेश बरड़िया, मंजू गादिया, मीनाक्षी दक, नेहा चावत, कमलेश दक, लाडली मुथा एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की विशेष उपस्थिति रही। यह आयोजन दिव्य दृष्टि आई हॉस्पिटल के डॉ. प्रकाश छाजेड़ द्वारा प्रायोजित था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पीयूष जैन की भी विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट मंत्री कौशल खटेड़ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव बेंगलूरु एयरपोर्ट पर 14.8 किलो सोने के साथ गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार रात को बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को हिरासत में लिया। उनके पास से 14.8 किलोग्राम सोना जब्त किया गया। दुबई से एमिरेट्स की फ्लाइट से आई अभिनेत्री पर डीआरआई अधिकारियों की नजर थी, क्योंकि वह दुबई की लगातार यात्रा करती रहती थी। अधिकारियों ने खुलासा किया कि कर्नाटक में कार्यरत आईपीएस अधिकारी की करीबी रिश्तेदार रान्या राव ने अधिकांश सोना छुपाकर रखा था, साथ ही उसने अपने कपड़ों में सोने की छड़ें भी छिपा रखी थीं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, अभिनेत्री ने कथित तौर पर हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की बेटी होने का दावा किया। इसके बाद वह स्थानीय पुलिस कर्मियों को बुलाती थी, जो अनजाने में उसे घर छोड़ देते थे। डीआरआई अब जांच कर रही है कि क्या इन अधिकारियों या आईपीएस रिश्तेदार की इसमें कोई संलिप्तता थी या उन्हें गुमराह किया जा रहा था। अधिकारियों को इस बात की जानकारी तब मिली जब उन्होंने देखा कि अभिनेत्री पिछले 15 दिनों में चार बार दुबई गई थी। गिरफ्तारी के बाद उसे बेंगलूरु के एचबीआर लेआउट में डीआरआई मुख्यालय ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ की गई। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि रान्या राव किसी बड़े तस्करी गिरोह का हिस्सा है या नहीं। हालांकि, डीआरआई ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

राज्य में अपराध के मामलों में आई है कमी: गृह मंत्री

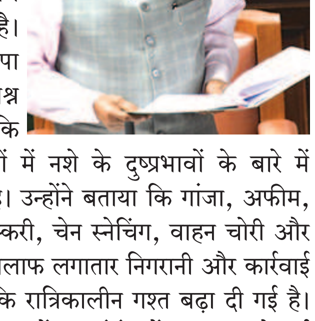

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि साइबर अपराधों को छोड़कर पिछले 1 वर्ष में राज्य में अपराध के मामलों में कमी आई है। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक बी.पी. हरीश के प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि स्कूल और कॉलेज के छात्रों में नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा की जा रही है। उन्होंने बताया कि गांजा, अफीम, मटका, रैकेटियरिंग, शराब तस्करी, चेन स्नेचिंग, वाहन चोरी और मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि रात्रिकालीन गश्त बढ़ा दी गई है। 2023 से 2024 तक हरिहर नगर में इस संबंध में 123 मामले दर्ज किए गए हैं। हरिहर नगर पुलिस स्टेशन में 51 पद स्वीकृत हैं और सभी पद भरे जा रहे हैं। उप पुलिस अधीक्षक के पद की स्वीकृति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने पर कार्रवाई की जाएगी।

कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता खींचतान के बीच शिवकुमार ने मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक कांग्रेस में आंतरिक कलह के बीच, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके बेंगलूरु स्थित आवास पर मुलाकात की। 20 मिनट की इस संक्षिप्त मुलाकात ने अटकलों को हवा दे दी है, खासकर पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली के बयान के बाद, जिन्होंने कहा कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। शिवकुमार के वफादार और विधायक बसवराजू शिवगंगा ने यह कहकर चर्चा को और हवा दे दी कि शिवकुमार दिसंबर में मुख्यमंत्री बनेंगे और अगले विधानसभा चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने राजनीतिक चर्चा को कमतर आंकते हुए कहा खड़गे हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। अगर मैं उनका सम्मान नहीं करता, तो फिर मैं और किसका सम्मान करूं? मैं हमारे नए कार्यालय के निर्माण की देखरेख कर रहा हूं और भूमिपूजन समारोह के लिए उनकी उप-लब्धता चाहता हूं। इसके अलावा और कोई चर्चा नहीं हुई। मोइली की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने अपना रुख बरकरार रखते हुए कहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली या किसी अन्य नेता के बयान महत्वपूर्ण नहीं हैं। पार्टी हाईकमान का फैसला ही मायने रखता है और हम उसका पालन करेंगे। शिवकुमार ने यह भी उल्लेख किया कि खड़गे ने पार्टी सदस्यों को सार्वजनिक रूप से नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा न करने का निर्देश दिया था। उन्होंने मोइली की टिप्पणी को निजी राय बताया। इस बीच, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि मोइली के बयान से शिवकुमार के मुख्यमंत्री पद पर जल्दी ही आने का संकेत मिलता है और राज्य में तेजी से राजनीतिक घटनाक्रम की भविष्यवाणी की गई है। इस रहस्य को और बढ़ाते हुए, शिवकुमार द्वारा प्रयागराज में संगम में हाल ही में की गई पवित्र डुबकी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उनकी प्रशंसा ने कांग्रेस के हलकों में हलचल मचा दी है।

मांड्या जिले में धान की रोपाई

विजयेंद्र ने सरकार से किसान हितैषी बजट पेश करने की मांग की

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि वह मुख्यमंत्री से अनुरोध करेंगे कि राज्य का अगला बजट किसान हितैषी हो।

उन्होंने मांड्या जिले के कोट्टाट्टी गांव के किसान सुखेन्द्र शिवबसप्पा के खेत में धान रोपण कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात की। उन्होंने प्रार्थना की कि मां चामुंडेश्वरी राज्य सरकार को किसानों की दुर्दशा पर ध्यान देने की सद्बुद्धि प्रदान करें। उन्होंने कहा कि पार्टी के जिला नेताओं और जिला अध्यक्षों ने धान की रोपाई का नेतृत्व किया।

उन्होंने सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद भी उसने किसानों के हित में कोई निर्णय नहीं लिया।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने किसानों की उपज का समर्थन मूल्य कई गुना बढ़ाया है। उन्होंने किसान सम्मान योजना भी लागू की है। उन्होंने पूछा कि सिद्धरामैया सरकार ने इसे क्यों रोका। जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तो किसानों को उनके खेतों में ट्रांसफार्मर लगाने के लिए 25,000 रुपये दिए जाते थे। यदि इसे जारी किया गया होता तो यह पर्याप्त होता। उन्होंने बताया कि सिद्धरामैया सरकार के सत्ता में आने के बाद से अब लागत 2 से 3 लाख रुपये हो गई है। एक ओर, वे कहते हैं कि वे इसे गारंटी के माध्यम से उपलब्ध कराएंगे। दूसरी ओर, वे जबरन वसूली का काम भी कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर गरीब विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा यह शून्य विकास वाली सरकार है। यह किसान विरोधी सरकार है। इस सत्र में भाजपा इस भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के कान निचोड़ने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि वे राज्य की जनता के सामने कांग्रेस सरकार का असली चेहरा उजागर करेंगे। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि इसी कांग्रेस सरकार ने स्टालिन और तमिलनाडु में यूपीए सहयोगियों को खुश करने के लिए अंधाधुंध तरीके से पानी छोड़ने का काम किया है, जो किसानों के साथ अन्याय है। राज्य में अभी से ही तेज धूप खिलने लगी है। तापमान में भी तीव्र वृद्धि होने की संभावना है। सिद्धरामैया किसानों के लिए बजट पेश करें। सरकार को पशुओं के लिए चारे को संहिताबद्ध करना चाहिए।

उन्होंने स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति पर ध्यान देने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को 6,000 रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने किसान सम्मान योजना लागू की। येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री के रूप में किसानों को 4,000 रुपये दिए थे। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद उन्होंने इसे बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पहले किसान शिक्षा कोष उपलब्ध कराया था, लेकिन उन्होंने उसे भी बंद कर दिया है। मांड्या जिला चीनी की भूमि है।

स्नेह की भूमि है। मैसूरु के महाराजा ने मांड्या जिले के जल, गाद और अनाज संसाधनों का सपना देखा था। मांड्या जिला सदैव हरा-भरा रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि उनका सपना है कि इस क्षेत्र के किसान मैसूरु क्षेत्र के सभी लोगों को दो वक्त का चावल उपलब्ध करा सकें।

मांड्या जिला किसान कार्यकर्ता और पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा का जन्मस्थान है। यह पवित्र भूमि है जहां येदियुरप्पा का जन्म हुआ था।

उन्होंने कहा कि मांड्या जिले की मिट्टी ने येदियुरप्पा को किसानों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया। येदियुरप्पा ने किसानों के नाम पर शपथ ली और उनके लिए अलग बजट पेश किया।

केपीएससी भर्ती में चूक का मामला विधानसभा में गूंजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक लोक सेवा आयोग द्वारा भर्ती परीक्षा आयोजित करने में देरी और प्रणाली की विफलता के आरोप मंगलवार को विधानसभा में गूंजे। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने अविश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि केपीएससी के कारण 2 लाख उम्मीदवारों को असुविधा हुई है।

सरकार ने 30 करोड़ खर्च किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कन्नड़ भाषा का अपमान है।

केपीएससी, जिसे बेरोजगार स्नातकों के लिए आशा की किरण माना जाता था, अराजकता का कारण बन गया है। केएएस ने बार-बार परीक्षा और पुनर्परीक्षा का उल्लंघन किया है। प्रश्नपत्रों की तैयारी एवं अनुवाद में त्रुटियों के कारण परीक्षा, साक्षात्कार आयोजित करने एवं अंतिम चयन की घोषणा में विलम्ब हो रहा है। इससे नौकरी चाहने वालों के लिए समस्याएँ पैदा हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का राजनीतिक हस्तक्षेप, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद इन सभी गड़बड़ियों का मूल कारण है। हम सूखे से निपटने और क्षेत्र के विकास के लिए मिलने वाली एक-एक रुपए की धनराशि के लिए मुख्यमंत्री के घर जाएंगे। केपीएससी प्रणाली की विफलता के कारण 2 लाख अभ्यर्थी सड़कों पर उतर आए हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो मुझे नहीं पता कि कितने नौकरी चाहने वाले आत्महत्या कर लेंगे। उन्होंने अध्यक्ष से इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की अनुमति देने का अनुरोध किया। केपीएससी के खिलाफ सड़क अवरोध और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कन्नड़ की हत्या केपीएससी द्वारा की गई है। क्या कन्नड़ भाषा नहीं रहनी चाहिए? स्पीकर यू.टी. खादर ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान इस मुद्दे को उठाने का अवसर है। तभी अशोक ने कहा हम आपके सुझाव से सहमत हैं। लेकिन इस मुद्दे पर सरकार की ओर से कोई विशेष जवाब नहीं आया है। सरकार राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस का समग्र जवाब देगी। इसलिए, उन्होंने अनुरोध किया कि प्रस्ताव पर बहस के तहत विस्तृत चर्चा की अनुमति दी जाए। जब सदन की कार्यवाही पुनः आरंभ हुई तो अध्यक्ष ने स्थगन नोटिस के तहत विपक्ष के नेता द्वारा दिए गए प्रस्ताव को संशोधित किया तथा नियम 69 के अंतर्गत चर्चा की अनुमति दी।

जेडीएस ने गृहलक्ष्मी के पैसे जारी करने की मांग को लेकर गांधी प्रतिमा के पास प्रदर्शन किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस सेक्युलर पार्टी के विधायकों ने मंगलवार को विधान सौधा परिसर में गांधी प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि गृहलक्ष्मी योजना की धनराशि लाभार्थियों को समय पर जारी नहीं की जा रही है। सोमवार को जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी और अन्य नेताओं के नेतृत्व में फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया गया था। मंगलवार को जेडीएस विधायक दल के नेता सी.बी. सुरेशबाबू के नेतृत्व में विधान सौधा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया गया। विधायक सरवण, मंजेगौड़ा, एम.टी. कृष्णप्पा, शारदा पूर्विनायक, करेयामा, हरीश गौड़ा, बालकृष्ण और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए सुरेश बाबू ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के साथ अन्याय कर रही है। कांग्रेस गृहलक्ष्मी योजना के धन को ऐसे बरबाद कर रही है जैसे वह उसका अपना पैसा हो। वे केवल तभी पैसा जमा करते हैं जब उन्हें इसकी आवश्यकता होती है। उन्होंने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि गृहलक्ष्मी का पैसा लगभग विशेष रूप से चुनावों के दौरान ही जारी किया जाता है। मंत्री वेंकटेश ने अधिकारियों को फोन पर धमकी दी है। उस समय उन्होंने हमारी पार्टी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। हम इस मुद्दे पर सदन के अंदर और बाहर लड़ेंगे। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि अधिकारियों को सुरक्षा नहीं दी गयी। राज्य में माइक्रोफाइनेंस संकट बढ़ गया है। ठेकेदारों के बकाया बिल जारी नहीं किए जा रहे हैं। एससीपी/टीएसपी धन का दुरुपयोग किया जाता है। भले ही एक मंत्री जेल चला गया हो, लेकिन सरकार को होश नहीं आया है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में जनता सरकार को सबक सिखाएगी। विधायक एमपी कृष्णप्पा ने कहा कि गारंटी योजना से पैसा जारी करने की तिथि तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आने पर 2000 गृहलक्ष्मी निधि जारी करना और बाकी सब कुछ स्थगित कर देना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि गृहलक्ष्मी योजना के पैसे से कांग्रेस को किसी भी तरह का फायदा नहीं होगा।

विधानसभा में दलीय मतभेद भुलाकर शराब की अवैध बिक्री पर गंभीर बहस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
ग्रामीण क्षेत्रों में अनाधिकृत स्थानों पर बेची जा रही अवैध शराब का मुद्दा मंगलवार को विधानसभा में गूंजा और दलीय मतभेदों को दरकिनार कर गंभीर बहस को जन्म दिया। आबकारी मंत्री आर.बी. थिम्मापुरा जब कौजालगी के विधायक महंतेश शिवानंद के प्रश्न का उत्तर दे रहे थे, तो विपक्षी दलों के सदस्यों ने मांग की कि अवैध शराब की बिक्री पर नियंत्रण किया जाए। जवाब में मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ व्यक्तियों द्वारा निजी लाभ के लिए अनाधिकृत स्थानों पर अवैध शराब बेचने के मामले प्रकाश में आए हैं। विभाग नियंत्रण कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। सरकार को शराब की अवैध बिक्री के कारण छात्रों के शराबी बनने के मामलों की जानकारी नहीं है। नाबालिगों को शराब बेचना प्रतिबंधित है। विभाग ऐसे कृत्यों में लिप्त लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर रहा है। आबकारी विभाग अवैध शराब की बिक्री को रोकने के लिए अंचल के मार्गों पर लगातार गश्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं व महिला संगठनों को गश्त के दौरान यदि जनता की ओर से शिकायत मिलती है तो वे अवैध शराब बेचने वाले स्थानों पर छापेमारी करते हैं और यदि कोई अवैधता पाई जाती है तो आबकारी नियमों के अनुसार मामला दर्ज किया जाता है। उन्होंने बताया कि आबकारी वर्ष 2024-25 में जनवरी माह के अंत तक 17,390 मामले दर्ज कर 18,253 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सभी शराब बिक्री लाइसेंसों की मासिक आधार पर नियमित जांच की जा रही है तथा शर्तों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। जिला स्तर पर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में स्थायी समिति की बैठक आयोजित की जा रही है तथा अन्य विभागों के समन्वय से अवैध बिक्री को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों को शराब की लत और बिक्री के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इस जवाब से असंतुष्ट विपक्षी विधायकों ने अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए कार्रवाई की मांग की। जेडीएस विधायक दल के नेता सुरेश बाबू ने कहा कि चूंकि प्रत्येक शराब की दुकान के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसलिए किराना दुकानों में भी शराब बेची जा सकती है। वरिष्ठ भाजपा विधायक अरगा ज्ञानेंद्र ने कहा कि किराना दुकानों पर शराब की आपूर्ति की जा रही है। इसे अवश्य रोका जाना चाहिए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति बस्तियों में अधिकाधिक लोग शराबी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसे रोकने के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक नारायणस्वामी ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा क्या सिर्फ एससी/एसटी लोग ही शराब पीते हैं? क्या आप नहीं पीते? भाजपा विधायक सुनील कुमार ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा लक्ष्य निर्धारित करने से अवैध बिक्री का रास्ता खुल गया है। एक अन्य भाजपा विधायक सिद्धू सावदी ने कहा कि आबकारी निरीक्षकों को गांवों में अवैध शराब बेचने वालों के बारे में जानकारी है। उन्होंने मांग की कि ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाले अधिकारी को निलंबित किया जाए। विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विधायकों को जानकारी है कि कहां अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। उन्होंने इनकी सूची बनाकर अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए और कहा कि यदि कोई कार्रवाई नहीं होती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने मंत्री को निर्देश दिया कि वे यह जानकारी उपलब्ध कराएं कि पूर्व में कितने लक्ष्य निर्धारित किए गए थे तथा अब तक कितने लक्ष्य प्राप्त किए गए हैं। जब विपक्षी विधायकों ने इस मुद्दे पर और अधिक चर्चा की मांग की तो उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान और अधिक प्रस्ताव रखे जा सकते हैं।

तटीय क्षेत्र शाम 7-8 बजे के बाद बेजान हो जाता है, पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, धार्मिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने और जानकारी जुटाने के लिए तटीय क्षेत्र के सभी विधायकों के साथ एक समर्पित बैठक की घोषणा की। मंगलवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बोलते हुए शिवकुमार ने पर्यटन के विभिन्न रूपों के लिए तटीय क्षेत्र की अप्रयुक्त क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा मैं और पर्यटन मंत्री तटीय क्षेत्र के विधायकों के साथ राय एकत्र करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रणनीति विकसित करने के लिए एक अलग बैठक करेंगे। भाजपा विधायक गुरुराज शेट्टी गंटीहोले ने राज्य पर्यटन नीति के तहत तटीय क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पर्यटन मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार आवश्यक कदम उठाएगी। इसके अतिरिक्त, भाजपा विधायक हरीश पूंजा ने क्षेत्र के अन्य पर्यटन स्थलों पर धार्मिक पर्यटकों को आकर्षित करने का सुझाव दिया। शिवकुमार ने बताया कि तटीय क्षेत्रों से कई युवा नेता विधायक चुने गए हैं। उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य, धार्मिक और वाणिज्यिक पर्यटन के विशाल अवसरों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा हमारे पर्यटन मंत्री एच के पाटिल की बड़ी योजनाएं हैं और हमने इस पर व्यापक चर्चा की है। हमें इस क्षेत्र के विधायकों के साथ बैठक बुलाकर इस पर आगे विचार-विमर्श करना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि शाम 7-8 बजे के बाद तटीय क्षेत्र में जीवन की कमी हो जाती है, भजन और खुले में नाटक जैसे धार्मिक आयोजनों के अलावा कोई गतिविधि नहीं होती। उन्होंने स्थानीय विधायकों से आग्रह किया कि वे इस क्षेत्र में जीवंतता लाने के लिए सरकार के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत करें। शिवकुमार ने हाल के वर्षों में स्कूल और कॉलेज में दाखिले में गिरावट पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के संचालकों ने नामांकन में कमी के बारे में चिंता जताते हुए हमसे संपर्क किया है। जब भाजपा विधायक अरविंद बेलाड ने सुझाव मांगा कि रात 8 बजे के बाद किन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, तो शिवकुमार ने बताया शाम 7-8 बजे के बाद, मेंगलूरु लगभग बंद हो जाता है। लोगों के घर के अंदर रहने से कोई आर्थिक गतिविधि नहीं होती है। एस एम कृष्णा के कार्यकाल के दौरान, तटीय क्षेत्र में आईटी और बीटी क्षेत्र स्थापित करने के प्रस्ताव थे, लेकिन उस समय, वहाँ एक भी परिसर नहीं था। अब, कुछ उभर रहे हैं। इस क्षेत्र में सबसे अधिक इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज होने के बावजूद, स्थानीय प्रतिभाएँ बेंगलूरु, मुंबई और विदेशों में जा रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मनोरंजन के विकल्पों की कमी युवाओं को इस क्षेत्र से दूर ले जाती है। यदि कोई शहर मनोरंजन के अवसर प्रदान नहीं करता है, तो यह युवाओं को आकर्षित नहीं करेगा। इसलिए, क्षेत्र के विधायकों के लिए चर्चा करना और व्यवहार्य सुझाव देना महत्वपूर्ण है। मैं और पर्यटन मंत्री इस मुद्दे को हल करने के लिए सभी जिला विधायकों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे।

प्रतिवर्ष 80 मिलियन पर्यटक तटीय जिलों का करते हैं दौरा: एचके पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पर्यटन मंत्री एच.के.पाटिल ने विधानसभा में बताया कि तटीय पर्यटन बहुत लोकप्रिय है और प्रतिवर्ष 80 मिलियन पर्यटक तटीय जिलों में आते हैं। प्रश्नकाल के दौरान गुरुराज शेट्टी घंटिहोले के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य के तटीय भाग सहित पूरे राज्य में पर्यटन के विकास के लिए कर्नाटक पर्यटन नीति 2024-29 लागू की गई है। तटीय क्षेत्र के लिए अलग से पर्यटन नीति लाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। पर्यटन नीति ने तटीय क्षेत्र में सभी प्रकार के पर्यटन को विकसित करने के अवसर प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि तटीय और समुद्र तटीय क्षेत्रों को विशेष महत्व दिया गया है। तटीय विकास बोर्ड का गठन किया जाएगा। हम एक भूमि बैंक बनाएंगे। कंबाला के लिए प्रत्येक को 5 लाख रुपये का अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य 320 किमी लंबी तटरेखा के साथ एक पर्यटन विभाग विकसित करना है। तटीय पर्यटन विकास अधिकारों के हस्तांतरण की अनुमति दी गई है। एकीकृत तटीय पर्यटन क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए साहसिक कार्य, पर्यावरण अनुकूल आवास और संस्कृति सहित अन्य सुविधाएं शामिल हैं। तट के किनारे कम से कम 10 प्रमुख पर्यटन परियोजनाओं के विकास की योजना बनाई जा रही है। तटीय त्योहारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका लक्ष्य समुद्र तटों के लिए ब्लू-लुग प्रमाणन प्राप्त करना है। तटीय कर्नाटक की नियोजित विकास योजना और सीआरजेड मानदंडों के साथ संरेखण पर जोर दिया गया है। इस प्रकार, एक 20 सूत्री कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि समुद्र में विमान उतारने पर भी विचार किया जा रहा है और रूस ने इसमें रुचि दिखाई है।

इस अवसर पर बोलते हुए स्पीकर यू.टी. खादर ने कहा कि यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और तट पर बंदरगाह हैं तथा स्वास्थ्य, शिक्षा और धार्मिक पर्यटन की भी काफी संभावनाएं हैं। लेकिन सद्भाव पर जोर देने का काम विधायकों, हमें और आप सभी को करना होगा।

यदि नियमों का उल्लंघन कर विदेशियों को मकान किराये पर दिया गया तो सख्त कार्रवाई होगी: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने चेतावनी दी है कि विदेशी अधिनियम का उल्लंघन कर विदेशी नागरिकों को मकान किराये पर देने वाले मकान मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने बताया कि विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा 7 के अनुसार, किसी भी घर के मालिक या प्रबंधक को किसी विदेशी नागरिक को अपना घर किराए पर देने के 24 घंटे के भीतर विदेशी पंजीकरण विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से एफआरआरओ अधिकारियों को सी फॉर्म जमा करना होगा।

इसी प्रकार, एफआरआरओ अधिकारियों द्वारा फॉर्म-सी को मंजूरी दिए जाने के बाद, मकान मालिक या मकान का प्रबंधन करने वाले व्यक्ति को विदेशी के आगमन के 24 घंटे के भीतर फॉर्म-सी की मुद्रित प्रतियां प्राप्त करनी होंगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि इन नियमों का पालन किए बिना 2020 से विदेशी नागरिकों को घर किराए पर देने वाले कुछ मकान मालिकों के खिलाफ कुल 70 मामले दर्ज किए गए हैं। इन 70 मामलों में से 42 मामले अदालत में लंबित हैं। 26 मामलों की जांच चल रही है। 1 मामला स्थानांतरित कर दिया गया है।

बांदेपल्या पुलिस स्टेशन के एक मामले में आरोपी के खिलाफ आरोप अदालत में साबित हुए और आरोपी पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। उन्होंने कहा कि इसलिए यह बात जनता के ध्यान में लाई गई है कि प्रत्येक मकान मालिक का यह कर्तव्य है कि वह किसी भी विदेशी नागरिक को किराये पर देने या आश्रय देने से पहले उसकी पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी प्राप्त कर ले तथा नियमों के अनुसार संबंधित प्राधिकारी को उसका विवरण उपलब्ध कराए। सीसीबी महिला सुरक्षा इकाई पुलिस ने दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है जो वीजा समाप्त होने के बावजूद शहर के हेब्बाल पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर आनंदनगर में एक घर में अवैध रूप से रह रहे थे। जांच से पता चला कि इन दोनों नागरिकों को एक भारतीय नागरिक ने बिजनेस वीजा के तहत भारत आमंत्रित किया था।

हेब्बाल पुलिस स्टेशन में दो विदेशी नागरिकों के साथ-साथ घर के मालिक और उन्हें भारत लाने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जो वीजा समाप्त होने के बावजूद भारत में रह रहे हैं, और उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है। यह कार्रवाई केंद्रीय अपराध शाखा की महिला सुरक्षा इकाई के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा की गई।

मंत्री ने जनता दर्शन में अनुपस्थित रहने पर खान अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने खान एवं भूविज्ञान विभाग की वरिष्ठ अधिकारी कृष्णावेनी को 5 फरवरी को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान बिना कारण बताए अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार, 5 फरवरी को बंटवाल में जनता दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता मंत्री दिनेश गुंडू राव ने की थी। कार्यक्रम के दौरान कई लोगों की शिकायतों के बावजूद खान एवं भूविज्ञान अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के अनुपस्थित रहे। मामले को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। कार्यक्रम के दौरान खान एवं भूविज्ञान विभाग से संबंधित लोगों की शिकायतों का समाधान करना उनकी जिम्मेदारी थी। नोटिस में आगे कहा गया है कि कृष्णावेनी ने अपनी अनुपस्थिति के लिए संबंधित उच्च अधिकारियों या जिला प्रभारी मंत्री से पूर्व अनुमति नहीं ली थी। उन्हें तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है।

कोट्टारू, गट्टी कुद्रू द्वीप समूह में अवैध रेत खनन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उल्लाल तालुक के हरेकल और अंबलमोगरू गांवों में स्थित कोट्टारू कुदरू और गट्टी कुदरू द्वीपों के निवासी अवैध रेत खनन के कारण भय में जी रहे हैं। द्वीप बचाओ समिति के अध्यक्ष ओसवाल्ड फर्टाडो ने कहा कि स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि अब द्वीपों के खत्म होने का खतरा मंडरा रहा है। मंगलवार को मल्लिकट्टे में खान एवं भूविज्ञान विभाग के कार्यालय के सामने समिति द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए फर्टाडो ने कहा कि इन द्वीपों पर पीढ़ियों से रह रहे लगभग 40 प्रतिशत परिवार अब खतरे में हैं, क्योंकि अवैध रेत खनन के कारण आधी जमीन पहले ही खत्म हो चुकी है। उन्होंने अधिकारियों से अनधिकृत गतिविधियों को रोकने और स्थानीय निवासियों को सुरक्षा और शांति बहाल करने का आग्रह किया। समिति के मानद सलाहकार सुनील कुमार बाजल ने सार्वजनिक विरोध के माध्यम से उलिया द्वीप पर अवैध रेत खनन को रोकने में मिली सफलता की ओर इशारा किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हरेकल के जुड़वां द्वीपों पर खुलेआम काम कर रहे अवैध रेत माफिया से निपटने के लिए इसी तरह के संघर्ष की जरूरत है। उन्होंने खनन नियमों का उल्लंघन करने वालों को बेनकाब करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए गहन जांच की मांग की। मेंगलूरु डायोसीज के जनसंपर्क अधिकारी रॉय कैस्टेलिनो ने चिंता व्यक्त की कि रेत माफिया की गतिविधियां फल-फूल रही हैं, लेकिन स्थानीय निवासियों को न्याय के लिए विरोध करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने निर्वाचित प्रतिनिधियों की ओर से कार्रवाई की कमी की आलोचना करते हुए कहा जिले में सांसद और विधायक होने के बावजूद स्थानीय लोगों की समस्याओं का कोई समाधान नहीं है। डीवाईएफआई नेता संतोष कुमार बाजल ने सवाल उठाया कि मौजूदा सरकार, जिसने पहले उसी स्पीकर के तहत सैंड बाजार ऐप के जरिए अवैध रेत खनन पर अंकुश लगाया था, जो अब विधायक हैं, चल रहे मुद्दे को संबोधित करने में विफल क्यों रही है। पूर्व पार्षद और अधिवक्ता मरियम्मा थॉमस ने खुलासा किया कि निवासी 20 से अधिक वर्षों से अवैध रेत खनन के संबंध में याचिकाएं प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। उन्होंने उल्लेख किया कि हालांकि 2007 में तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर द्वारा स्काउट्स और गाइड्स पट्टिका लगाई गई थी, लेकिन अवैध गतिविधियां खुलेआम जारी हैं, और माफिया का विरोध करने पर निवासियों को जान से मारने की धमकी दी जाती है। विरोध प्रदर्शन में समिति की महासचिव सुनीता डिसूजा, स्थानीय निवासी किशोर डिसूजा और नेल्सन, तथा सामाजिक कार्यकर्ता अशुंथ और योगेश जप्पिनामोगारू सहित अन्य लोग शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन से पहले सेंट एग्नेस जंक्शन से मल्लिकट्टे तक एक रैली निकाली गई, जिसमें विभिन्न सार्वजनिक संगठनों ने द्वीपवासियों के साथ हाथ मिलाया।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से नौ विश्वविद्यालयों को बंद करने पर रोक लगाने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार शाम को कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की और भाजपा के पिछले कार्यकाल के दौरान स्थापित नौ विश्व विद्यालयों को बंद करने के राज्य सरकार के फैसले का विरोध करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में एमएलसी एन रविकुमार, शशिल नमोशी, हनुमंत निरानी और डीएस अरुण के साथ-साथ भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ के राज्य संयोजक सीबी शशिधर और सह-संयोजक एमजी भट, हरीश के, राघवेंद्र और अश्विनी शंकर शामिल थे। निर्णय को अवैज्ञानिक, असंवैधानिक और अन्यायपूर्ण करार देते हुए ज्ञापन में ग्रामीण और आर्थिक रूप से वंचित छात्रों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को उजागर किया गया। भाजपा ने सरकार से हजारों छात्रों के शैक्षणिक भविष्य की रक्षा के लिए तुरंत अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए सुझाव दिया कि उन्हें 'विश्वविद्यालयों के बजाय बार बंद कर देने चाहिए। विधान सौधा में बोलते हुए उन्होंने कहा विश्वविद्यालयों के बंद होने से छात्र उच्च शिक्षा के लिए पड़ोसी राज्यों में पलायन करेंगे। शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने के बजाय, सरकार को राज्य में 3,000 बार बंद करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अशोक ने विश्वविद्यालयों के लिए 342 करोड़ रुपये आवंटित करने में असमर्थता का दावा करते हुए 4 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश करने में विरोधाभास की ओर भी इशारा किया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सी एन अश्वथ नारायण ने चेतावनी दी कि आठ विश्वविद्यालयों को बंद करने से प्रगति में बाधा आएगी और छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने तर्क दिया कि भाजपा के कार्यकाल के दौरान बिना अतिरिक्त पदों के कुशल संसाधन आवंटन के माध्यम से विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई थी। नारायण ने 2021 के आंकड़ों का हवाला दिया, जिसमें चामराजनगर (10 प्रतिशत), मांड्या (15 प्रतिशत) और बागलकोट (16 प्रतिशत) जैसे जिलों में कम कॉलेज नामांकन दर दिखाई गई, जबकि राज्य का औसत 33 प्रतिशत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय शिक्षा के संस्थान हैं, राजस्व पैदा करने वाले उद्यम नहीं। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कांग्रेस सरकार से शिक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया और बी आर अंबेडकर के शिक्षा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने को याद किया। उन्होंने सरकार की आलोचना की कि उसने भारी भरकम बजट पेश किया लेकिन शिक्षा के लिए 350 करोड़ रुपये आवंटित नहीं किए। विश्वविद्यालयों को बंद करने का निर्णय 13 फरवरी को उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट उपसमिति की बैठक के दौरान लिया गया।

दक्षिण कन्नड़ में मातृ मृत्यु दर में आई कमी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में गर्भवती महिलाओं में मातृ मृत्यु दर चिंता का विषय बनी हुई है, लेकिन दक्षिण कन्नड़ जिले में मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। 2019 में जिले में 19 गर्भवती महिलाओं और 354 शिशुओं की मृत्यु दर्ज की गई। हालांकि, मार्च 2024 तक पांच साल की अवधि में मातृ मृत्यु की संख्या घटकर 10 रह गई, जबकि 300 शिशुओं की मृत्यु दर्ज की गई। विभाग के अनुसार, एनीमिया या कुपोषण के कारण किसी भी बच्चे की मृत्यु नहीं हुई है। मातृ मृत्यु दर के प्राथमिक कारणों में गंभीर रक्तस्राव, गर्भाशय संबंधी जटिलताएं, समय से पहले जन्म और अन्य अप्रत्याशित चिकित्सा स्थितियां शामिल हैं। 2020-21 की अवधि में, दक्षिण कन्नड़ जिले में 22 गर्भवती महिलाओं की जान चली गई, जिसमें मातृ मृत्यु दर (एमडीआर) 84.36 प्रतिशत रही। उल्लेखनीय रूप से, मेंगलूरु में नौ, पुत्तूर में सात, बंटवाल में चार और बेल्टांगडी में चार मौतें दर्ज की गईं। हालांकि, 2021-22 में मातृ मृत्यु की संख्या घटकर 16 हो गई, जिसमें मेंगलूरु में सात, पुत्तुर में चार, बेलटांगडी में तीन और बंटवाल में दो मौतें शामिल हैं, जिससे एमडीआर घटकर 59.6 प्रतिशत हो गया। 2022-23 में, 14 मातृ मृत्यु के साथ एक और गिरावट देखी गई, मेंगलूरु में तीन, बंटवाल में पांच, बेलटांगडी में चार और पुत्तूर में दो - जिसके परिणामस्वरूप एमडीआर 51.1 प्रतिशत हो गया। यह प्रवृत्ति 2023-24 में जारी रही, जिसमें 10 मातृ मृत्यु की सूचना मिली - बंटवाल में एक, बेलटांगडी में चार, मेंगलूरु में दो और पुत्तूर में तीन - जिससे एमडीआर घटकर 38.7 प्रतिशत हो गया। चालू 2024-25 की अवधि में, मातृ मृत्यु की संख्या और घटकर आठ हो गई है, बंटवाल में एक, बेलटांगडी और मेंगलूरु में तीन-तीन। सुलिया, जिसने 2020 से 2023 तक शून्य मातृ मृत्यु दर्ज की थी, ने 2024-25 में एक मातृ मृत्यु की सूचना दी। वर्तमान एमडीआर 36.8 प्रतिशत है। 2020-21 की अवधि में, 22 मातृ मृत्यु में से 10 निजी अस्पतालों में, आठ सरकारी अस्पतालों में, तीन घर पर और एक अस्पताल ले जाने के दौरान हुई। 2021-22 में, निजी और सरकारी दोनों अस्पतालों में सात-सात मातृ मृत्यु दर्ज की गईं, जबकि दो पारगमन के दौरान हुईं। 2022-23 में, सरकारी अस्पतालों में आठ, निजी अस्पतालों में चार, घर पर एक और पारगमन के दौरान एक मृत्यु दर्ज की गई। 2023-24 में, सरकारी अस्पतालों में तीन, निजी अस्पतालों में छह और घर पर एक मातृ मृत्यु हुई। 2024-25 में, सरकारी अस्पताल में एक, निजी अस्पतालों में चार, घर पर एक और पारगमन के दौरान दो मौतें दर्ज की गई हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.आर. थिम्मैया के अनुसार, निजी अस्पतालों में मातृ मृत्यु दर में वृद्धि मुख्य रूप से जिले के बाहर से आने वाले रोगियों और निजी चिकित्सा अस्पतालों से रेफर किए जाने के कारण है। इनमें से कई रोगियों को गंभीर अवस्था में निजी अस्पतालों में भर्ती कराया जाता है, जिससे इन सुविधाओं में मृत्यु दर बढ़ जाती है।

फिल्म उद्योग को भूमि, जल और भाषा के मुद्दे पर खुलकर बोलना चाहिए: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अपना बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने कन्नड़ फिल्म उद्योग के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए ही नट-बोल्ट का मुद्दा उठाया था। विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग को दी गई चेतावनी के कारण उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मुझे पता था कि मेरे बयान पर आलोचना, बहस और आलोचनात्मक प्रतिक्रियाएं होंगी। इसके लिए मुझे कोई आपत्ति नहीं है। यदि चर्चा होगी तो पता चल सकेगा कि गलती किसकी है। हममें सिनेमा के बिना भी जीने की ताकत है। उन्होंने रहस्यपूर्ण ढंग से कहा कि सिनेमा को सरकार और जनता की जरूरत है। मैं जानता हूं कि मैंने फिल्म उद्योग की कितनी मदद की है। यहां तक कि जिन लोगों को सहायता मिली है, वे भी इसके बारे में जानते हैं। जब बात भूमि, जल और भाषा की आती है तो फिल्म उद्योग को अपनी बात कहनी चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव हमारे लिए नहीं बना था।

यह फिल्म उद्योग के विकास के लिए किया गया था। क्या हमें हर सुबह और शाम उनके कार्यक्रम का प्रचार करना चाहिए, बिना उनके स्वयं प्रचार किए? कुछ लोगों ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि निमंत्रण पत्र नहीं आया है। उन्होंने कहा कि इस बात पर चर्चा होनी चाहिए, आलोचना होनी चाहिए और सुधार होना चाहिए कि कौन सही है और कौन गलत।

ठेकेदारों के संगठन के पदाधिकारी उनसे मिलने आये थे। उनके अधीन आने वाले बेंगलूरु शहरी विकास और जल संसाधन विभागों में 1.20 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। पिछली भाजपा सरकार ने लागत प्रभावी कार्यों को मंजूरी दी थी। हमारी वार्षिक बिल भुगतान क्षमता केवल 6,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने जल संसाधन विभाग की भद्रा परियोजना के लिए 2,300 करोड़ रुपये आवंटित करने को कहा हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही पैसा आएगा, वरिष्ठता और प्राथमिकता के आधार पर छोटे-छोटे बिल जारी कर दिए जाएंगे।

दंपती और उनके बच्चे को बदमाशों ने किया अगवा

चामराजनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के गुंडलुपेट तालुक में बांदीपुर टाइगर रिजर्व के एक निजी रिसॉर्ट में ठहरे दंपती और उनके बच्चे को सोमवार को बदमाशों ने अगवा कर लिया। दंपती अपने बच्चे के साथ रविवार रात बांदीपुर के पास एक रिसॉर्ट में ठहरे थे।

सोमवार को दंपती और उनके बच्चे को दो कारों में सवार बदमाशों ने उस समय अगवा कर लिया, जब वे रिसॉर्ट से निकल रहे थे। बाद में रिसॉर्ट मालिक ने पुलिस को सूचना दी, जो मौके पर पहुंची। डीएसपी लक्ष्मैय्या के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जानकारी जुटाई। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की गई। घटना के बारे में एसपी बीटी कविता ने बताया कि रिसॉर्ट मालिक ने सोमवार दोपहर एक बजे पुलिस को घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो वाहनों में सवार होकर आए बदमाश पति-पत्नी और बच्चे को ले गए। यह पता नहीं चल पाया है कि उन्हें रिश्तेदार ले गए या कोई और ले गया। रिसॉर्ट को भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि उन्हें कौन ले गया। अगर यह अपहरण होता, तो विरोध होता। उन्होंने बताया कि पुलिस दल को घटनास्थल पर भेज दिया गया है तथा जांच जारी है।

कर्नाटक बंद जरूरी नहीं: मंत्री रामलिंगा रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में बस यातायात सुचारू है और कानून-व्यवस्था अच्छी है। इस समय कर्नाटक बंद आवश्यक नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कन्नड़ समर्थक संगठनों द्वारा कर्नाटक बंद के आह्वान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही। कर्नाटक के एक ट्रांसपोर्ट कंपनी संचालक पर हमले को आठ दिन हो गए हैं। शुरू में कुछ दिनों तक विरोध प्रदर्शन हुआ। महाराष्ट्र में भी हमारे ड्राइवरों और परिचालकों पर स्याही फेंकी गई।

ठेकेदारों ने 30,000 करोड़ रुपये के लंबित बिल मांगे

सीएम सिद्धरामैया ने कार्रवाई का आश्वासन दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ ने सोमवार शाम को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और लंबित बिलों में से 30,000 करोड़ रुपये जारी करने का आग्रह किया।

जब संभव हो, तो उन्हें धन वितरित करने का आश्वासन देते हुए, मुख्यमंत्री ने बढ़ते बकाये के लिए पिछली भाजपा सरकार की आलोचना की। सिद्धरामैया ने बताया कि पिछली सरकार ने बजट निधि आवंटित किए बिना निविदाएं जारी कीं, जिससे ठेकेदारों को वित्तीय सहायता के बिना काम करना पड़ा। उन्होंने कहा ठेकेदारों ने अप्रैल में 15,000 करोड़ रुपये की मांग की, लेकिन मैंने समझाया कि यह संभव नहीं है। हालांकि, मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि हम राज्य की वित्तीय स्थिति के आधार पर जो भी कर सकते हैं, जारी करेंगे। मांगें पूरी न होने पर कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से संपर्क करने की ठेकेदारों की योजना के जवाब में, सिद्धरामैया ने कहा वे किसी से भी मिलने के लिए स्वतंत्र हैं। हमारे निर्णय हमारी वित्तीय क्षमता के अनुरूप होने चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि अवैतनिक बिल कैसे जमा हो गए, इसके लिए भाजपा द्वारा धन के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने पूछा क्या हम इसके लिए जिम्मेदार हैं? कमीशन मांगने के आरोपों पर मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा ठेकेदारों को कमीशन नहीं देना चाहिए। रिश्वत देना और लेना दोनों ही गलत है। मैंने कभी भी बिलों को पास करने के लिए पैसे नहीं मांगे। सिद्धरामैया ने विधायी कार्यक्रम की रूपरेखा भी बताई, जिसमें राज्यपाल के अभिभाषण और 7 मार्च को राज्य के बजट प्रस्तुतिकरण पर चर्चा पर प्रकाश डाला गया। बजट चर्चा 19 मार्च तक चलेगी, जिसके बाद विधानसभा और विधान परिषद में उनका जवाब होगा। बजट विवरण के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरामैया ने गोपनीयता बनाए रखते हुए कहा बजट एक गोपनीय दस्तावेज है। मैं कोई विवरण नहीं बता सकता।

वक्फ बोर्ड का 58,000 से ज्यादा सम्पत्तियों पर कब्जा

256 संरक्षित इमारतों पर भी वक्फ बोर्ड का दावा

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेंसियां)। वक्फ बोर्ड ने पूरे देश में 58,000 से ज्यादा सम्पत्तियों पर कब्जा कर रखा है। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की 256 संरक्षित इमारतों को भी वक्फ बोर्ड ने अपनी सम्पत्ति बताया है।

आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक वक्फ बोर्ड देश की ऐतिहासिक धरोहरों पर भी अपना दावा ठोक रहा है। एएसआई द्वारा संरक्षित 256 ऐतिहासिक एवं प्राचीन इमारतों पर भी वक्फ बोर्ड ने अपना हक जताया है। इनमें दिल्ली की 75 इमारतें शामिल हैं, जिनमें कुतुब मीनार क्षेत्र, सुंदरवाला महल, बाराखंभा, पुराना किला, लाल बंगला, कर्नाटक का बीदर किला, कलबुर्गी स्थित गुलबर्ग किला भी शामिल हैं। इसके अलावा प्राचीन जामा मस्जिदें, सूफी संतों की दरगाहें और गुंबदों पर भी दावा किया गया है।

रेलवे की 2704 वर्ग मीटर जमीन पर भी वक्फ बोर्ड ने कब्जा कर रखा है। जयपुर रेलवे स्टेशन की 45.9 वर्ग मीटर और जोधपुर रेलवे स्टेशन की 131.67 वर्ग मीटर जमीन को भी वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया गया है। इस मामले में कई मामले अदालत में लंबित हैं। रेल मंत्रालय ने बताया है कि यदि वक्फ ट्रिब्यूनल रेलवे के खिलाफ फैसला देता है, तो रेलवे इसे उच्च न्यायालय में चुनौती नहीं दे सकता। रेलवे केवल पुनरीक्षण आवेदन ही दायर कर सकता है, जो केवल कानूनी त्रुटियों की जांच तक सीमित होता है। ऐसे में, वक्फ अधिनियम में संशोधन के बाद रेलवे के पास अदालत में चुनौती देने का अधिकार होगा, जिससे इस विवाद को सुलझाने में मदद मिलेगी।

वक्फ में भ्रष्टाचार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

उधमसिंह नगर, 04 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले में वक्फ बोर्ड के लोगों द्वारा भ्रष्टाचार किए जाने के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कई सम्पत्तियां ऐसी पाई गई हैं जिनमें वक्फ बोर्ड के नाम पर भूमाफियायों ने कब्जा जमा रखा है। वक्फ सम्पत्ति संख्या 14, मस्जिद काजीबाग, मोहल्ला काजीबाग, काशीपुर, उधम सिंह नगर के सचिव ने वक्फ की पूर्व कमेटी सहित 15 लोगों के खिलाफ वक्फ के 1 लाख 25 हजार रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने 15 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वक्फ संख्या 14, मस्जिद काजीबाग, मोहल्ला काजीबाग, काशीपुर, उधम सिंह नगर के सचिव अली अनवर ने कोतवाली काशीपुर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मौहल्ला काजीबाग, वार्ड संख्या 27, काशीपुर में एक मस्जिद वक्फ सम्पत्ति के रूप में दर्ज चली आ रही है। जिसका प्रबंधन उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड, देहरादून द्वारा नियुक्त समिति द्वारा वक्फ अधिनियम 1995 यथा संशोधित अधिनियम 2013 के प्रावधानों के तहत किया जाता है। इसी क्रम में दिनांक 16 दिसम्बर 2024 को उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड, देहरादून का एक पत्र प्राप्त हुआ है जो कि उसके 11 दिसंबर 2024 के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को प्रेषित पत्र के सम्बंध में है, जिसके माध्यम से उन्हें सूचित किया गया है कि उक्त प्रकरण मस्जिद काजीबाग, काशीपुर, वक्फ संख्या 14, काजीबाग, काशीपुर से संबंधित है। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए विधिवत सुसंगत धाराओं में सम्बंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

वक्फ बोर्ड ने गांव और शिवलिंग पर भी ठोका दावा

रायसेन, 04 मार्च (एजेंसियां)। एक तरफ भारत सरकार वक्फ बोर्ड में सुधार के लिए वक्फ संशोधन विधेयक को कानूनी रूप देने में लगी हुई है, दूसरी ओर वक्फ बोर्ड अपनी मनमानियों से बाज नहीं आ रहा है। ताजा मामला मध्य प्रदेश के रायसेन जिले का है, जहां वक्फ बोर्ड ने एक पूरे के पूरे हिंदू बहुल गांव पर ही अपना दावा ठोंक दिया। इसके साथ ही गाव में स्थापित शिवलिंग पर भी उसने क्लेम कर दिया है। रायसेन के माखनी गांव वालों को वक्फ बोर्ड की ओर से नोटिस भेजा गया है, जिसमें बोर्ड ने कहा है कि वो जिस जमीन पर रह रहे हैं, असल में वो वक्फ बोर्ड की है और उन्हें इसे खाली करना होगा। वक्फ बोर्ड के द्वारा भेजे गए नोटिस में ये कहा गया है कि जहां पर हिंदू रह रहे हैं, वो असल में कब्रिस्तान की जमीन है। जिन सम्पत्तियों पर वक्फ बोर्ड ने क्लेम किया है, उसमें हिंदुओं के घर, जमीन, चबूतरा, खेत और शिवलिंग तक शामिल हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर जमीन को खाली नहीं किया तो कार्रवाई करेंगे। खास बात ये है कि वक्फ के पास ऐसा कोई सबूत भी नहीं है, जिससे वो ये साबित कर सके कि उक्त जमीन उसकी है। वक्फ बोर्ड ने गांव की तीन एकड़ की जमीन को भी अपना करार दिया है। वहीं राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में ये जमीन सरकारी सम्पत्ति के तौर पर दर्ज है। वक्फ बोर्ड का दावा है कि कादर खान नाम के व्यक्ति का ये गांव है और उसी ने वक्फ को ये जमीन दान की है। वहीं गांव के हिंदुओं ने वक्फ बोर्ड की इस मनमानी का कड़ा विरोध किया है। लोगों का कहना है कि वे लोग कई पीढ़ियों से इस गांव में ही रहते आ रहे हैं। इस गांव में कोई भी कादर खान नहीं रहता था। लोगों ने दो टूक कहा है कि वे वक्फ बोर्ड की मनमानियों के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे, लेकिन अपना घर और अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे।

सेबी की पूर्व अध्यक्ष माधबी पुरी बुच को राहत

एफआईआर दर्ज करने के आदेश पर रोक

मुंबई, 04 मार्च (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शेयर बाजार धोखाधड़ी मामले में सेबी की पूर्व अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के विशेष अदालत के आदेश पर रोक लगा दी है। सेबी की पूर्व प्रमुख बुच और पांच अन्य ने कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी के लिए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

हाईकोर्ट ने कहा कि वह याचिकाओं पर 4 मार्च को सुनवाई करेगा। एसीबी से तब तक विशेष अदालत के आदेश पर कार्रवाई नहीं करने को कहा गया था।

इससे पहले मुंबई की एक विशेष कोर्ट ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के आरोप में पूर्व सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था।

मुंबई स्थित विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने शनिवार को पारित आदेश में कहा था कि प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत के सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। कोर्ट ने कहा था कि वह जांच की निगरानी करेगा। मामले में 30 दिनों के भीतर स्टेटस रिपोर्ट सौंपने को कहा गया था।

अदालत ने आदेश में यह भी कहा था कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, जिसके लिए जांच जरूरी है। आदेश में कहा गया था कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण सीआरपीसी (आपराधिक प्रक्रिया संहिता) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है।

माधबी बुच के अलावा जिन अन्य अधिकारियों के खिलाफ अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, उनमें बीएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदररामन राममूर्ति, इसके तत्कालीन चेयरमैन और जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल और सेबी के तीन पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश में पाई गई सर्वाधिक डॉल्फिन

देश की नदियों में 6327 डॉल्फिन, अकेले यूपी में 2397

लखनऊ, 04 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को गुजरात के गिर राष्ट्रीय उद्यान में हुई राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक में प्रधानमंत्री ने देश की नदियों में डॉल्फिन की मौजूदगी की एक अनुमानित रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में नदी डॉल्फिन की कुल संख्या 6,327 है। इसमें सर्वाधिक संख्या 2397 के साथ उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है।

आठ राज्यों की 28 नदियों का सर्वेक्षण किया गया था, जिसमें 8,500 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को कवर करने के लिए 3150 दिन का समय लगा। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई, उसके बाद बिहार, पश्चिम बंगाल और असम का स्थान रहा। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने वन, पर्यावरण के साथ-साथ जलीय जंतुओं के संरक्षण पर भी काफी जोर दिया है। इसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश की नदियों में सर्वाधिक डॉल्फिन पाई गईं। उत्तर प्रदेश में 2397 डॉल्फिन पाई गईं। बिहार में 2220, पश्चिम बंगाल में 815 व असम में 635 डॉल्फिन पाईं गईं। योगी सरकार ने 17 अक्टूबर 2023 को गंगा डॉल्फिन को राज्य जलीय जीव घोषित किया। गांगेय डाल्फिन की उपस्थिति उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना, चम्बल, घाघरा, राप्ती, गेरूआ आदि नदियों में पाई गई है।

सरकारी स्कूल पर मुसलमानों ने किया कब्जा

अवैध निर्माण को प्राधिकरण ने किया सील

हल्द्वानी, 04 मार्च (एजेंसियां)। काठगोदाम के रेलवे स्टेशन चौराहा पर प्राथमिक कन्या विद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए जा रहे अवैध गेस्ट हाउस को जिला विकास प्राधिकरण ने सील कर दिया है। हालांकि, यह कार्रवाई मीडिया में खबर छपने के बाद ही हुई, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि प्रशासन और शिक्षा विभाग इस मामले को पहले क्यों नजरअंदाज करते रहे।

काठगोदाम के रेलवे स्टेशन चौराहा स्थित प्राथमिक कन्या विद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण का मामला पहले ही मीडिया में सुर्खियों में आ चुका था। प्रकाशित खबरों में यह खुलासा हुआ था कि सड़क चौड़ीकरण के चलते कई दुकानों का पुनर्निर्माण किया जा रहा था, और इस सिलसिले में विद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण की साजिश रची गई थी। विद्यालय की करीब 12 फीट भूमि पर स्थित पेयजल टैंक और शौचालय को ध्वस्त कर, दो मंजिलों वाली 10 व्यवसायिक दुकानों का निर्माण शुरू कर दिया गया था। इस अतिक्रमण से स्कूल की करीब 110 वर्ग फीट भूमि कब्जा हो गई, जिसका बाजार मूल्य लगभग करोड़ों रुपए था।

इतना ही नहीं, मोहम्मद मियां, अहमद मियां और रईस मियां जैसे अतिक्रमणकारी लंबे समय से विद्यालय के एक बड़े भू-भाग पर अवैध रूप से कब्जा जमाए हुए थे, और उन्होंने यहां तीन अलग अलग नाम से गेस्ट हाउस का निर्माण भी कर दिया था। इन गेस्ट हाउस का कुल क्षेत्रफल 2160 वर्ग फीट है, इस भूमि का बाजार मूल्य लगभग 6 करोड़ 48 लाख रुपए आंका गया है। यह मामला तब सामने आया जब आरटीआई कार्यकर्ता रवि शंकर जोशी ने इसकी शिकायत जिलाधिकारी नैनीताल, मुख्य शिक्षा अधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट और जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण से की थी।

इसके बाद भी प्रशासन और विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। जब यह मामला मीडिया में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ, तब जिला विकास प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमणकारियों से भवन निर्माण से संबंधित स्वीकृत दस्तावेज मांगे। कब्जेदार दस्तावेज पेश नहीं कर पाए, जिसके बाद टीम ने मोहम्मद मियां और अहमद मियां के साईं गेस्ट हाउस, रोज मियां के गेस्ट हाउस और मौज राम यादव के कृष्णा होटल के द्वितीय तल को सील कर दिया। प्राधिकरण सचिव विजय नाथ शुक्ला ने बताया कि अवैध निर्माण को सील किया गया है भू दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

पंजाब की जेल से संचालित हो रहा ड्रग्स का धंधा

पाकिस्तान से जुड़े तार, आपा सरकार को हाईकोर्ट की फटकार

चंडीगढ़, 04 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब की आम आदमी पार्टी (आपा) की सरकार नशे पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। ड्रग्स से जुड़े एक मुद्दे पर पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय ने सरकार को फटकारा है। असल में अमृतसर सेंट्रल जेल से मोबाइल फोन के जरिए नशे का कारोबार चलाए जाने का बड़ा राजफाश हुआ, जिसके तार पाकिस्तान सहित कई अंतरराष्ट्रीय तस्करों से जुड़े हैं।

हाईकोर्ट ने इस मामले को बेहद गंभीर करार देते हुए पंजाब सरकार को कड़ी फटकार लगाई। सवाल उठाते हुए अदालत ने कहा कि उनकी सख्ती के बावजूद जेल से यह अवैध कारोबार क्यों नहीं रुक रहा। हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि सिर्फ कुछ कैदियों पर कार्रवाई करने से समस्या हल नहीं होगी, क्योंकि इस रैकेट में जेल प्रशासन ही नहीं, बल्कि गृह विभाग के बड़े अधिकारियों की संलिप्तता भी हो सकती है।

यह मामला तब सामने आया जब पुलिस ने तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया और पूछताछ में पता चला कि उनका एक साथी,

जो पहले से ही नशा तस्करी में अमृतसर सेंट्रल जेल में बंद है, वहीं से मोबाइल फोन के जरिये पूरे रैकेट का संचालन कर रहा था। पुलिस ने जब जेल में छापा मारकर उसका फोन जब्त किया तो उसमें पाकिस्तान सहित कई अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करों से संपर्क के प्रमाण मिले। यह राजफाश तब हुआ जब आरोपित कुलदीप सिंह ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट के कड़े रुख के बाद पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट को जानकारी दी कि पंजाब के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, जेल विभाग ने विशेष पुलिस महानिदेशक, एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स, मोहाली को पत्र लिखकर उन जेल अधिकारियों की पहचान करने को कहा है, जो इस मामले में आरोपित के साथ संलिप्त हैं। सरकार ने कोर्ट को बताया कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ जल्द ही अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अदालत को आश्वस्त किया कि इस मामले में दो हफ्ते के भीतर सप्लिमेंट्री चालान पेश किया जाएगा।

सरकार के इस जवाब पर हाईकोर्ट ने इस मामले की स्टेटस रिपोर्ट 25 अप्रैल को कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। जस्टिस एनएस शेखावत ने यह सवाल भी उठाया कि जब लगातार जेलों में मोबाइल फोन और नशे की तस्करी के मामले सामने आ रहे हैं, तो अब तक अधिकारियों पर कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इसको लेकर कोर्ट ने सरकार की फटकार लगाई है। नशे के मोर्चे पर मान सरकार निरंतर घिरती जा रही है।

औरंगजेब को लेकर दिए बयान पर अबू आजमी ने माफी मांगी

मुंबई, 04 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने औरंगजेब पर दिए अपने बयान को लेकर माफी मांगी है और अपना बयान वापस ले लिया है। उन्होंने अपने बयान पर खेद जताते हुए कहा कि यह उनका व्यक्तिगत बयान नहीं था, बल्कि उन्होंने असम के मुख्यमंत्री द्वारा राहुल गांधी की तुलना औरंगजेब से किए जाने पर प्रतिक्रिया दी थी। इसके साथ ही उन्होंने अपने बयान को वापस लेने की बात कही है। अबू आजमी ने कहा कि वह अपना बयान वापस ले रहे हैं।

अबू आजमी के बयान पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था, यह अबू आजमी को महंगा पड़ेगा और महाराष्ट्र की जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज हमारे देवता हैं। छत्रपति संभाजी महाराज बलिदान देने के बाद भी जीत गए और औरंगजेब जीतने के बाद भी हार गया था। इससे पहले राज्य के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने अबु आजमी को देशद्रोही तक करार दे दिया था। शिंदे ने इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाया और कहा कि अबु आजमी ने छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज का अपमान किया। उन्होंने कहा कि अबु आजमी को सदन से निलंबित किया जाना चाहिए।

ट्रेन पकड़ने आए यात्री को आया हार्ट अटैक, रेल पुलिस ने बचाई जान

मुजफ्फरपुर, 04 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर एक यात्री अचानक जमीं पर गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोग उधर दौड़ पड़े। लोगों ने बताया कि यात्री को हार्ट अटैक हुआ है। यात्री की पहचान मधुबनी जिला के फुलपरास के निवासी संजय कुमार मिश्रा के रूप में की है। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने आननफानन में रेलवे पुलिस को बुलाया। रेलवे पुलिस संजय कुमार मिश्रा को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

रेल पुलिस के आरक्षी संतोष कुमार झा के द्वारा सूचना दी गई कि एक यात्री संजय कुमार मिश्रा अपने परिजन के साथ गाड़ी संख्या 13211 से मुजफ्फरपुर जंक्शन आये और मुजफ्फरपुर जंक्शन से नरकटियागंज जाने के लिए प्लेटफफॉर्म संख्या 2 से होकर न्यू एफओबी पर चढ़कर आगे प्लेटफफॉर्म संख्या 06 पर आने के क्रम पर अचानक चक्कर आने के कारण गिर गये है।उनके अचानक गिरते देख आसपास के यात्री उधर दौड़ पड़े। लोगों ने इस घटना की जानकारी रेलवे पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे पुलिस वहां पहुंची और तुरंत रेलवे के डॉक्टर को सूचित किया गया।

फरार संजीव मुखिया की मुश्किलें बढ़ीं, ईओयू ने कसा शिकंजा

पटना, 04 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में पुलिस भर्ती परीक्षा पेपर लीक का विवाद एक बार फिर चर्चा में है।

आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने मंगलवार को फरार आरोपी संजीव कुमार के विरुद्ध फिर कार्रवाई की है। पटना स्थित ईओयू की विशेष टीम ने नगरनौसा थाना क्षेत्र के शाहपुर बलबा गांव में संजीव कुमार के निवास स्थान पर कोर्ट से प्राप्त इश्तिहार को चिपकाया है। यह कार्रवाई ईओयू थाना पटना में दर्ज मामला संख्या 16/23 से संबंधित है, जिसने पूरे राज्य में एक बड़ी सनसनी मचा दी है।

नालंदा जिले के नूरसराय वानिकी कॉलेज में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत संजीव कुमार उर्फ़ संजीव मुखिया बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा घोटाले का मुख्य संचालक माना जा रहा है। उनपर अपने बेटे डॉ. शिव के साथ मिलकर परीक्षा प्रणाली में व्यापक स्तर पर धांधली करने का आरोप है।

ईओयू टीम ने स्थानीय नगरनौसा थाना पुलिस की उपस्थिति में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। टीम ने संजीव कुमार को तत्काल आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। संजीव कुमार के पुत्र डॉ. शिव पहले ही सिपाही भर्ती पेपर लीक मामले में जेल में बंद है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

हम सांप्रदायिक नहीं, पर जो हमारा है हमें मिलना चाहिए : योगी

समाजवादी पार्टी को नहीं है राम-कृष्ण पर विश्वास

लखनऊ, 04 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश 2025-26 के सामान्य बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में शुरुआत से ही समाजवादी पार्टी पर करारा हमला किया है। उन्होंने साफ कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ राम मनोहर लोहिया का नाम तो लेती है, लेकिन वह उनके मूल्यों और आदर्शों से दूर जा चुकी है। आज की समाजवादी पार्टी न डॉ लोहिया के बताए आचरण के अनुरूप कार्य कर रही है और न ही उनके बताए आदर्शों पर चल रही है। उन्होंने उपचुनावों पर समाजवादी पार्टी के आरोपों पर भी करारा हमला करते हुए कहा कि दूसरों को उपदेश देने के बजाए स्वयं इन बातों को अपने आचरण में उतारा होता तो संभवत इतनी करारी हार नहीं होती और 2027 में भी इतनी करारी हार झेलने के लिए मजबूर न होना पड़ता। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सामान्य बजट 2025-26 में भाग लेने के लिए सभी सदस्यों का ह्दय से आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि अब तक कुल 93 सदस्यों में इस चर्चा में भाग लिया है, जिसमें 59 सदस्य सत्ता पक्ष और सहयोगी दलों के हैं, जबकि नेता प्रतिपक्ष समेत विपक्ष के 34 सदस्यों ने भी इसमें अपनी बात रखी है।

नेता प्रतिपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए सीएम योगी ने कहा कि मुझे अच्छा लगा कि नेता प्रतिपक्ष ने आज अपनी बात को बड़े दार्शनिक अंदाज में सदन में रखा। उन्होंने डॉ राम मनोहर लोहिया के एक अनुयायी के रूप में अपनी बात को रखने का प्रयास किया, लेकिन वह स्वयं इसका आचरण कर पाते हैं या नहीं, यह उन्हें स्वयं ही देखना चाहिए था। आज की समाजवादी पार्टी डॉ लोहिया का नाम तो लेती है, लेकिन उनके मूल्यों और आदर्शों से दूर जा चुकी है। डॉक्टर लोहिया ने कहा था कि एक सच्चा समाजवादी वह है जो सम्पत्ति और संतति से दूर रहे, यह तो आपकी पार्टी के आचरण से देख सकते हैं। आदर्श के रूप में उन्होंने भारत के लिए कहा था कि राम, कृष्ण और शंकर यह जब तक भारत के तीन आदर्श हैं तब तक भारत का कोई बाल बांका नहीं कर सकता है। भारत की जनता जब तक इन तीन देव महापुरुषों को अपना आदर्श मानेगी तब तक भारत, भारत बना रहेगा। इन तीनों देव महापुरुषों पर समाजवादी पार्टी का कोई विश्वास नहीं है, क्योंकि आप लोग भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं।

सीएम योगी ने कहा, आप कहते हैं कि हमारी सोच सांप्रदायिक है, आप मुझे बताइए कि हमारी सोच कहां से सांप्रदायिक है। हम तो सबका साथ, सबके विकास की बात करते हैं। हमारा तो आदर्श है सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे सर्वे संतु निरामया। इसका सबसे आदर्श उदाहरण आपके सामने है महाकुम्भ। 45 दिन के इस आयोजन ने भारत की विरासत और विकास की एक अनुपम छाप न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के सामने प्रस्तुत की है। क्या उसमें किसी के साथ कोई भेदभाव हुआ है। न जाति का भेद, ना क्षेत्र का भेद, ना मत और मजहब का भेद था। 100 से अधिक देशों के लोग बड़ी श्रद्धा भाव के साथ आए। जो भी विकास और विरासत की इस अनुपम छटा का सहभागी बना वह अभिभूत होकर गया। एक पक्ष यह है जो आपके सामने उदाहरण के रूप में है। प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता है, लेकिन दूसरा पक्ष वह भी था जब 26 फरवरी को संभल में 56 वर्षों के बाद शिव मंदिर में जलाभिषेक का कार्यक्रम हो रहा था। अकेले संभल में 67 तीर्थ थे और 19 कूप भी थे, जिनको एक निश्चित समय के अंदर समाप्त कर दिया गया। इन 67 तीर्थ में से 54 तीर्थ को ढूंढने का काम हमने किया है जो हमारी विरासत का हिस्सा हैं। जो 19 कूप हैं उन्हें भी मुक्त कराया गया है। हमने यही कहा है की जो हमारा है वह हमें मिल जाना चाहिए। हम इससे इतर कहीं नहीं जा रहे हैं। सच कड़वा होता है और कड़वे सच को स्वीकार करने का सामर्थ्य भी होना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश

अंसल ग्रुप के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

लखनऊ, 04 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ में अंसल ग्रुप द्वारा बड़ी तादाद में ग्राहकों के साथ धोखा किए जाने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंसल ग्रुप के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बायर्स के हित हर हाल में सुरक्षित होने चाहिए, इस मामले में दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होगी।

आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अंसल ग्रुप ने होम बायर्स के साथ धोखा किया है, जिसे सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। इस दौरान उन्होंने कंपनी के सभी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेने के निर्देश दिए। घटनाक्रम से प्रभावित आमजन के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ जैसे मामले जिन भी जिलों में अंसल ग्रुप के खिलाफ सामने आ रहे हैं उन सभी जिलों में एफआईआर दर्ज कराई जाए। मुख्यमंत्री ने एलडीए और पीड़ित बायर्स की एक समिति तैयार करने के निर्देश भी दिए, जिससे न्यायालय में अंसल के खिलाफ मजबूती से साक्ष्यों को प्रस्तुत किया जा सके। इससे न्यायालय द्वारा अंसल ग्रुप के लोगों को सजा दिलाने में आसानी होगी।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि एनसीए-लएटी द्वारा लखनऊ विकास प्राधिकरण एवं आवास विभाग को बिना नोटिस दिए एकपक्षीय आदेश पारित किया गया था। इस पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए उक्त आदेश के विरुद्ध प्राधिकरण द्वारा व्यापक जनहित में अपील योजित करने के निर्देश दिए। बैठक में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी लंबित मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शीघ्र आगे बढ़ाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री योगी ने बैठक में कानपुर मेट्रो, लखनऊ मेट्रो तथा आगरा मेट्रो के संचालन तथा निर्माणाधीन कॉरिडोर्स की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परियोजनाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिए। विशेष मौके पर मुख्यमंत्री ने वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी को लेकर प्रगति और प्रदेश में इससे जुड़े एक्शन प्वॉइंट्स के विभिन्न तथ्यों की समीक्षा भी की।

निरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई।

जयंत चौधरी और सांगवान की 13 करोड़ की सांसद निधि

पर विकास कार्य के लिए दोनों नहीं भेज रहे प्रस्ताव

बागपत, 04 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह और उनकी ही पार्टी रालोद के सांसद राजकुमार सांगवान की 13 करोड़ रुपए की निधि पड़ी हुई है। मगर, वह उसको खर्च करने के लिए प्रस्ताव ही नहीं दे रहे। इनमें जयंत की निधि के तीन करोड़ रुपए तो दो साल से बचे हुए हैं। अधिकारी भी अब प्रस्ताव मांगकर थक चुके हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री एवं रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह ने सांसद बनने के बाद बागपत को अपना नोडल जिला बनाया था। यहां से उनका खाता संचालित होता है और उनके खाते में निधि के करीब आठ करोड़ रुपए बाकी है।

वह अपनी निधि को केवल खेल सुविधाओं पर खर्च करने की बात कह चुके हैं। मगर, खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए भी फिलहाल उनका कोई प्रस्ताव नहीं आया है। उनकी निधि के तीन करोड़ रुपए तो दो साल पहले से पड़े हैं और वह उसको भी खर्च नहीं कर पा रहे हैं। अधिकारियों ने पहले उनसे कई बार प्रस्ताव भेजने के लिए भी कहा, मगर प्रस्ताव नहीं आने पर अब अधिकारी भी शांत हो गए।

रालोद के सांसद राजकुमार सांगवान की निधि के पांच करोड़ रुपए आए हुए भी करीब चार महीने बीत चुके हैं। मगर, उनकी तरफ से अभी तक उस निधि को खर्च करने के लिए विकास कार्यों के प्रस्ताव नहीं मिले हैं। उन्होंने अपने पत्र पर लिखकर प्रस्ताव दिए थे जो अधिकारियों ने ऑनलाइन देने की बात कहकर वापस लौटा दिए थे। इसके बाद से अधिकारी उनके प्रस्ताव का इंतजार कर रहे हैं। उनकी तरफ से अभी तक केवल मोदीनगर विधानसभा के छह प्रस्ताव दिए हैं। अन्य किसी विधानसभा के प्रस्ताव नहीं दिए गए हैं। इस तरह प्रस्ताव देने में कई-कई महीनों का समय लिया जा रहा है तो विकास कार्य किस तरह जल्दी हो सकते हैं।

विधानसभा के अंदर कालीन पर सपा विधायक ने पान थूका

विधानसभा अध्यक्ष ने सीसीटीवी में पकड़ा, कार्रवाई होगी

लखनऊ, 04 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी के एक विधायक ने सदन के अंदर पान मसाला खाकर थूक दिया। यह बात खुद स्पीकर सतीश महाना ने बताई। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सुबह उन्हें इसकी सूचना मिली तो वे खुद आए और जगह साफ करवाई। सतीश महाना ने सीसीटीवी फुटेज में उस विधायक को देखा, लेकिन उनका नाम सार्वजनिक नहीं किया।

उन्होंने कहा, मैं किसी को शर्मिंदा नहीं करना चाहता, पर जिसने किया वह मुझसे मिले। स्पीकर ने सभी 403 विधायकों से अपील की कि विधानसभा को साफ रखना सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई ऐसा करता दिखे तो उसे रोकें। सतीश महाना ने कहा, अगर वो विधायक खुद कबूल कर ले तो अच्छा, वरना उन्हें बुलवाना पड़ेगा। यह घटना मंगलवार को बजट सत्र के दरम्यान ही हुई। बुधवार को विधानसभा सत्र समाप्त हो जाएगा, तब सदन में पान थूकने वाला बाहर सड़कों पर पान थूकेगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में लिखवाया गया

संभल की जामा मस्जिद विवादित ढांचा है

प्रयागराज, 04 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में संभल की जामा मस्जिद को विवादित ढांचा लिखवाया गया है। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद को लेकर अभी भी विवाद की स्थिति है, हिंदू पक्ष मानता है कि वहां पर हरि-हरि का मंदिर हुआ करता था जिसे तुड़वाकर मस्जिद का निर्माण हुआ। इस मामले में लंबे समय से अदालत में सुनवाई चल रही है, हाईकोर्ट में भी कई घंटों की बहस हो चुकी है। अब इस बीच हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान संभल की जामा मस्जिद को विवादित ढांचा लिखवाया गया है।

जस्टिस रोहित रंजन ने सुनवाई के दौरान जामा मस्जिद को विवादित ढांचा लिखवाया है। हिंदू पक्ष लगातार इसे विवादित ढांचा बता रहा है, यह पहली बार है जब सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने भी ऐसा ही कह दिया है। इसी वजह से हिंदू पक्ष थोड़ा खुश है तो वहीं दूसरी तरफ मुस्लिम पक्ष इसे एक झटके के रूप में देख रहा है।

वैसे, इससे पहले भी इलाहाबाद हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका लगा था। तब अपील की गई थी कि जामा मस्जिद में रंगाई-पुताई की इजाजत दी जाए। उस मांग को लेकर ही हाईकोर्ट ने एएसआई से एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा था। तब कोर्ट ने तीन सदस्यों की एक टीम गठित की थी, उसमें प्रशासन का एक सदस्य, एएसआई का अधिकारी भी शामिल किया गया था।

कुछ घंटों के सर्वे के बाद एएसआई ने जो अपनी रिपोर्ट सौंपी, उसमें कई बड़ी बातें सामने आईं। एएसआई ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि अभी रंगाई-पुताई की कोई जरूरत नहीं है, अब उसी रिपोर्ट को आधार बनाकर कोर्ट ने भी इसकी इजाजत नहीं दी है। उसी रिपोर्ट में कुछ बदलाव के संकेत भी दिए गए। रिपोर्ट में ही बताया गया है कि मस्जिद में कई बदलाव देखने को मिले हैं। मस्जिद की फर्श के जो टाइल्स और पत्थर हैं, उनमें बदलाव देखने को मिला है। इसके अलावा मस्जिद के कई हिस्सों में सुनहरे, लाल, हरे और पीले रंग की मोटी तामचीनी पेंट भी किया गया है। दावा हुआ है कि इस पेंट के जरिए मूल सतह को ढकने की कोशिश हुई है।

छह जिलों में मूक-बधिर विद्यालयों का कायाकल्प कर रही सरकार

लखनऊ, 04 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां विकलांगों की उच्च शिक्षा के लिए दो समर्पित विश्वविद्यालय कार्यरत हैं। इसके साथ ही, 25 बचपन केयर सेंटरों के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। सरकार दिव्यांगजनों के लिए नए शिक्षण सत्र से पहले छह जिलों में संचालित मूक-बधिर विद्यालयों का व्यापक कायाकल्प कर रही है। इन प्रयासों से दिव्यांगजनों को शिक्षा और प्रशिक्षण की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें।

योगी सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में विशेष विद्यालयों और प्रशिक्षण केंद्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण धनराशि स्वीकृत की है। इस पहल के तहत समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, प्रतापगढ़ के संचालन हेतु फर्नीचर, उपकरण और बर्तन आदि की खरीद के लिए 148.91 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी तरह, संकेत मूक-बधिर बालकों के लिए राजकीय इंटर कॉलेज, सोनभद्र को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए 130.69 लाख रुपए की राशि आवंटित की गई है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक नवीन मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना और आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था हेतु 96.26 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है।

इसके अतिरिक्त, संकेत राजकीय मूक-बधिर विद्यालय, गोरखपुर में बेहतर सुविधाओं के विकास के लिए 130.69 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जबकि चंदौली में नवनिर्मित ममता राजकीय मानसिक मंदित विद्यालय को संचालन योग्य बनाने हेतु 123.22 लाख रुपए की धनराशि आवंटित की गई है। वहीं, संकेत मूक-बधिर बालिकाओं के लिए राजकीय इंटर कॉलेज, कुशीनगर में सुविधाओं के विस्तार और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 130.69 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। इन वित्तीय स्वीकृतियों से विशेष जरूरतमंद बच्चों को बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त होगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। वर्तमान में, उत्तर प्रदेश में दिव्यांग छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के दो विश्वविद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जो पूरे देश में एक मिसाल है। इसके अलावा, 25 बचपन केयर सेंटरों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को विशेष देखभाल और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगी सरकार का लक्ष्य दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें रोजगार तथा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है। इसके तहत राज्य सरकार ने विशेष शिक्षा संस्थानों और आश्रय गृहों के लिए महत्वपूर्ण बजट आवंटित किया है, जिससे इन संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें।

योगी सरकार के इन प्रयासों से दिव्यांगजनों को न केवल बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि वे अपनी क्षमताओं के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल राज्य सरकार की समावेशी विकास नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हर नागरिक को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रही है। योगी सरकार की मंशा आने वाले वर्षों में दिव्यांगजनों के लिए और अधिक शिक्षा केंद्र, आश्रय गृह और व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने की है। योगी सरकार दिव्यांगजनों के लिए विशेष रूप से डिजिटल शिक्षा, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और समग्र विकास के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री अठावले ने आकाश आनंद को आरपीआई में आने का ऑफर दिया

लखनऊ, 04 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने आकाश आनंद को आरपीआई में शामिल होने का ऑफर दिया। आकाश को बसपा से निकाल दिया गया है। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने आकाश आनंद को बसपा से निकाले जाने पर कहा कि आकाश मायावती का अनुसरण कर रहे थे। उन्हें अब पार्टी से निकाल दिया गया है तो उन्हें हमारी पार्टी में शामिल हो जाना चाहिए। हम रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया में उन्हें उचित सम्मान देंगे। वो बहुजन समाज के मिशन को आगे बढ़ा रहे थे।

वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बारे में अठावले ने कहा कि उनका चरित्र बदल गया है। वो लगातार महाकुंभ पर टिप्पणी करते रहे जो कि सही नहीं है। वो खुद भी कुंभ में डुबकी लगाने गए लेकिन बयानबाजी करते रहे। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। वो हमारे मित्र हैं लेकिन अब वो बदल गए हैं। अठावले ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी महाकुंभ में स्नान के लिए नहीं गए। उन्हें हिंदुओं का वोट तो चाहिए लेकिन कुंभ स्नान नहीं करने गए।

संपादकीय

क्यों किया यह बर्बर पाप

प्रयागराज महाकुंभ सामाजिक सद्भाव, सांप्रदायिक सौहार्द, एकता, अखंडता, विविधता का प्रतीक बन गया। देश-विदेश के 66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना, सरस्वती के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकियां लीं। जातीय, वर्गीय, नस्लीय सरीखे तमाम रंग-भेद संगम में डूब गए। कोई अगड़े-पिछड़े या अमीर-गरीब का टकराव नहीं हुआ और न ही तनाव फैला। डेढ़ माह के इनसानी, सांस्कृतिक, वैश्विक समागम ने विश्व-कीर्तिमान रचे और एक खास किस्म के 'जनमत संग्रह' का इतिहास लिख दिया। विश्व में एक भी आध्यात्मिक, मजहबी समागम ऐसा नहीं है, जो महाकुंभ के एक-चौथाई आयोजन के भी समान हो। यह हमें इसलिए बताना पड़ रहा है, क्योंकि महाकुंभ के सम्पन्न होने के अगले दिन ही प्रयागराज शहर में एक कुत्सित, घिनौनी, बर्बर, क्रूर कोशिश सामने आई, जिसने महाकुंभ के भव्य समन्वय, आदर्श भाईचारे और खूबसूरत सह-अस्तित्व को कुरूप और सांप्रदायिक बनाने का प्रयास किया। धन्यवाद प्रशासन का, जिसने तनाव नहीं फैलने दिया और तुरंत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। दरअसल हम ऐसी घटनाओं और अपराधों को सुर्खियां बनाने के पक्षधर नहीं रहे हैं, लिहाजा उन्हें नजरअंदाज करते रहे हैं। चूंकि इस क्रूर कृत्य के पीछे महाकुंभ की छवि दागदार करने की राक्षसी सोच रही है, लिहाजा विश्लेषण कर रहे हैं। प्रयागराज शहर में हिंदुओं के कई घरों के सामने या आसपास गोवंश के टुकड़े बिखरे हुए मिले थे। गाय और बछड़ों के कटे सिर, पांव और अन्य अंग उन घरों के बाहर फेंके गए थे, जो गाय को 'माता' मानते हैं और उसी भाव से पूजते हैं। अचानक यह हत्याकांड कैसे किया गया? क्या यह किसी की साजिश थी? कोई सांप्रदायिक वैमनस्य भडक़ा कर प्रयागराज में तनाव फैलाना चाहता था? ऐसे ही सांप्रदायिक तनाव, अंततः, दंगों में तबदील हो जाते हैं और मानवता के संहार किए जाते हैं। यह नफरत और दैत्य भाव की पराकाष्ठा है। प्रयागराज को 'तीर्थराज शहर' का आस्थामय दर्जा हासिल है। यहां करीब 85 फीसदी हिंदू और 11 फीसदी मुस्लिम आबादी है। कुछ दूरी पर जो मुस्लिम आबादी है, वह उस क्षेत्र में बहुसंख्यक है। अब यह तो जांच पर ही छोडऩा चाहिए कि गोवंश की हत्या कर, किसने टुकड़े-टुकड़े किए और यह बर्बर पाप किया? हमारा विश्वास है कि कोई हिंदू तो इस दर्जे का कसाई नहीं हो सकता। बहरहाल ऐसी घटनाएं आजकल कुछ अधिक होने लगी हैं। बीती 12 फरवरी की घटना है, जब बंगलुरु जैसे महानगर में 3 गायों के थन काट दिए गए। वह तो बेजुबान पशु है। गाय के साथ यह निर्मम व्यवहार क्यों किया गया? कितनी पीड़ा और दर्द से उन गायों को गुजरना पड़ा होगा! इतना पाशविक तो जानवर भी नहीं होता। यह हरकत भी वही लोग कर सकते हैं, जो सनातन और गाय से हद दर्जे की नफरत करते हैं। आश्चर्य तो यह है कि जो चेहरे पशुओं और जानवरों के हित और अधिकार की लड़ाई लड़ते रहे हैं, वे भी ऐसी अमानवीय हरकत पर खामोश रहे, क्योंकि आप गाय के प्रति सरोकार व्यक्त करेंगे, तो आप को 'सांप्रदायिक' करार दिया जाएगा। प्रयागराज में बछड़ों के अंग काट कर पास के नाले में भी फेंक दिए गए थे। यही नहीं, उन्हें छिन्न-भिन्न अवस्था में उस क्षेत्र में कई जगह फेंक दिया गया था। प्रयागराज में यह पाप क्यों किया गया? यह सवाल सामान्य नहीं है।

देश-विदेश के 66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना, सरस्वती के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकियां लीं। जातीय, वर्गीय, नस्लीय सरीखे तमाम रंग-भेद संगम में डूब गए। कोई अगड़े-पिछड़े या अमीर-गरीब का टकराव नहीं हुआ और न ही तनाव फैला। डेढ़ माह के इनसानी, सांस्कृतिक, वैश्विक समागम ने विश्व-कीर्तिमान रचे और एक खास किस्म के 'जनमत संग्रह' का इतिहास लिख दिया। विश्व में एक भी आध्यात्मिक, मजहबी समागम ऐसा नहीं है, जो महाकुंभ के एक-चौथाई आयोजन के भी समान हो। यह हमें इसलिए बताना पड़ रहा है, क्योंकि महाकुंभ के सम्पन्न होने के अगले दिन ही प्रयागराज शहर में एक कुत्सित, घिनौनी, बर्बर, क्रूर कोशिश सामने आई, जिसने महाकुंभ के भव्य समन्वय, आदर्श भाईचारे और खूबसूरत सह-अस्तित्व को कुरूप और सांप्रदायिक बनाने का प्रयास किया। धन्यवाद प्रशासन का, जिसने तनाव नहीं फैलने दिया और तुरंत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। दरअसल हम ऐसी घटनाओं और अपराधों को सुर्खियां बनाने के पक्षधर नहीं रहे हैं, लिहाजा उन्हें नजरअंदाज करते रहे हैं। चूंकि इस क्रूर कृत्य के पीछे महाकुंभ की छवि दागदार करने की राक्षसी सोच रही है, लिहाजा विश्लेषण कर रहे हैं। प्रयागराज शहर में हिंदुओं के कई घरों के सामने या आसपास गोवंश के टुकड़े बिखरे हुए मिले थे।

डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने कई बार अंतरराष्ट्रीय नियमों और कूटनीतिक परंपराओं की अनदेखी की

ट्रंप के रवैए से लोकतंत्र को झटका, मजबूत होंगी विस्तारवादी ताकतें

राजेश जैन

अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन या तो अपनी आधी खनिज संपदा उसे देने का सौदा करे या अपनी जमीन का करीब पांचवां भाग छोड़ दे, वहीं 'नाटो' का सदस्य बनने या किसी दूसरी तरह की सुरक्षा गारंटी हासिल करने की बात तो भूल ही जाए। फरवरी के अंतिम दिन अमेरिका दौरे के दौरान इससे इंकार पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से निकाल दिया गया। ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की बातचीत की हालत में नहीं हैं। जेलेंस्की ने फिर से ट्रम्प के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की लेकिन उन्हें मौका नहीं दिया गया। ट्रंप ने इससे पहले कनाडा को अमेरिका का 51वां सूबा बनाने की बात कही थी। ग्रीनलैंड को खरीदने और गाजा को फलस्तीनियों से खाली करवाने की बात भी वे कह चुके हैं। यूरोप को वे यह कहकर रोने पर मजबूर कर रहे हैं कि उन्हें बे-लगाम पुतिन का सामना अपने ही बूते करना पड़ेगा। अब सवाल यह नहीं है कि ट्रम्प इन धमकियों पर अमल करेंगे या नहीं। मुद्दे की बात यह है कि कोई भी संप्रभुता-संपन्न देश ऐसी धमकियों को महज लफ्फाजी मानकर खारिज नहीं कर सकता। यहां भरोसा तोड़ा गया है। अगर ट्रम्प 'सुरक्षा शुल्क', खनिज या जमीन की मांग कर सकते हैं तो आगे यह भी मांग की जा सकती है कि हमारे गुलाम बन जाओ या चीन या रूस के रहम पर रहो। हो सकता है ट्रम्प ग्रीनलैंड ले जाएं, शी जिनपिंग ताइवान ले उड़ें और पुतिन बाल्टिक्स का कुछ हिस्सा दबोच लें। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने कई बार अंतरराष्ट्रीय नियमों और कूटनीतिक परंपराओं की अनदेखी की है। चाहे वह जलवायु समझौते से बाहर होना हो, विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोकना हो, या फिर ईरान के साथ परमाणु समझौते को तोड़ना—इन सभी फैसलों में शक्ति प्रदर्शन और आत्मकेंद्रित नीतियों की झलक साफ दिखाई दी। ट्रम्प का रवैया बताता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता और मूल्यों की जगह सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। यह स्थिति उस कहावत को चरितार्थ करती है—"जिसके पास लाठी, उसकी भैंस।" अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर नजर रखने वाले जानते हैं कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन थे, तब यूक्रेन को अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से दी जा रही मदद लोकतंत्र को बचाने की जंग थी। उन्हें अहसास था कि अगर पुतिन की मनमानी को नहीं रोका तो

ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की बातचीत की हालत में नहीं हैं। जेलेंस्की ने फिर से ट्रम्प के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की लेकिन उन्हें मौका नहीं दिया गया। ट्रंप ने इससे पहले कनाडा को अमेरिका का 51वां सूबा बनाने की बात कही थी। ग्रीनलैंड को खरीदने और गाजा को फलस्तीनियों से खाली करवाने की बात भी वे कह चुके हैं। यूरोप को वे यह कहकर रोने पर मजबूर कर रहे हैं कि उन्हें बे-लगाम पुतिन का सामना अपने ही बूते करना पड़ेगा।

वह विस्तारवादी नीतियों पर आगे बढ़ते रहेंगे। आपको बता दें कि पुतिन के बारे में माना जाता रहा है कि वे सोवियत संघ के दौर के साम्राज्यवाद को फिर से स्थापित करना चाहते हैं। पोलैंड, स्लोवाकिया, लातविया, एस्टोनिया और मोल्दोवा पुतिन के निशाने पर हैं। उन्होंने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया छीना था। 2022 के बाद युद्ध में भी पुतिन यूक्रेन के कई क्षेत्रों पर कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। यूक्रेन के सहयोगी यूरोपीय देश चाहते हैं कि युद्ध पुतिन की शर्तों पर खत्म नहीं करना चाहिए। युद्ध खत्म करवाने की एवज में रूसी राष्ट्रपति से भी रियायतें हासिल करनी चाहिए। ट्रम्प से मिलने के बाद जेलेंस्की ने भी कहा कि यूक्रेन तब तक रूस के साथ पीस डील में शामिल नहीं होगा जब तक कि उसे सुरक्षा की पूरी गारंटी नहीं मिल जाती। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में जिस प्रकार 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत मनमानी और शक्ति प्रदर्शन को प्राथमिकता दी गई, उसने वैश्विक संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। उनकी विदेश नीति, व्यापार समझौतों से लेकर सैन्य हस्तक्षेप तक, एक ही संदेश देती है— "जिसके पास शक्ति है, वही नियम तय करेगा।" यह दृष्टिकोण न केवल अमेरिका की वैश्विक छवि को बदल रहा है बल्कि अन्य महाशक्तियों को भी इसी राह पर चलने के लिए प्रेरित कर रहा है जिससे दुनिया में अराजकता की आशंका बढ़ रही है। हो सकता है चीन ताइवान को अपने में मिलाने के लिए जंग छेड़ दे। हाल ही में शी चिनफिंग ने कहा भी है कि ताइवान मसले को वह आने वाली पीढ़ियों की खातिर नहीं छोड़ना चाहते यानी वह अपने कार्यकाल में उसका विलय चीन में करना चाहते हैं। आपको बता दें कि 1994 में यूक्रेन ने रूस, यूरोप और अमेरिका से सुरक्षा की गारंटी मिलने के बाद परमाणु हथियारों के अपने भंडार को त्याग दिया था। आज यूक्रेन के हालत देखकर अब कौन ऐसे शांति प्रस्तावों पर भरोसा करने का साहस करेगा। ट्रम्प साफ़ कह रहे हैं कि किसी की भी सुरक्षा अमेरिका का सिरदर्द नहीं है। ऐसे में क्या होगा जब ट्रम्प जापान से कहेंगे कि मुझे ओकिनावा दे दो या ऑस्ट्रेलिया से कहें कि अमेरिका से सुरक्षा गारंटी की कीमत के रूप में अपने खनिज संसाधन का पांचवां हिस्सा हमें दे दो। ऐसी ही आशंकाओं को देखते हुए यूरोप के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अमेरिका के सभी मित्र देश उससे मिल रही सुरक्षा गारंटियों की समीक्षा कर सकते हैं। ट्रम्प ने परमाणु अप्रसार के विचार की हत्या कर दी है। परमाणु हथियार फिर से युद्ध-प्रतिरोधक बन गए हैं। आज उत्तरी कोरिया के किम जोंग उन यूक्रेन और यूरोप की हालत पर हंस रहे होंगे और सोच रहे होंगे कि अगर उन्होंने अमेरिकी अतिक्रमण के जवाब में दक्षिण कोरिया या जापान पर परमाणु हमला करने की चेतावनी न दी होती तो क्या अमेरिका उन्हें सलामत रहने देता? ईरान इस सब पर नजर रखे हुए है। अगर पाकिस्तान उन्हें बना सकता है तो कोई भी बना सकता है। मध्य-पूर्व में ईरान, सऊदी अरब और क्या पता दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, अजरबैजान और मिस्र भी आज के हालत में इनके बारे में सोच रहे हों। कभी परमाणु अप्रसार की पक्षधर अमेरिकी लॉबी भारत पर दबाव बना रही थी कि वह परमाणु हथियार न बनाए। अमेरिका से कई उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आए, यह समझाने के लिए कि हम व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर दस्तखत कर दे। दबाव का यह सिलसिला नेहरू से लेकर तब तक चला, जब तक कि इंदिरा गांधी ने 1974 में परमाणु परीक्षण और इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण-2 करके इसे खत्म नहीं कर दिया। हमारे देश में भी शांतिवादियों ने वैचारिक या नैतिक आधार परमाणु बम बनाने पर विरोध किया था। तब हमारे नेता अडिग रहे। शायद इसके पीछे उनकी यह दूरदर्शिता थी कि एक दिन ऐसा आएगा जब सुरक्षा की कोई गारंटी काम नहीं आएगी। यदि वैश्विक राजनीति में शक्ति और स्वार्थ को ही नीति बनाने की प्रवृत्ति बढ़ती रही, तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अस्थिरता और अराजकता का खतरा और बढ़ेगा।

दृष्टि कोण

टैरिफ कटौती, टेस्ला व भारतीय ईवी उद्योग

लंबे समय से इलैक्ट्रिक वाहन बनाने वाली एक अमरीकी कंपनी टेस्ला, जिसकी इलैक्ट्रिक कारें अमरीका और अन्य देशों में काफी लोकप्रिय हैं, भारत में अपनी कारों को बेचने के लिए प्रयास करती रही है। कंपनी का यह कहना रहा है कि पहले उसे अपनी कारें बेचने हेतु मार्ग प्रशस्त किया जाए, और बाद में कंपनी भारत में उत्पादन केंद्र खोलकर यहीं पर विनिर्माण शुरू करने पर विचार करेगी। गौरतलब है कि लंबे समय से भारत के ऑटोमोबाईल क्षेत्र के संरक्षण हेतु सरकार विदेशों से आने वाले वाहनों पर भारी आयात शुल्क लगाती रही है। अभी तक 40 हजार डालर की कीमत से ज्यादा की कारों पर 110 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाता है। 40 हजार डालर से कम की कारों पर आयात शुल्क 60 प्रतिशत है। टेस्ला कंपनी के संस्थापक एलन मस्क, जो डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमरीकी प्रशासन में एक अहम भूमिका रखते हैं, का लगातार यह आग्रह रहा है कि टेस्ला कारों के भारत में आयात पर शुल्क घटाया जाए। हाल ही में प्रस्तुत केंद्र सरकार के बजट में 40 हजार डालर से अधिक कीमत वाली कारों पर आयात शुल्क 110 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत कर दिया गया है। आयात शुल्क घटने के बाद ऐसा माना जा रहा है कि भारत में टेस्ला कारों की बिक्री का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसके साथ ही टेस्ला कंपनी ने भारत में अपने शोरूम खोलने की कवायद शुरू कर दी है। गौरतलब है कि लंबे समय तक भारत की ऑटोमोबाईल कंपनियां टेस्ला समेत सभी कारों के आयात पर शुल्क घटाने का विरोध करती रही हैं। उनका विरोध बिना कारण नहीं रहा। जब लगभग तीन साल पहले भारत में टेस्ला कंपनी ने आयात शुल्क घटाने हेतु लॉबिंग शुरू की थी, तब तक देश में इलैक्ट्रिक कारों का उत्पादन अत्यंत शैशव अवस्था में था। भारतीय कंपनियों का कहना था कि यदि इस स्थिति में टेस्ला कंपनी की विनिर्मित कारों को सीधे आयात करने के लिए आयात शुल्क घटाया जाता है तो उनके द्वारा देश में विकसित इलैक्ट्रिक कारों के विकास में बाधा आएगी। एक वर्ष पहले भी इसी प्रकार का प्रयास टेस्ला कंपनी के द्वारा किया गया था, तो ऐसे में भारत सरकार ने यह शर्त लगाई थी कि टेस्ला कंपनी भारत में अपना उत्पादन केंद्र शुरू करेगी। जहां तक कारों के आयात का प्रश्न है, कंपनी को 15 प्रतिशत के अत्यंत कम आयात शुल्क पर अधिकतम आठ हजार कारों के आयात हेतु अनुमति दी गई थी। अभी जहां आयात शुल्क को 110 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत किया गया है, अधिकतम कारों की सीमा को बढ़ाकर 50 हजार करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही देश में यह बहस शुरू हुई है कि टेस्ला कंपनी को कम आयात शुल्क पर अधिक कारें आयात करने की अनुमति से भारत के इलैक्ट्रिक कारों के विनिर्माण पर क्या असर पड़ सकता है। समझना होगा कि भारतीय ईवी उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, जिसका बाजार आकार 20 प्रतिशत वार्षिक से भी अधिक तेजी से, 2032 तक लगभग 118 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, वर्तमान में कुल वाहन बिक्री में ईवी की मात्र 5 प्रतिशत ही हिस्सेदारी है, लेकिन दोपहिया और तिपहिया वाहनों की श्रेणियों में ईवी को तेजी से अपनाने के कारण यह संख्या 2030 तक 40 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। इलैक्ट्रिक वाहनों को अपनाने और विनिर्माण के लिए एक दृढ़ और अनुकूल सरकारी नीतियां रही हैं। इसके अलावा इलैक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बढ़ती मांग ईवी उद्योग के लिए एक प्रेरक शक्ति रही है। साथ ही, बैटरी की लागत में भी भारी कमी आई है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें भी कम हुई हैं। चार पहिया वाहनों के क्षेत्र में टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा प्रमुख खिलाड़ी हैं, जबकि दो पहिया वाहनों के क्षेत्र में ओला एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरी है। उल्लेखनीय है कि टेस्ला कारों पर टैरिफ में कटौती के बाद भी टेस्ला कारों की ऑन-रोड कीमत 45 लाख रुपए से दो करोड़ रुपए के बीच होगी। दूसरी ओर, ज्यादातर भारतीय ईवी कारों की कीमत आठ लाख रुपए से 20 लाख रुपए के बीच ही है। इसलिए, यह मानना कि टेस्ला कारों के आने से भारतीय इलेक्ट्रिक कारों के उत्पादन और बिक्री पर बुरा असर पड़ेगा, सच नहीं है। सरकार का प्रोत्साहन : भारत सरकार विभिन्न पहलों के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। वित्तीय प्रोत्साहनों में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने और विनिर्माण (एफएएमई इंडिया) योजना शामिल है, जो ईवी की खरीद और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

कुछ अलग

एक महाकुंभी से मुलाकात

मैंने जब उनसे 144 सालों बाद आने वाले महाकुंभ के तथ्य की सत्यता जाननी चाही तो वह मुझे घूरते हुए बोले, 'इसका अर्थ है कि तुम अभी भी ओजस्वी प्रधानमंत्री और सूर्य की तरह दैदीप्यमान आदित्यनाथ योगी महाराज की इस आयोजन के प्रति निष्ठा पर संदेह कर रहे हो। भले किसी धर्म शास्त्र में 144 वर्षों बाद आने वाले महाकुंभ के बारे में कुछ न लिखा हो, पर अगर वे दोनों बोल रहे हैं तो यह सत्य दुनिया का आखिरी सत्य होगा। काहिल और ग़ैर-ज़िम्मेदाराना नौकरशाही ने महाकुंभ की सारी व्यवस्थाओं का कबाड़ा कर दिया। अगर मीडिया इस महाकुंभ को न संभालता तो आज समस्त विश्व में भारत की थू-थू हो रही होती। गंगा-यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम स्थल पर ब्रह्मा की तपस्थली प्रयागराज की सजावट को शब्दों में बांधना आसान नहीं। रात में बिजली की रोशनी में मेला क्षेत्र किसी देवलोक का आभास देता था। सुबह से लेकर शाम तक कई बार झाड़ू लगता रहा, सफाई होती रही। पर यह बात दीगर है कि कचरे और अपशिष्ट वस्तुओं के निपटान के लिए सरकार के पास न पहले कोई योजना थी, न अब है। हो सकता है कि गंगा स्नान के बाद गंगा मैया किसी ब्यरोक्रेट या नेता को स्वप्न में कूड़े के निस्तारण की कोई तरक़ीब बता दें। पर अति-अति विशिष्ट व्यक्तियों का आगमन प्रयागराज को शीतकालीन राजधानी जैसा दरजा अवश्य दिला रहा है। भाषणों में नेतागण भले कह रहे हों कि गंगा में डुबकी लगाने वाले सब समान हैं। पर मैं भी टिकट लेने के बाद स्वयं कई घाटों पर भटकने के बाद डुबकी लगा पाया। कहीं कोई सुनने वाला नहीं। पर ऊपर वाले का कमाल है कि मेला चल रहा है। अफवाहों का बाज़ार गर्म है। कई भद्र पुरुष में ख़ुलेआम सुविधाओं के लिए घूस लेने का दावा करने वाले हैं। पर मेला प्रबंधन से जुड़े अधिकारी कहते हैं, 'आल इज़ वेल।' इसमें कोई संदेह नहीं कि मेले में धार्मिक कृत्य और अन्न क्षेत्र चलाने के लिए ज़मीन या सुविधाएं पाना किसी का संवैधानिक अधिकार नहीं। पर हर युग में सत्ता दरबार की एक ही शर्त होती है कि उस सत्ता प्रतिष्ठान में आपकी पहुंच कैसी है। नहीं तो क्या यह संभव था कि किसी को साठ बीघे भूमि मिल जाती और किसी को पांच सौ फुट भी नसीब नहीं होती। अब ऊंच-नीच तो हर जगह होती है। देवलोक में भी और घरों में भी। लेकिन सरकार का बस यही ख्वाब है कि यूनेस्को से अमूर्त धरोहर के रूप में चिह्नित कुंभ महाकुंभ जैसे आयोजन के माध्यम से सनातन वैभव से पूरा जगत परिचित हो।' देश के नेतृत्व और महाकुंभ के प्रति उनकी अखंड निष्ठा देखकर मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ। किसी व्यक्ति, संस्थान या सिस्टम का भक्त होने के लिए व्यक्ति का तार्किक नहीं मूर्ख होना ज़रूरी है। पर अंधभक्ति के लिए आदमी का मूर्ख नहीं, अति मूर्ख होना ज़रूरी है। अगर व्यक्ति मूर्ख या अति मूर्ख न हो तो स्वामी रामतीर्थ की तरह कुंभ जाकर भी गंगा में स्नान नहीं करता, बल्कि मनसा देवी की पहाड़ी पर बैठकर चिंतन करता है और अर्ध कुंभ (पौन कुंभ), पूर्ण कुंभ या महाकुंभ जैसे आयोजनों के औचित्य और सार्थकता पर प्रश्न अवश्य करता है। जिस समय मैं उनसे चर्चा कर रहा था, उस वक्त दो वीडियो एक्स पर वायरल थे, दोनों में गंगा में नाले का गंदा सीवेज वाला पानी गिरने के दृश्य हैं। इन दोनों वीडियो में संगम क्षेत्र में गंदगी साफ दिख रही है। पर लोग कहते हैं कि साल 2013 के कुंभ में भी गंगा का पानी दुर्गंधयुक्त था। मेले की व्यवस्था भी सरकार संभालती है और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी। ऐसे में कौन किससे सवाल पूछेगा और कौन जवाब देगा। प्रदूषण बोर्ड कुछ भी कहता रहे। राजा से सवाल नहीं पूछे जा सकते।

देश दुनिया से

चिट्टामुक्त देवभूमि का संकल्प लें युवा

वो एक परिंदा जो सब पर बोझ था, एक शाम जब लौटा नहीं तो शाखों को उसी का इंतजार था'। चिट्टे जैसे कातिल नशे को आब-ए-हयात मान कर सेवन करके मौत की आगोश में समाने वाले नवयुवकों के अभिभावकों की बेबस निगाहें कुछ ऐसा ही मंजर बयान कर रही हैं। मेहनतकश पहाड़ के यौवन को न जाने किन नामुराद लबों की बद्दुआ लग गई कि अनुशासित सैन्य पृष्ठभूमि का युवावेग आत्मघाती चिट्टे की खौफनाक लज्जत में मदहोश हो रहा है। मौजूदा वक्त में नशा उजड़े चमन की एक दर्दभरी हिकायत बन चुका है। नशे के जहरीले शजर महकते गुलशन को भी वीरान कर देते हैं। नशे की सुनामी से उजड़े गुलिस्तां को आबाद होने में मुद्दतें गुजर जाती हैं, मगर प्राणघातक चिट्टा हजारों युवाओं की निगाहों का हबीब बन रहा है। नतीजतन अभिभावकों की चश्म-ए-पलक के सुनहरे अरमान खाक हो रहे हैं। अमन व अदब की कहकशां सजने के लिए विख्यात पहाड़ों पर नशे की बज्म सज रही हैं। पर्यटन की आड़ में सूबे की वादियों में नशा पनप रहा है। जुल्मत-ए-शब के वक्त पहाड़ों पर रेव पार्टियों की अंजुमन सजती है। वीरभूमि की दमदार शिनाख्त वाले राज्य की मुकद्दस धरा पर नशाखोरी, गैंगस्टर व माफिया जैसे बेगैरत लफ्ज सुनने को मिलेंगे, पहाड़ की जवानी चिट्टे की तलबगार बन जाएगी या आस्था व पर्यटन की मेजबानी करने वाला सूबा चिट्टे का मरकज बनेगा। शायद भोली-भाली विरासत वाले पहाड़ी राज्य के बुजुर्गों ने भी इस बात का तसव्वुर नहीं किया होगा। सभ्य समाज का कोई भी नागरिक बर्बादी की दास्तान लिखने वाली नशाखोरी को बर्दाश्त नहीं कर सकता, लेकिन मादक पदार्थों की हलावत व जहरनुमां ड्रग्स की ओवरडोज से कई घरों के चश्म ओ चराग बुझ रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा बरामद किए जाने वाले नशीले पदार्थों में सर्वाधिक बरामदगी चिट्टे की है। बाहरी राज्यों से ताल्लुक रखने वाले नशा तस्कर जिनकी नशा सप्लाई के तार विदेशों तथा अंतरराष्ट्रीय सरहद के पार पाकिस्तान से जुड़े हैं, हिमाचल की वादियों में पनाह ले चुके हैं। चिट्टा तस्करी में मुल्लविश कई कुख्यात गैंग का सुरक्षा एजेंसियां पर्दाफाश कर रही हैं। चिट्टे के अवैध कारोबार में महिलाओं व नाबालिगों का इस्तेमाल हो रहा है। चिट्टा तस्करी के इल्जाम में कई महिलाएं सलाखों के पीछे हैं तथा कई सुरक्षा एजेंसियों के राडार पर हैं। आम लोगों से लेकर कई सरकारी मुलाजिम व उच्च स्तर के अधिकारी भी नशे की अवैध तिजारत में हाथ आजमा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अहलकारों के दामन पर भी नशा तस्करी के बदनुमां दाग लग रहे हैं। मजदूर वर्ग से लेकर मध्यम वर्ग व कई चर्चित हस्तियों की मजलिस में नशा जीनत बन रहा है। नशाखोरी की मुनादी बर्बादी का फतवा जारी कर चुकी है। राज्य की कई पंचायतों ने भी नशे के खिलाफ बगावती मोर्चा खोल दिया है। मगर हकीकत यह भी है कि देश का कोई भी चुनाव नशे के बिना सम्पन्न नहीं होता। आब-ए-तल्ख की बेहताशा तिजारत व बेगुनाह लोगों को मौत की नींद सुलाने वाली अवैध शराब का सबसे ज्यादा इस्तेमाल चुनावी दौर में ही होता है। अलबत्ता देर आए दुरुस्त आए। बेशक पंचायतों द्वारा नशाखोरी के खिलाफ इत्तेहाद का पैगाम व बेदारी का अभियान काबिले तारीफ है। नशाखोरी में मुल्लविश लोगों को राज्य की कई पंचायतें सरकारी सुविधाओं से महरूम करने का फरमान भी जारी कर चुकी हैं। मगर किसी मुजरिम का सामाजिक बहिष्कार करना या उसके परिवार को सरकारी सुविधाओं से महरूम करना नशाखोरी जैसे संवेदनशील मसले का स्थायी समाधान नहीं है। जिन कांटों की परवरिश गुलों की हिफाजत के लिए हुई हो यदि उन्हें गुलिस्तां से बाहर निकाल दिया जाएगा तो गुलों की हिफाजत पर गर्दिश के बादल मंडरा जाएंगे। चूंकि गुलशन की आबरू गुलों से ही होती है। लिहाजा वक्त की निजाकत को भांपकर छाया देने वाले शजरों की कद्र का मिजाज पैदा करना होगा। अन्यथा आफताब की तल्ख तपिश सबको सहन करनी पड़ेगी। भावार्थ यह है कि समाज के सभी वर्गों को चिट्टे जैसी महामारी के प्रति अजनबी वाले नुक्ता-ए-नजर में तब्दीली लाकर कातिल नशे की जद में आ रही पहाड़ की जवानी को बचाने की नैतिक जिम्मेवारी निभानी होगी। पहाड़ के गुलिस्तां में नशे के शजर तैयार करने वाले बागबां की शिनाख्त करके नशाखोरी का पूरा नेटवर्क ध्वस्त करना होगा। युवा वर्ग की जिंदगी के सबसे सुनहरे लम्हें व हुस्न ओ शबाब तथा बेहतरीन वक्त यौवन यदि नशे का गुलाम बन जाए तथा अभिभावक डिप्रेशन में आकर अजियत व दुश्वारियों के दौर से गुजरें, तो सूबे के बेहतर मुस्तकबिल की तवक्को निश्चित रूप से नहीं की जा सकती। आगाज-ए-जवानी में अजीम ख्वाब देखने वाली शाइस्ता निगाहें यदि नशे की ख्वाहिशमंद बन जाएं तो अभिभावकों की बंदगी के चिराग बेअसर हो जाते हैं। मुल्क का यौवन सिंथेटिक ड्रग्स की दलदल में फंस जाए या जवानी स्मैक व चिट्टे के धुएं में सुलग जाए, तो इंतकाल से पहले एक आसामयिक वफात हो जाती है। अजाब भोगने के लिए जहन्नुम की दहलीज पार करने की जरूरत नहीं पड़ती। नशे की कातिलाना ख्वाहिश ही जीवन को जहन्नुम में तब्दील कर देती है। विश्व के इतिहास में यदि किसी निजाम में कोई तब्दीली हुई है तो उस इंकलाब के पीछे युवा ताकत का अहम रोल रहा है। अतः पहाड़ की शांत शबनम से चिट्टे जैसी महामारी को रुखसत करने में किसी अदालत, कानून, हुकूमत, हकीम, हुक्काम, तबीब व दस्तगीर से बड़ा अफजल किरदार युवावर्ग ही अदा कर सकता है। लिहाजा पहाड़ के यौवन को चिट्टे के अजाब से बचाने का हलफ भी युवाओं को ही उठाना पड़ेगा। देवभूमि को चिट्टामुक्त करने के लिए युवाओं को चिट्टा विरोधी तहरीक का आगाज जोरदार ताकीद के साथ करना होगा। देवभूमि व पर्यटन के लिए विख्यात सूबे को ड्रग्स टुरिज्म की दारुल हुकूमत बनने से रोकने के लिए हर प्रदेशवासी को सहयोग करना होगा। तभी प्रदेश नशामुक्त होगा।

आप का नजरिया

सियासी सर्कस चालू है

अंततः भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश धवाला संगठन के सामने और संगठन के बराबर आ गए। अब हरिपुर व ढलियारा में भाजपा के सामने धवाला के मंडलों के तीर खड़े हैं। इस तरह पार्टी की करवटों को नकार कर विद्रोह के हाथी सामने आए हैं। धवाला जैसे नेताओं को हाशिए से बाहर करके दलदल में कमल उगाने के प्रयासों को मुंह की खानी पड़ी है और अब तो सीधा संदेश आर पार की लड़ाई में जुट गया। जाहिर तौर पर कांग्रेस और भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के मध्यांतर इतने लंबे हो गए हैं कि लगता है कि पार्टियों के भीतर कई सर्कस ग्रुप सक्रिय हैं। भाजपा पार्टी के बीच धवाला जैसे नेताओं को ठिकाने लगाने के कारण होंगे, लेकिन ऐसी हस्तियों की ज्वाला का अपना एक इतिहास रहा है। राजनीति को 'पल में माशा-पल में तोला' बनाने में माहिर धवाला एकमात्र नेता नहीं हैं, बल्कि भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस में भी अनेक मिल जाएंगे। यह प्रयोग कांग्रेस में भी होते रहे हैं और भाजपा भी अछूती नहीं, लेकिन सत्ता की चुनौतियां बदल रही हैं। पक्ष-प्रतिपक्ष की तू-तू, मैं-मैं के बीच राजनीति का चरित्र अगर मापना है तो संगठनों के बीच फासले देखने पड़ेंगे। कांग्रेस की वर्तमान सत्ता इन्हीं फासलों से दो चार होती हुई अपनी जमीन पर इतनी दरारें तो देख ही चुकी है कि राज्यसभा की पूरी एक सीट गंवानी पड़ी। भाजपा भी उपचुनावों की रेत में अपने चिन्ह अगर गंवा बैठी, तो देहरा में धवाला, ज्वालामुखी की ज्वाला की तरह विद्यमान रहा। खैर अब संघर्ष न मोहर और न ही मोहरा, बल्कि सीधे और स्पष्ट हैं। धवाला का मूल्यांकन न पिछली भाजपा की सत्ता में हुआ और न ही ओबीसी प्रधानता की गणना में हुआ। नतीजतन आज यह नेता विध्वंस के चौराहे पर सत्याग्रह कर रहा है। इससे राजनीति की संपूर्णता में संघर्ष की राह जरूर स्पष्ट हो रही है। यह बदलाव नहीं संघर्ष है, जिसकी जरूरत हिमाचल के संदर्भ में जरूरी है। यहां पार्टियां धड़ों में, हस्तियों में तथा आलाकमान की कठपुतलियों में विभक्त हैं। इसी संदर्भ में सत्ता का चरित्र संगठन को घूरने लगा है और नेताओं की गलबहियां पार्टियों के भीतर अस्तित्व की पहचान बनने लगी हैं। यहां चुनाव का मर्ज केवल अपने संगठन का फर्ज नहीं, बल्कि विपक्ष से किया गया अर्ज भी है। नेताओं की मंडी में जातिसूचक इतिहास है, लेकिन सामाजिक व क्षेत्रीय संतुलन अब बिखर रहा है। प्रदेश में ओबीसी, जनजातीय और अनुसूचित जाति वर्ग की ओर सियासत के हाशिए सरक रहे हैं। इसी सियासत ने भाजपा के बीच धवाला, सरवीण और किशन कपूर को सरकाया। दूसरी ओर कांग्रेस बीच भी कई नेता इतने सरका दिए गए कि वे अब भाजपा की ओर से विधायक बन चुके हैं। शांता कुमार के बाद प्रदेश में ब्राह्मण या किसी अन्य जाति या वर्ग से मुख्यमंत्री पद के योग्य न समझना, एक खास तरह की राजनीति को प्रेरित करता है। हम होशियार सिंह और रमेश धवाला के बीच भी जातीय विषमता को पढ़ सकते हैं। आज अगर कांग्रेस से पूछा जाए कि उसके बीच ओबीसी, गद्दी व दलित नेता कौन, तो स्पष्टता के प्रमाण नहीं मिलेंगे। रिक्तता तो भाजपा में भी इसी विषय को लेकर आई है। ऐसे में क्या भाजपा के नए अध्यक्ष के समांतर नेता प्रतिपक्ष के बीच जातीय समीकरण बदलेंगे। दूसरी ओर कांग्रेस के नए अध्यक्ष के स्वरूप में जातीय ठोकरें और क्षेत्रवाद के विचार रुकेंगे।

टैरिफ पर ट्रंप को ट्रूडो का करारा जवाब कनाडा भी 25प्रतिशत टैरिफ लगाएगा

ओटावा, 04 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कनाडा और मेक्सिको से आयातित सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के बाद ट्रेड वॉर (व्यापार युद्ध) छिड़ने की आशंका बढ़ गई है। इस फैसले के जवाब में कनाडा और मेक्सिको ने भी अमेरिकी सामानों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है।

कनाडा ने अपने जवाब में कहा है, कि वह अमेरिका से आयात होने वाले 155 अरब डॉलर के उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। पहले चरण में 30 अरब डॉलर के उत्पादों पर यह शुल्क 4 मार्च की आधी रात के बाद लागू हो जाएगा।

अमेरिका ने व्यापार समझौते का उल्लंघन किया : ट्रूडो

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ट्रंप के फैसले को अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह करार देते हुए कहा— अमेरिकी टैरिफ से ग्रॉसरी, गैस और कारों की कीमतें बढ़ेंगी। हजारों अमेरिकी नौकरियों पर खतरा मंडराएगा और यह दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते का उल्लंघन है।

मेक्सिको और चीन भी अमेरिका के खिलाफ उठा सकते हैं कदम

रणनीति तैयार, उचित जवाब देंगे : क्लाउडिया

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा कि— हम ट्रंप के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। हमारे पास अपनी रणनीति है और हम इसका उचित जवाब देंगे। मेक्सिको ने ड्रग तस्करी और अवैध प्रवास रोकने के लिए 10,000 नेशनल गार्ड सैनिकों को सीमा पर तैनात कर दिया है।

चीन के प्रति भी सख्त रुख

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका चीन से आयात होने वाले सामानों पर भी टैक्स को दोगुना कर देगा। फरवरी में घोषित 10प्रतिशत टैक्स अब 20प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा। इससे ट्रेड वॉर के और बढ़ने की आशंका है, जिससे वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और महंगाई बढ़ सकती है।

अब आगे क्या....

इससे अमेरिका और कनाडा के व्यापार संबंधों पर असर पड़ सकता है। मेक्सिको भी अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगा सकता है। चीन से आयात महंगा होने से अमेरिकी कंपनियों और उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह ट्रेड वॉर आगे बढ़ता है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है, जिससे महंगाई और आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ जाएगी। अब यह देखना होगा कि अमेरिका और प्रभावित देश इस विवाद को कैसे संभालते हैं।

न्यूज ब्रीफ

मोहम्मद यूनुस का बड़ा बयान: बांग्लादेश की मजबूरी है भारत से अच्छे संबंध रखना

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारत को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के पास भारत से अच्छे संबंध बनाए रखने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है, क्योंकि दोनों देश एक-दूसरे पर काफी निर्भर हैं। यूनुस, जो पहले भारत को लेकर आक्रामक बयानबाजी करते रहे हैं, अब सुर बदलते नजर आ रहे हैं। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ दुष्प्रचार के कारण भारत-बांग्लादेश के संबंधों में तनाव पैदा हुआ है, लेकिन बांग्लादेश अब इन गलतफहमियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। यूनुस का यह बयान 3-4 अप्रैल को थाईलैंड में होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन से पहले आया है। इस दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। हमारे रिश्ते हमेशा अच्छे रहेंगे यूनुस ने साक्षात्कार में भारत-बांग्लादेश के संबंधों को बहुत अच्छा बताया और कहा— हमारे रिश्तों में कोई गिरावट नहीं हुई है। वे हमेशा अच्छे रहे हैं और भविष्य में भी अच्छे रहेंगे। हमारे बीच करीबी संबंध हैं, और हम एक-दूसरे पर बहुत निर्भर हैं। ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी दोनों देश इतने करीब हैं कि अलग नहीं हो सकते। हालांकि, यूनुस ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच कुछ संघर्ष हुए हैं, जो दुष्प्रचार के कारण हुए। उन्होंने दुष्प्रचार के पीछे के लोगों का नाम नहीं लिया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश अब गलतफहमियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। यूनुस के इस बयान को भारत और बांग्लादेश के संबंधों में एक नए मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आगामी बिम्सटेक सम्मेलन में दोनों देशों के बीच क्या समझौते होते हैं और भारत पर यूनुस के रुख में और कितना बदलाव आता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का एक्सेस नहीं कर पाएंगे 16 साल तक के बच्चे

सिडनी। आस्ट्रेलिया में अब 16 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का एक्सेस नहीं कर पाएंगे। दरअसल इसका उद्देश्य था कि बच्चे आपत्तिजनक कंटेंट से दूर रहें। अब ऐपल की तरफ से भी ऐसा ही टूल लाया गया है। इसकी मदद से भी बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने में मदद मिलेगी। यूजर प्राइवेसी के साथ छेड़छाड़ किए बिना ही ये सिक्योरिटी ऑन हो जाएगी। ऐपल ने कहा कि इसके बाद बच्चों के माता-पिता को पूरा एक्सेस दिया जाएगा और वह अपने हिसाब से बच्चों का अकाउंट मैनेज कर सकते हैं। यानी उनके लिए मैनेज करना आसान होने वाला है कि बच्चे ऑनलाइन क्या देखें साथ ही उनके पास क्या कंटेंट प्रस्तुत किया जा सकता है। साथ ही इसमें बच्चों के पैरेंट्स तय कर पाएंगे कि वह कौन-सी ऐप आईफोन में इंस्टॉल कर सकते हैं और क्या ऐप वह एक्सेस नहीं कर सकते हैं। यानी फोन का पूरा कंट्रोल बच्चों के हाथ में नहीं बल्कि उनके पैरेंट्स के हाथ में होगा। बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से ऐप दिखाई देगी। अगर वो कोई ऐसी ऐप सर्च करते हैं जो उनकी उम्र पर अलाउ नहीं करती है तो वो उन्हें नजर नहीं आएगी। यानी ऐपल का पूरा इकोसिस्टम ही बिल्कुल अलग तरीके से काम करेगा। सभी कंपनियों का अब पूरा फोकस ऐसे टूल को लेकर है। डेवलपर्स की तरफ से भी इसे पूरा करने के लिए पूरा प्रोसेस किया जा रहा है।

जिस नाटो के लिए यूक्रेन और रूस के बीच पंगा हुआ अब उसी का अस्तित्व संकट में

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच तीन सालों से जंग चल रही है। दोनो ही देशों पर इस युद्ध का बहुत बुरा प्रभाव हुआ है। यूक्रेन कांक्रीट का जंगल बन गया तो रूस को भी भारी नुकसान हुआ है। ये युद्ध सिर्फ इसलिए हुआ था कि यूक्रेन नाटो का सदस्य बनना चाहता था और रुस ये बिलकुल नहीं चाहता था कि यूक्रेन को नाटो की सदस्यता मिले। ऐसे में यूक्रेन को सदस्यता तो नहीं मिली बल्कि जंग लड़ना पड़ी। अब यह नाटो रहेगा या खत्म हो जाएगा इसको लेकर आशंकाएं व्यक्त की जाने लगीं हैं। अरबपति एलन मस्क ने संयुक्त राष्ट्र और नाटो से अमेरिका के अलग होने के प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए कहा कि अमेरिका को इन संगठनों से बाहर निकल जाना चाहिए।

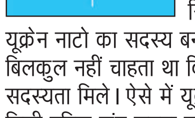

अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली सभी तरह की सैन्य सहायता रोकी

वाशिंगटन, 04 मार्च (एजेंसियां)।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की की अमेरिका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई तकरार का बड़ा परिणाम सामने आ गया। व्हाइट हाउस ने बताया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जा रही सभी प्रकार की अमेरिकी सैन्य सहायता पर प्रतिबंध लगा दिया है। ट्रंप ने अमेरिकी सैन्य सहायता के शिपमेंट पर तत्काल रोक लगाने का आदेश दिया है।

पिछले हफ्ते यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ ओवल ऑफिस में हुई तीखी बहस के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने यह आदेश जारी किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि उनका ध्यान शांति पर केंद्रित है। यूक्रेन को भी इस लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता है। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने कहा, राष्ट्रपति के आदेश के बाद यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता रोकी जा रही है।

अधिकारियों और विश्लेषकों ने कहा कि इस फैसले का बड़ा असर यूक्रेन पर पड़ेगा। इससे यूक्रेन की युद्ध लड़ने की क्षमता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि यह प्रतिबंध तब तक कायम रहेगा जब तक जेलेंस्की शांति वार्ता समझौते के लिए तैयार नहीं होते। हालांकि वाशिंगटन और कीव के बीच खुली दुश्मनी के बावजूद कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को सहयोग करने का वादा किया है।

सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के वरिष्ठ सलाहकार मार्क कैंसियन ने कहा कि यूक्रेन को तत्काल तो नहीं लेकिन इस रोक का प्रभाव दो से चार महीनों के भीतर महसूस होगा। यूरोपीय देशों की सहायता से कीव को अभी लड़ाई में बने रहने में मदद मिलेगी। आखिर में यूक्रेन को एक प्रतिकूल शांति समझौता स्वीकार करना ही होगा।

रूस का हवाई आतंक जारी, हमें और चाहिए मदद : जेलेंस्की

कीव। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन सामान्य और सुरक्षित जीवन के लिए लड़ रहा है, जिसका वह हकदार है। हम चाहते हैं कि यह युद्ध समाप्त हो। लेकिन रूस ऐसा नहीं चाहता। उन्होंने दावा किया कि रूस का हवाई आतंक जारी है। जेलेंस्की ने कहा, पिछले सप्ताह में शहरों को नष्ट करने और लोगों को मारने के लिए यूक्रेन पर 1,050 से अधिक ड्रोन, लगभग 1,300 हवाई बम और 20 से अधिक मिसाइलें दागी गईं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, जो लोग बातचीत चाहते हैं, वे जानबूझकर बैलिस्टिक मिसाइलों से नागरिकों पर हमला नहीं करते। रूस को अपने हमले रोकने के लिए मजबूर करने के लिए, हमें दुनिया से अधिक सामूहिक ताकत की आवश्यकता है। जेलेंस्की ने कहा कि हमारी वायु रक्षा को मजबूत करना, हमारी सेना का समर्थन करना, जो लोग बातचीत चाहते हैं, वे जानबूझकर बैलिस्टिक मिसाइलों से नागरिकों पर हमला नहीं करते और प्रभावी सुरक्षा गारंटी सुनिश्चित करना जो रूसी आक्रमण की वापसी को असंभव बना दे - यही वो चीज है जिस पर हमें ध्यान केंद्रित करना चाहिए। न्याय की जीत होनी चाहिए। हम एकता की शक्ति में विश्वास करते हैं, और हम निश्चित रूप से स्थायी शांति बहाल करेंगे। इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति तीन व्यस्त दिनों के बाद सोमवार को कीव वापस आ गए। शुक्रवार को उनका वाशिंगटन में डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस के साथ तनावपूर्ण और सार्वजनिक टकराव हुआ जिसे पूरी दुनिया ने देखा। सप्ताहांत में लंदन में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जहां डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रधानमंत्री ने उनका स्वागत किया। उन्होंने किंग चार्ल्स तृतीय से भी मुलकात की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने यूक्रेन की मदद के लिए बड़ा ऐलान किया।

कंफर्ट स्टेशनों में महिलाओं के साथ की जाती थी क्रूरता

टोक्यो, 04 मार्च (एजेंसियां)।

जापानी सेना द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कंफर्ट वूमन की व्यवस्था एक अत्यंत क्रूर और अमानवीय कृत्य था। कंफर्ट वूमन जापानी सैनिकों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए बाध्य थीं। युद्ध के दौरान यह प्रथा कोरिया, चीन, फिलीपींस, इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड, वियतनाम और अन्य प्रशांत द्वीपों तक फैल गई।

इस घिनौनी प्रथा की शुरुआत 1932 में चीन-जापान युद्ध के दौरान हुई, जब जापानी सेना ने अपनी छावनियों में सैनिकों के लिए कंफर्ट स्टेशन स्थापित किए। हजारों महिलाओं को जबरन भर्ती किया गया, जिनमें से अधिकतर गरीब परिवारों से थीं।

इन्हें या तो धोखे से नौकरी के झूठे वादे देकर फंसाया गया या फिर अपहरण कर लिया गया। खासतौर पर कोरिया, चीन और मलय क्षेत्रों की लड़कियों को 'कम्फर्ट गर्ल्स' के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। कंफर्ट स्टेशनों में महिलाओं के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दी जाती थीं।

उन्हें प्रतिदिन कई सैनिकों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया जाता था। उनकी कोई स्वतंत्रता नहीं थी और कई बार उन्हें प्रताड़ित कर मारा भी जाता था।

असुरक्षित यौन संबंधों के कारण वे गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाती थीं और कई बार जबरन गर्भपात करवाया जाता था। भागने की कोशिश करने वाली महिलाओं को भयानक दंड दिया जाता था, जिसमें उन्हें बेरहमी से पीटा या मार दिया जाता था।

जापानी सेना ने अपने कब्जे वाले कई क्षेत्रों में कंफर्ट स्टेशन बनाए। चीन के नानजिंग, बीजिंग और शंघाई जैसे शहरों में बड़े स्तर पर ये केंद्र थे। कोरिया में जापानी शासन के दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को यौन दासता में धकेला गया। फिलीपींस, बर्मा (म्यांमार), थाईलैंड, वियतनाम और इंडोनेशिया में भी इस घिनौने कृत्य को अंजाम दिया गया।

इसके अलावा, ताइवान, गुआम और साइपन जैसे प्रशांत द्वीपों में भी जापानी सेना के लिए कंफर्ट स्टेशन स्थापित किए गए थे। 'कंफर्ट वूमन' की कहानी द्वितीय विश्व युद्ध का एक काला अध्याय है, जिसने हजारों महिलाओं की जिंदगी तबाह कर दी।

अमेरिका में फिर लगी आग, दो राज्यों में मचा हड़कंप, लोग जान बचाकर भागने को मजबूर

अमेरिका में अब एक और आग लग गई है जो तबाही मचा रही है। लपटें जंगलों में पेड़ों से ऊपर उठ रही हैं। आग को लेकर हड़कंप इतना ज्यादा है कि लोग जान बचाकर भागने को मजबूर हो रहे हैं। उत्तरी और दक्षिण कैरोलिना राज्यों में रविवार को सूखे मौसम और तेज हवाओं के बीच जंगल की आग ने भीषण तबाही मचाई। कई इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अमेरिका की राष्ट्रीय मौसम सर्विस ने इस क्षेत्र में आग के खतरों को लेकर चेतावनी जारी की है, क्योंकि सूखे पेड़-पौधों और कम नमी के कारण आग तेजी से फैल रही है। पिछले महीने कैलिफोर्निया में एक भीषण आग देखने को मिली थी। दक्षिण कैरोलिना के गवर्नर हेनरी मैकमास्टर ने रविवार को जंगल की आग से निपटने के लिए देश में आपातकाल की घोषणा की। पूरे राज्य में खुले में आग जलाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

चीन और पाकिस्तान की नाक में दम करने तैयार हो गई बलूच नेशनल आर्मी

कई छोटे समूह इन दोनों देशों के खिलाफ एकजुट हुए

लाहौर, 04 मार्च (एजेंसियां)।

वर्तमान में पाकिस्तान की हालात खराब है। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जब पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के जनाजे ना उठते हों। बलूच विद्रोहियों ने बलूचिस्तान में, टीटीपी ने खैबर के इलाके में आंतक मचा रहा है। अब पाक की मुसीबत का एक और चेहरा तैयार हो गया है। इसका नाम है बलूच नेशनल आर्मी। बलूचिस्तान और सिंध प्रांत में सक्रिय छोटे बड़ों ग्रुप अब एक साथ आ खड़े हो गए है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक बलूच लिब्रेशन आर्मी(बीएलए), बलूच लिब्रेशन फ्रंट, बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स (बीआरजी), और सिंधू देश क्रांतिकारी सेना (एसआरए) ने पाकिस्तान और चीन के खिलाफ एक साथ ऑपरेशन शुरू करने की तैयारी में है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक तीन दिन तक चली एक बैठक में नई रणनीति बनाई और इस फ्रंट को नया नाम दिया गया 'बलूच नेशनल आर्मी'।

पहली बार बलूच उग्रवादी संगठनों ने मिलकर एक संगठन बनाया है। इसका मकसद है पाकिस्तान में बलूचिस्तान के लिए आजादी की लड़ाई एक साथ लड़ना। पाकिस्तान के साथ चीन का बलूचिस्तान में संसाधनों का शोषण को रोकना है। बलूच राजी आज़ोई संगठन (बीआरएएस) की एक बड़ी बैठक आयोजित हुई। बैठक के बाद बयान जारी किया गया। इसमें एस संगठन के फ्यूचर प्लान के बारे में जानकारी दी गई। बैठक का मकसद था सभी बलूच विद्रोही संगठनों को एक मंच पर लाना। बैठक में फैसला लिया गया कि पाकिस्तान और चीन के खिलाफ ऑपरेशन को ज्यादा घातक किया जाएगा। मॉर्डर्न मिलेट्री वॉरफेयर के तहत गुरिल्ला ऑपरेशनों को अंजाम दिया जाएगा। बीआरएएस नई तकनीक के इस्तमाल से जंग लड़ने को अंजाम देने जा रहे हैं। बलूचिस्तान के सभी महत्वपूर्ण सड़कों को ब्लॉक कर पाकिस्तानी सेना के लॉजिस्टिक और अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाई जाएगी।

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जाने की होड़, भारत पहले ही रच चुका है इतिहास

फ्लोरिड, 04 मार्च (एजेंसियां)।

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जाने की होड़ लगी है, जहां स्थायी रूप से छायादार लुनार क्रेटरों में बर्फ हो सकती है। चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव भविष्य के क्रूड आर्टेमिस मिशनों और रोबोटिक खोजों के लिए रहस्यों से भरा डेस्टिनेशन है, लेकिन ब्लू घोस्ट और इसके साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स का उद्देश्य कहीं और उतरना था, ऐसा नासा के साइंस मिशन डायरेक्टोरेट के एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. निकोला फॉक्स ने कहा।

बता दें कि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने का कारनामा भारत कर चुका है। अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया है। डॉ फॉक्स ने कहा कि चंद्रमा विज्ञान के लिए एक अविश्वसनीय जगह है। हम हर बार एक ही जगह नहीं जाना चाहते क्योंकि हम चंद्रमा के बारे में ज्यादा जानना चाहते हैं। यह छुट्टी पर जाने जैसा है। आप हर बार एक ही जगह नहीं जाना चाहेंगे। जैसे ही हम अंतरिक्ष यात्रियों को वापस भेजने की

तैयारी कर रहे हैं, हम यह तय करना चाहते हैं कि हम सभी चांद के सभी क्षेत्रों को समझें, और अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा के लिए इसका अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन हम यह भी देख रहे हैं कि सबसे दिलचस्प क्षेत्र कहां और कौन सा है।

उन्होंने बताया कि ब्लू घोस्ट पर सवार 10 इंस्ट्रूमेंट्स एक सूट की तरह हैं, जो उस क्षेत्र के लिए पूरी तरह से चुने गए हैं जहां हम जा रहे हैं। ब्लू घोस्ट मिशन एक प्राचीन ज्वालामुखीय फीचर के पास उतरा जिसे मॉन्स लाट्रेल कहा जाता है, जो चंद्रमा के नजर आने वाले चेहरे के सुदूर पूर्वी किनारे पर भूमध्य रेखा के ठीक उत्तर में स्थित है। डॉ फॉक्स ने कहा कि आप जानते हैं कि आपकी डिलीवरी सर्विस, आप वह जगह चुनते हैं जहां आप अपना पैकेज भेजना चाहते हैं, और हमने फायरफ्लाई के साथ यही किया।

नासा के डॉ फॉक्स ने कहा- चंद्रमा विज्ञान के लिए एक अविश्वसनीय जगह

फायरफ्लाई एयरोस्पेस का ब्लू घोस्ट चंद्र लैंडर सफलतापूर्वक चंद्रमा के मैरे क्रिसियम क्षेत्र में उतरा। यह मिशन 15 जनवरी, 2025 को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ और रविवार को सटीक लैंडिंग के साथ खत्म हुआ। फायरफ्लाई स्पेस, टेक्सास स्थित एक अमेरिकी निजी क्षेत्र की एयरोस्पेस फर्म है, जो अंतरिक्ष वाहनों के डिजाइन, निर्माण और प्रक्षेपण संचालन से संबंधित है।

नासा के मुताबिक कर्मशियल कंपनी के ब्लू घोस्ट चंद्र लैंडर ने नासा के 10 वैज्ञानिक उपकरण और तकनीकी डेमो को सुरक्षित रूप से चंद्रमा पर पहुंचा दिया है।

नासा के मुताबिक ब्लू घोस्ट के मिशन के दौरान, एजेंसी के वैज्ञानिक उपकरणों का लक्ष्य चंद्र उपसतह ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी, रेगोलिथ नमूना संग्रह क्षमताओं, ग्लोबल नेविगेशन उपग्रह प्रणाली क्षमताओं, विकिरण सहनशील कंप्यूटिंग और चंद्र धूल शमन विधियों का परीक्षण और प्रदर्शन करना है। कैप्चर किए गए डाटा से धरती पर मनुष्यों को भी लाभ हो सकता है, क्योंकि इससे यह पता चल सकता है कि अंतरिक्ष का मौसम और अन्य ब्रह्मांडीय ताकतें धरती को कैसे प्रभावित करती हैं।

एएफसी चैंपियंस लीग एलीट, राउंड ऑफ 16 : अल नस्र और एस्तेगलाल के बीच मुकाबला गोलरहित ड्रॉ

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेंसियां) ।

तेहरान के आज़ादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सोमवार को खेले गए एएफसी चैंपियंस लीग एलीट राउंड ऑफ 16 के पहले चरण के मुकाबले में एस्तेगलाल और अल नस्र के बीच मुकाबला बिना किसी गोल के ड्रॉ रहा।

मैच में दोनों टीमों को गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम उन्हें भुनाने में सफल नहीं रही।

अल नस्र, जो इस मुकाबले में अपने स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना उतरी थी, ने पहले हाफ में दबदबा बनाया। टीम को सबसे अच्छा मौका 21वें मिनट में मिला, जब जॉन डुरान ने एस्तेगलाल के बॉक्स के अंदर से शॉट लगाया। हालांकि, एस्तेगलाल के गोलकीपर हुसैन हुसैनी ने शानदार बचाव किया, लेकिन गेंद अयमान याह्या के पास गिर गई। याह्या के सामने खाली गोल था, लेकिन रूज़बेह चेश्मी ने शानदार गोललाइन क्लीयरेंस कर गोल होने से रोक लिया। दूसरे हाफ में एस्तेगलाल ने आक्रामक खेल दिखाया और 50वें मिनट में उसे गोल करने का सुनहरा मौका मिला। अरमिन सोहराबियन ने बाईं विंग से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिसे रेज़ाईयान ने बॉक्स के अंदर हेडर के जरिए गोल की ओर मोड़ा। हालांकि, उनकी कोशिश गोलपोस्ट के बेहद करीब से बाहर चली गई।

बाबा निराला की शरण में पहुंचे चहल

मुम्बई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे क्रिकेटर युजवेंद्र चहल आजकल खराब दौर से गुजर रहे हैं। पत्नी धनश्री वर्मा से भी उनका तलाक को गया है। वहीं इसी बीच चहल का एक ऐसा वीडिया सामने आया है जिसे देखकर आप हंसे बिना नहीं रह पायेंगे। इस पोस्ट में परेशान नजर आ रहे चहल बाबा निराला से सहायता मांगते दिख रहे हैं। पिछले हफ्ते एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज 'आश्रम' के तीसरे सत्र का दूसरा पार्ट रिलीज हुआ था और इस सीरीज में बॉबी देओल ने बाबा निराला की भूमिका निभाई थी। चहल, बाबा निराला के दरबार पहुंचते हैं, जिससे उनका सलामी बल्लेबाज बनने का सपना पूरा हो सके। चहल कहते हैं, कृपया मुझे सलामी बल्लेबाज बना दो।

न्यूज ब्रीफ

लियोनेल मेसी अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम में शामिल, मार्कोस अकुना बाहर

ब्यूनस आयर्स। इंटर मियामी के स्टार फॉरवर्ड लियोनेल मेसी को इस महीने उरुग्वे और ब्राजील के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अर्जेंटीना की 33 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूची में मैनचेस्टर सिटी के युवा मिडफील्डर क्लाउडियो एकेवेरी और बोलोग्ना के स्ट्राइकर सैंटियागो कास्त्रो को भी पहली बार जगह मिली है। हालांकि, रिवर प्लेट के डिफेंडर मार्कोस अकुना को खराब प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। अर्जेंटीना की टीम 21 मार्च को मोंटेवीडियो में उरुग्वे और 25 मार्च को ब्यूनस आयर्स में ब्राजील का सामना करेगी। वर्तमान में, अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि उरुग्वे 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

ऋषभ को मिलेगा लॉरियस 'वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर अवार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भीषण कार हादसे के बाद भी खेल में जबरदस्त वापसी के लिए प्रतिष्ठित लॉरियस 'कमबैक ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। ऋषभ को ये अवार्ड 21 अप्रैल को मैड्रिड में एक समारोह में दिया जाएगा। ऋषभ 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली से अपने गृहनगर रुड़की जाते समय कार दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। उसके बाद वह तकरीबन सवा साल तक खेल से दूर रहे। देहरादून के एक अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद मुम्बई में बीसीसीआई के विशेषज्ञ सलाहकार की देखरेख में उनका इलाज हुआ। दाएं घुटने के तीनों लिगामेंट की सर्जरी के बाद भी इस क्रिकेटर ने हिम्मत नहीं हारी और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा किया। इसके बाद वह आईपीएल में अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए उतरे। इसमें लय हासिल करने के बाद वह भारतीय टीम के लिए मैदान में उतरे। इस क्रिकेट ने वापसी के बाद अपने पहले मैच में भी बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाया था।

बीसीबी ने बढ़ाया वेतन पर शाकिब को नहीं मिली पिछले चार महीने की बकाया राशि

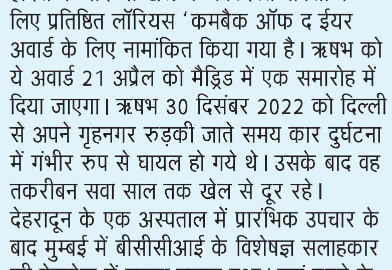

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने खिलाड़ियों की मैच फीस के साथ ही उनका वेतन भी बढ़ा दिया है पर टीम के पूर्व कप्तान व ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को अभी पिछले चार माह का ही वेतन नहीं मिला है। बीसीबी ने भी इस बात को स्वीकार किया है पर कहा है कि सरकार ने शाकिब के खाते फ्रीज कर दिये हैं, इसी कारण उन्हें वेतन नहीं दिया जा सका है। शाकिब सुरक्षा कारणों से अभी स्वदेश नहीं लौटे हैं। वहीं बीसीबी के एक अधिकारी ने कहा शाकिब को सितंबर, अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर का वेतन अभी तक नहीं दिगया गया है और इसका मुख्य कारण यह है कि उनका बैंक खाता फ्रीज है। शाकिब को टैक्स को छोड़कर बीडीटी 48 लाख (यूएसडी 38400) यानी करीब 33 लाख रुपये मिलने हैं। पिछले साल 12 फरवरी को हुई बोर्ड की नौवीं बैठक के दौरान बीसीबी ने साल 2024 के लिए केंद्रीय संपर्क सूची की घोषणा की थी, जिसमें शाकिब को सभी प्रारूपों के लिए अनुबंधित किया गया था। शाकिब ने भारत दौरे में टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर अपना आखिरी टेस्ट खेलने की इच्छा जताई थी पर शर्त रखी थी कि उन्हें सुरक्षा गारंटी दी जाए ।

ऑस्ट्रेलिया को पीटकर भारत चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा

दुबई, 04 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम ने अब तक आईसीसी नॉकआउट्स में मिली सभी हारों का ऑस्ट्रेलिया से बदला चुकता कर दिया। उसने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराते हुए खिताबी मुकाबले में एंट्री मार ली है। भारत के लिए गेंदबाजी में मोहम्मद शमी ने कमाल करते हुए 3 विकेट झटके तो बल्लेबाजी में विराट कोहली ने 84 रनों की पारी खेली, जबकि श्रेयस अय्यर ने 45 रन खेलकर एक्स फैक्टर की भूमिका निभाई। आखिरी में केएल राहुल और हार्दिक पंड्या (24 गेंदों में 3 छक्के और एक चौका की मदद से 28 रन) ने तेवर दिखाते हुए ऑस्ट्रेलिया को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। भारत की फाइनल में भिड़ंत इसी मैदान पर 9 मार्च को साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विनर के साथ होगी। इसका मतलब है कि टूर्नामेंट का मेजबान फाइनल की मेजबानी नहीं कर सकेगा।

265 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को उम्मीद के मुताबिक शुरुआत नहीं मिली। कप्तान रोहित शर्मा आक्रामक थे उन्हें कुछ जीवनदान मिले तो शुभमन गिल बेन ड्वारशुइस की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। उन्होंने सिर्फ 8 रन बनाए। दूसरे छोर पर विराट कोहली मैदान पर आए तो रोहित शर्मा उसी फ्लो में बैटिंग कर रहे थे। उन्होंने नाथन एलिस को छक्का लगाया तो लगा बड़ी पारी खेलेंगे, लेकिन युवा कोनोली की गेंद पर ड्डथ आउट हो गए। वह 29 गेंदों में 3 चौके और एक छक्का के दम पर 28 रन बनाकर आउट हुए। इस तरह भारत 43 रन पर भारत को दूसरा झटका लगा।

कप्तान के आउट होने के बाद श्रेयस अय्यर मैदान पर आए और विराट कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 111 रन जोड़े। इस दौरान विराट कोहली ने 53 गेंदों में एडम जांपा को चौका जड़ते हुए 25वें ओवर में हाफ सेंचुरी पूरी की। श्रेयस

अय्यर उनका बखूबी साथ दे रहे थे। ऐसा लग रहा था वह भी हाफ सेंचुरी पूरी करेंगे, लेकिन 27वें ओवर की पहली गेंद पर एडम जांपा की थोड़ी तेज रफ्तार से डाली गई गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 62 गेंदों में 3 चौके की मदद से 45 रन की पारी खेली। इस साझेदारी के दम पर भारत का सैकड़ा पूरा हुआ।

इसके बाद मैदान पर आते ही अक्षर पटेल ने कुछ आक्रामक शॉट्स खेले, लेकिन उनकी पारी 27 रनों पर सिमट गई। उन्होंने 30 गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाया। उनके और विराट के बीच चौथे विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी हुई। इसमें 27 रन अक्षर के थे। शतक की ओर बढ़ते विराट कोहली एक बार फिर धीमे पड़ गए थे। अक्षर 35वें ओवर में आउट हुए, जबकि अगले लगभग 5 ओवर तक कोई बाउंड्री नहीं लगी। विराट कोहली हालांकि 84 रनों पर आउट हुए गए, जबकि इसके बाद केएल राहुल और हार्दिक पंड्या ने उनका अधूरा काम पूरा कर दिया। जीत के करीब भारत था तो पंड्या 28 रन पर आउट हो गए।भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन किया, लेकिन स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी के अर्धशतकों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 264 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 96 गेंद में चार चौके और एक छक्का की मदद से 73 रन बनाए। बल्लेबाज हालांकि अनुकूल पिच का ज्यादा फायदा नहीं उठा सके और गैर जिम्मेदाराना शॉट्स खेलकर विकेट गंवाते गए। स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई पारी के सूत्रधार रहे जिन्होंने 3 अर्धशतकीय साझेदारियां की। उन्होंने ट्रेविस हेड के साथ दूसरे विकेट के लिए 52, मार्नस लाबुशेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 56 और कैरी के साथ पांचवें विकेट के लिए 54 रन जोड़े। कैरी ने 57 गेंद में 61 रन बनाए जिसमें 8 चौके और एक छक्का शामिल था।

अक्सर भारतीय टीम के लिए सिरदर्द साबित होने वाले हेड को कई जीवनदान मिले जिनका वह फायदा नहीं उठा सके और 39 रन बनाकर लौट गए। मैच की पहली ही गेंद पर मोहम्मद शमी ने उनका रिटर्न कैच छोड़ा, फिर वह रन आउट होने से बचे और दो बार गेंद स्टंप को छूने से मामूली अंतर से रह गई। हेड ने कुछ दर्शनीय शॉट लगाए, जिसमें हार्दिक पंड्या को जड़ा छक्का और शमी को लगातार तीन चौके शामिल थे। इससे ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती झटकों से उबरने में भी मदद मिली। हेड के साथ पारी की शुरुआत करने वाले कूपर कोनोली जल्दी आउट हो गए थे। मैथ्यू शॉर्ट के घायल होने की वजह से कोनोली को टीम में जगह मिली।पिछले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट लेने वाले स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने हेड को रवाना किया जिनका दौड़ते हुए डीप में शुभमन गिल ने कैच लपका। लाबुशेन को रविंद्र जडेजा ने पगबाधा आउट किया। वहीं जोश इंग्लिस ने जडेजा की गेंद पर शॉर्ट कवर्स में विराट कोहली को कैच थमाया। स्मिथ ने दूसरे छोर से रन बनाना जारी रखा और जडेजा को स्ट्रेट में छक्का लगाया। शमी की फुलटॉस गेंद पर वह चूके और गेंद उनके स्टम्प्स पर जा लगी।

ग्लेन मैक्सवेल जब क्रीज पर आए तब 13 ओवर बाकी थे और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर पांच विकेट पर 198 रन था।

अब रिचर्ड्स बोले, दुबई में खेलने का भारतीय टीम को मिल रहा लाभ

जमैका, 04 मार्च (एजेंसियां) ।

वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आलोचना की है। रिचर्ड्स ने कहा है कि आईसीसी ने भारतीय टीम के सभी मैच दुबई में रखे हैं जिसका लाभ उसे मिल रहा है। रिचर्ड्स से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस और कुछ अन्य क्रिकेटरों ने भी कहा था कि दुबई में ही मैच होने से भारतीय टीम को लाभ हुआ है जबकि अन्य टीमों को अलग-अलग मैच स्थलों पर जाना पड़ रहा है। रिचर्ड्स के अनुसार भारतीय टीम को एक ही जगह खेलने की सुविधा दी गयी है जिसको लेकर उन्होंने सवाल भी उठाये हैं। रिचर्ड्स ने ये भी कहा कि आईसीसी को चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को पता नहीं था कि उनके सेमीफाइनल मुकाबले कहां होंगे जबकि भारतीय टीम को पता था कि उ से दुबई के एक ही मैदान पर खेलना है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन और माइकल एथरटन ने भी ये सवाल उठाया था। रिचर्ड्स ने इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के दौरान कहा, हो सकता है कि लोगों का अनुमान सही हो। मुझे भी लगता है कि ऐसा राजनीति के कारण होता है। मैं राजनीति पक्ष में नहीं जाना चाहता पर मेरा मानना है कि आईसीसी को इस बारे में विचारा करना चाहिये था। आईसीसी की ही ये समस्या है और उसे जवाब देना चाहिये।

आईसीसी एक ही जगह मैच रखने पर जवाब दे

इंडियन वेल्स में बीएनपी परिबास ओपन टेनिस

इंडियन वेल्स में बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में खेलती हुई रुस की एनास्टेसिया जखारोवा।

मुंबई के दिग्गज स्पिनर शिवालकर नहीं रहे, गावस्कर और एमसीए अध्यक्ष सहित कई क्रिकेटरों ने दी श्रद्धांजलि

मुम्बई, 04 मार्च (एजेंसियां) ।

मुंबई के दिग्गज स्पिनर पद्माकर शिवलकर का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। शिवलकर 84 साल के थ। वह भारत के सबसे अच्छे स्पिनरों में शामिल थे हालांकि उन्हें भारतीय टीम की ओर से खेलने का अवसर कभी नहीं मिला। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने 1961-62 से 1987-88 के बीच कुल 124 प्रथम श्रेणी मैचों में हिस्सा लिया और 19.69 की औसत से 589 विकेट लिए। इसके अलावा लिस्ट ए क्रिकेट में उनको 16 विकेट मिले। इस तरह 600 से ज्यादा विकेट लेने के बाद भी उनको भारतीय टीम में अवसर नहीं मिल सका। इसी को लेकर पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि शिवालकर भारत के लिए खेलने के अधिकारी थे पर उन्हें जगह नहीं मिलना हैरानी की बात थी।

इस स्पिनर ने 22 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में प्रवेश करने के बाद 48 साल की उम्र तक खेला। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साल 2017 में सीके नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया था। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने शवलकर के निधन पर कहा, ''मुंबई क्रिकेट ने एक सच्चे दिग्गज को खो दिया है। उन्हें खेल में योगदान के साथ ही सबसे बेहतर स्पिनर के तौर पर याद किया जाएगा।' वहींगावस्कर ने शिवालकर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि 'कुछ अन्य की तुलना में वह भारतीय टीम में खेलने के अधिक योग्य थे।'

गावस्कर ने शिवालकर के निधन पर एक भावुक संदेश लिखा और कहा, ''यह वाकई बहुत दुखद खबर है। कुछ ही समय में मुंबई क्रिकेट ने अपने दो दिग्गज खिलाड़ियों मिलिंद और पद्माकर को खो दिया है। यह दोनों कई जीत के सूत्रधार थे।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय कप्तान के तौर पर मुझे इस बात का अफसोस है कि मैं राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को उन्हें टेस्ट टीम में शामिल करने के लिए राजी नहीं कर पाया।

बीसीबी निदेशक ने फिल सिमंस को मुख्य कोच के रूप में बनाए रखने का किया समर्थन

ढाका, 04 मार्च (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक नजमुल आबेदीन फहीम ने फिल सिमंस को बांग्लादेश टीम के मुख्य कोच के रूप में बनाए रखने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड जल्द ही सिमंस के साथ औपचारिक बातचीत करेगा और उन्हें लंबे समय के लिए इस भूमिका में बनाए रखने की कोशिश करेगा।

सोमवार को ढाका में हुई बोर्ड बैठक में सिमंस के अनुबंध विस्तार सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

सिमंस को पिछले साल अक्टूबर में अंतरिम कोच के रूप में नियुक्त किया गया था। हालांकि, उनके चार महीने के कार्यकाल में बांग्लादेश ने केवल एक सीरीज जीती—वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला में 3-0 की जीत। वहीं,

चैंपियंस ट्रॉफी में टीम को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे बांग्लादेश टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गया। बावजूद इसके, बीसीबी अध्यक्ष फारूक अहमद और निदेशक फहीम दोनों ने सिमंस को समर्थन दिया है। फहीम ने कहा, हमारे मुख्य कोच और वरिष्ठ सहायक कोच का अनुबंध मार्च के मध्य तक था। हम उनके प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, इसलिए हम उनके साथ फिर से बातचीत करेंगे। यदि आपसी सहमति नहीं बनती है, तो हमें अन्य विकल्पों पर विचार करना होगा। लेकिन हमें उम्मीद है कि हम उनके साथ समझौते पर पहुंच जाएंगे। हमारा लक्ष्य उनका अनुबंध 2027 विश्व कप तक बढ़ाना है।

आईपीएल 25 में नई जर्सी में नजर आयेंगे केकेआर के खिलाड़ी

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आईपीएल 2025 में नई जर्सी में नजर आयेगी। गत विजेत केकेआर ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपनी नई जर्सी जारी कर दी है। सोशल मीडिया पर जो नई जर्सी पेश की गयी है उसमें तीन स्टार बने हुए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नई जर्सी का वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में टीम की जर्सी पर तीन स्टार्स को कोरबो-लड़बो-जीतबो का सिंबल बताया गया है। गौरतलब है कि केकेआर ने अभी तक तीन बार आईपीएल खिताब जीता है। इस तरह से यह तीन स्टार उसके तीन आईपीएल खिताब के बारे में भी बताते हैं। इसके अलावा जर्सी पर गोल्डन बैज भी लगा है। केकेआर ने नई जर्सी का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में 'कुछ कुछ होता है' फिल्म में स्टार्स काउंट करने वाला छोटा बच्चा, यहां पर भी स्टार्स काउंट कर रहा है। वह स्टार काउंट करते हुए बोलता है, कोरबो, लड़बो, जीतबो। इसके अलावा केकेआर के कई स्टार खिलाड़ी भी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। इन खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह समेत कई अन्य क्रिकेटर्स शामिल हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 में केकेआर ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। इस सत्र के लिए हालांकि अभी तक टीम के कप्तान को नाम सामने नहीं आया है। वहीं हाल ही में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने कहा था कि अगर उन्हें अवसर दिया गया तो वह कप्तानी करने के लिए तैयार हैं।

तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंचा कच्चा तेल

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेंसियां)।

ओपेक और इसके सहयोगी देश द्वारा क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) के उत्पादन में बढ़ोतरी करने का संकेत दिए जाने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत पर दबाव बना हुआ है।

इसकी वजह से आज क्रूड ऑयल 3 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर कर 70.91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 68 डॉलर के स्तर से नीचे फिसल कर 67.81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

बताया जा रहा है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों के बीच क्रूड ऑयल का उत्पादन बढ़ाने की बात को लेकर सहमति बन गई है। इन देशों द्वारा अप्रैल महीने से क्रूड ऑयल के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है।

अभी तक मिली जानकारी के अनुसार रूस और सऊदी अरब क्रूड ऑयल के उत्पादन में प्रतिदिन 1.38 लाख बैरल की बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसी तरह ओपेक के दूसरे सदस्य देशों द्वारा भी कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी किए जाने का अनुमान है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों द्वारा उत्पादन में बढ़ोतरी करने पर कच्चे तेल के दाम में और भी गिरावट आ सकती है।

माना जा रहा है कि सऊदी अरब और रूस समेत दूसरे सभी तेल उत्पादक देशों द्वारा कुल मिलाकर अगर प्रतिदिन 2.25 लाख बैरल क्रूड ऑयल का भी अतिरिक्त उत्पादन किया जाता है, तो इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत 55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक भी जा सकती है।

ऐसा होने पर अपनी जरूरत के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे देशों को काफी राहत मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप की रणनीतिक सरकारी रिजर्व की घोषणा के बाद क्रिप्टोकरेंसी में तेजी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रणनीतिक सरकारी रिजर्व की घोषणा के बाद क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में थोड़ी तेजी आई। ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि अमेरिकी सरकार रणनीतिक रिजर्व कोष में विभिन्न प्रकार की डिजिटल परिसंपत्तियों को खरीदे और रखे। यह घोषणा ट्रंप के अस्थिर क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों को अपने सार्वजनिक समर्थन के बैरोमीटर के रूप में उपयोग करने के बढ़ते प्रयासों को उजागर करती है। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी सरकार एक 'क्रिप्टो स्ट्रैटेजिक रिजर्व' बनाने की दिशा में काम कर रही है, जिसमें कम-ज्ञात क्रिप्टोकरेंसी एक्सआरपी, सोलाना और कार्डानो शामिल होंगे। बाद में उन्होंने एक और पोस्ट के साथ कहा कि उनके नियोजित रिजर्व में बिटकॉइन और ईथर भी शामिल होंगे। ये दो सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी हैं।इस घोषणा से क्रिप्टो की कीमतों में हाल ही में हुई बिकवाली के बाद थोड़ी तेजी देखने को मिली। पिछले सप्ताह 80,000 डॉलर से नीचे गिरने के बाद बिटकॉइन करीब 95,000 डॉलर तक पहुंच गया। रविवार को ट्रंप की घोषणा के बाद एक्सआरपी, सोलाना और कार्डानो की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिला।लेकिन सोमवार दोपहर तक कीमतें लगभग उसी स्तर पर आ गईं, जहां वे ट्रंप की घोषणा से पहले थीं। ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की योजना की पुष्टि के बाद सोमवार को अमेरिकी शेयरों में भी तेज गिरावट आई।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी 159 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ेगी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने मंगलवार को मार्च तिमाही में 159 मेगावाट पवन ऊर्जा जोड़ने की घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी की परिचालन बिजली उत्पादन क्षमता 8,400 मेगावाट के पार हो गई। कंपनी ने कहा कि यह अतिरिक्त क्षमता पवन मौसम से पहले उपलब्ध है और चरम स्थिति के दौरान बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए तैयार है, जो एक स्थायी बिजली आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस वृद्धि के साथ, कंपनी की कुल परिचालन पवन क्षमता 2,826 मेगावाट हो गई है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी 8.0 गीगावाट की निर्माणाधीन क्षमता के साथ अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का सक्रिय रूप से विस्तार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030 से पहले 20 गीगावाट की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता हासिल करना है।

छोटे उद्यम देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं: स्वामीनाथन

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया, जिसमें उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के महत्व को बल दिया। उन्होंने व्यापक सहानुभूति के साथ समय पर देय ऋण की महत्वता पर चर्चा की और उन्होंने कहा कि छोटे उद्यम देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। स्वामीनाथन जे ने उद्यमों के संगठित ऋण समर्थन को मजबूत करने के लिए आईआरबीआई के पहलों की तारीफ की और डिजिटल माध्यमों के महत्व को उजागर किया। उन्होंने स्थायी सलाहकार समिति की बैठक में एमएसएमई के कर्ज प्रवाह की समीक्षा की और ऋण प्रदान में सुधार करने के लिए उन्होंने डिजिटल समाधानों पर जोर दिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में अनेक संगठनों और संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए और एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट, राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लि., भारतीय बैंक संघ, सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट और अन्य संगठनों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशियाई बाजारों में भी गिरावट का रुख

नई दिल्ली, 04 मार्च (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र में बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। दूसरी ओर, एशियाई बाजारों में कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। टैरिफ वॉर की चिंता में अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के अनुसार अमेरिका में मेक्सिको और कनाडा पर से 25 प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है। इसके साथ ही चीन पर भी से 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लागू हो गया है। दूसरी ओर, कनाडा ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए 107 बिलीयन डॉलर के अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। टैरिफ वॉर की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गए। टेक शेयरों में जोरदार बिकवाली दर्ज की गई। डाउ जॉन्स 650 अंक की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 104.78 अंक यानी 1.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,849.72 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 500.96 अंक यानी 2.66 प्रतिशत टूट कर 18,346.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 45,248.76 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका के विपरीत यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,871.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.07 प्रतिशत उछल कर 8,199.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 595.59 अंक यानी 2.57 प्रतिशत की छलांग लगा कर 23,147.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में लगातार दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक हरे निशान में बने हुए हैं। सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,193.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 2,532.94 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,168 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत फिसल कर 3,893.68 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 662.62 अंक यानी 1.75 प्रतिशत फिसल कर 37,122.85 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.23 प्रतिशत फिसल कर 6,439.79 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 105.03 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,901.24 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.37 प्रतिशत लुढ़क कर 22,671.07 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 3,316.67 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं ।

पूर्व सेबी प्रमुख बुच, पांच अन्य पर एफआईआर के आदेश पर रोक

मुंबई, 04 मार्च (एजेंसियां)।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने विशेष अदालत के उस आदेश पर चार सप्ताह तक के लिए रोक लगा दी, जिसमें सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के लिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था।

न्यायमूर्ति शिवकुमार डिगे की एकल पीठ ने कहा कि विशेष अदालत का एक मार्च का आदेश बिना विस्तृत जानकारी के और आरोपी की कोई विशेष भूमिका बताए बिना यंत्रवत् पारित किया गया था। इसलिए उच्च न्यायालय ने कहा कि मामले में शिकायतकर्ता को याचिकाओं के जवाब में हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया जाता है।

उच्च न्यायालय का यह निर्णय बुच, सेबी के तीन वर्तमान पूर्णकालिक निदेशकों - अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय तथा बीएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राममूर्ति और इसके पूर्व चेयरमैन तथा जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल द्वारा दायर याचिकाओं पर आया। याचिकाओं में विशेष अदालत द्वारा पारित आदेश को रद्द करने की मांग की गई थी, जिसमें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को 1994 में बीएसई में एक कंपनी को सूचीबद्ध करते समय धोखाधड़ी के कुछ आरोपों से संबंधित उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। याचिकाओं में कहा गया है कि यह आदेश अवैध और मनमाना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

13,500 करोड़ का...

13,500 करोड़ रुपए के एमओयू के तहत व्यूनाउ इंफोटेक को प्रदेश के सभी जनपदों में डाटा सेंटर स्थापित करना था। मुख्य सचिव ने कहा था कि एमओयू के बाद प्रदेश में एज सेंटर का दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क स्थापित होगा। इन्हीं डाटा सेंटरों की मदद से भविष्य में 5जी नेटवर्क, ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डाटा टेक्नोलाजी के उपयोग की तैयारी थी। एमओयू के दौरान मास्टरमाइंड सुखविंदर सिंह ने बताया था कि उनकी कंपनी राज्य के सभी 75 जिलों में 750 डाटा सेंटर बनाएगी। राज्य सरकार के साथ इस एमओयू को उसने जमकर भुनाया। इसकी आड़ में उसने क्लाउड पार्टिकल घोटाला कर दिया। निवेशकों को फर्जी सेल एंड लीज-बैक मॉडल के जरिए फंसाया गया। इसके तहत डाटा सेंटर की स्टोरेज क्षमता को छोटे-छोटे हिस्सों में लीज पर देने का ऑफर दिया। दांव काम आ गया और बाजार से हजारों करोड़ रुपए निवेश के रूप में आ गए। सुखविंदर ने उस रकम से डाटा सेंटर लगाने के बजाय विदेशों में भेजा। इस संबंध में प्रवर्तन निदेशालय ने नोएडा पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक एफआईआर के बाद अपनी जांच शुरू की।

ईडी की जांच में सामने आया कि व्यूनाउ ग्रुप के संस्थापक सुखविंदर सिंह खरूर ने क्लाउड पार्टिकल टेक्नोलॉजी के नाम पर निवेशकों से भारी रकम जुटाई। फिर इसे निवेशकों को गुमराह करने के लिए कागजों में बढ़ा चढ़ा कर कंपनी की हैसियत दिखाई। डाटा सेंटरों की अलग-अलग जिलों में लगाने की फर्जी सूचनाएं दीं और 3,558 करोड़ रुपए की रकम निवेशकों से ऐंठ ली। रविवार को सुखविंदर अपनी पत्नी डिंपल खरोर के साथ विदेश भागने की फिराक में था लेकिन इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ईडी ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

क्लाउड स्पेस ...

ईडी के अनुसार, इस घोटाले का मास्टरमाइंड व्यूनाउ ग्रुप का सीईओ और संस्थापक सुखविंदर सिंह खरौर है। क्लाउड स्पेस बेचने और लीज बैक करने का पूरा मॉडल एक धोखा था, जिसे लोगों को ठगने के लिए बनाया गया था। इस ठगी के पैसों से इन्होंने लग्जरी कारें, सोना, हीरे खरीदे और चैनल पार्टनर्स को कमीशन दिया। इसके अलावा, सैकड़ों करोड़ रुपए फर्जी कंपनियों के जरिए अलग-अलग प्रॉपर्टी में निवेश कर छिपाए गए। ईडी इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और आगे भी कई बड़े खुलासे हो सकते हैं।

नीतीश के...

लेकिन, आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं हुई थी। अब औपचारिक तरीके से अध्यक्ष के बतौर उनके नाम का ऐलान कर दिया गया है। दिलीप जायसवाल के प्रदेश अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया सोमवार से ही शुरू हुई थी। उन्होंने पार्टी के चुनाव पदाधिकारी सह प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा के सामने प्रदेश अध्यक्ष के लिए अपना पर्चा दाखिल किया था। वहीं दोनों डिप्टी सीएम, स्वास्थ्य मंत्री, और एमएलसी संजय मयूख दिलीप जायसवाल के प्रस्तावक बने थे। मंगलवार को इनके नाम पर भाजपा आलाकमान ने फिर से मुहर लगा दी। अब दिलीप जायसवाल 2025-27 तक अध्यक्ष रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि इसी साल के अंत में बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। पिछले चुनाव में 243 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा के 80, जेडीयू के 45 और जीतनराम मांझी की हम पार्टी के पास 4 विधायक जीते थे। वहीं विपक्ष के पास 107 विधायक हैं। आरजेडी के 77, कांग्रेस के 19 और सीपीआई (एमएल) के 11 विधायक हैं।

मियां-टियां ...

हरी नंदन सिंह ने इसके खिलाफ जिला कोर्ट में अपील दाखिल की और मामला रद्द करने की मांग की। हालांकि, बोकारो के कोर्ट ने उनकी यह अपील खारिज कर दी। इसके बाद हरिनंदन सिंह ने झारखंड हाईकोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट ने भी उनकी अपील खारिज कर दी। हरी नंदन सिंह ने इसके बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और मांग की कि उनके खिलाफ दर्ज किया गया मामला रद्द किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिला अदालत और हाईकोर्ट को इस मामले में आरोपी को बरी कर देना चाहिए था लेकिन उन्होंने नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए हरी नंदन सिंह को बरी कर दिया।

भाजपा को समर्थन...

की नीतियों को वैध बनाने के लिए काम कर रही है। दुर्भाग्य से जो कभी असंवैधानिक था, उसे अब चुनी हुई सरकार द्वारा सामान्य बनाया जा रहा है। वह सरकार जो एक अलग घोषणापत्र के साथ सत्ता में आई थी, जिसमें उन्होंने जम्मू कश्मीर के लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने का वादा किया था। लेकिन, अब ऐसा लगता है कि वे पिछले 6 सालों के भाजपा के फैसलों को सही ठहरा रहे हैं। उमर अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए महबूबा ने कहा था कि वह उन लोगों के अधिकारों के लिए भी खड़े नहीं हो सकते जिन्होंने उन्हें बड़े पैमाने पर वोट दिया।

वहीं, इससे पहले सोमवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच गठबंधन की संभावनाओं से इन्कार किया। उन्होंने कहा था कि भाजपा के साथ गठबंधन का सवाल ही नहीं उठता। अब्दुल्ला ने कहा था, हम भाजपा के साथ किसी गठबंधन के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, न ही इसकी कोई गुंजाइश है, न ही इसकी जरूरत है। हमारे विचार भी मेल नहीं खाते। अगर हम जम्मू-कश्मीर की बात करें तो हमारे विचार काफी अलग हैं। हम सत्र के दौरान हर चीज पर चर्चा करेंगे।

एसडीपीआई ...

(पीएफआई) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सामने आया है। पीएफआई को कुछ साल पहले केंद्र सरकार ने बैन कर दिया था।

फैजी पर गैरकानूनी तरीके से पैसे इकट्ठा करने और उसे इस्तेमाल करने का आरोप है। ईडी इस मामले में गहराई से जांच कर रहा है ताकि ऐसे संगठनों के वित्तीय नेटवर्क को तोड़ा जा सके। एसडीपीआई की स्थापना 2009 में हुई थी और इसका पीएफआई से सीधा संबंध है। फैजी की गिरफ्तारी के बाद आतंकी फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कई मामलों में और खुलासा होने की उम्मीद है। ईडी का कहना है कि ये कदम देश में गैरकानूनी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए उठाया गया है।

धनंजय मुंडे ...

इसे देखते हुए डॉक्टरों ने मुझे अगले कुछ दिनों तक इलाज कराने की सलाह दी है। इसलिए चिकित्सा कारणों से भी मैंने कैबिनेट में अपने मंत्री पद से इस्तीफा मुख्यमंत्री को सौंप दिया है।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार रात को फडणवीस से मुलाकात की और देशमुख हत्या मामले में अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) की ओर से दायर आरोपपत्र और दो अन्य संबंधित मामलों के नतीजों पर चर्चा की, जिनमें कराड को आरोपी नंबर एक बनाया गया है। बीड के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख को पिछले साल नौ दिसंबर को जिले में एक ऊर्जा कंपनी को निशाना बनाकर की जा रही जबरन वसूली के प्रयास को रोकने की कोशिश करने पर अगवा कर लिया गया था। उन्हें प्रताड़ित भी किया गया था और बाद में उनकी हत्या कर दी गई थी।

राज्य अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ने 27 फरवरी को देशमुख की हत्या और दो संबंधित मामलों में बीड जिले की एक अदालत में 1,200 से अधिक पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया। सरपंच की हत्या, अवाडा कंपनी से पैसे एंठने की कोशिश और कंपनी के सुरक्षा गार्ड पर हमला करने के तीन अलग-अलग मामले बीड के केज थाने में दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कठोर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामला दर्ज किया है।

अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उन पर मकोका के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक आरोपी अब भी फरार है। इससे पहले महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे की अलग हुई पहली पत्नी करुणा शर्मा-मुंडे ने रविवार को बड़ा दावा किया था। उन्होंने कहा था कि वरिष्ठ नेताओं ने उनका इस्तीफा मांगा है और राज्य विधानमंडल के बजट सत्र से पहले इसकी घोषणा की जाएगी। हालांकि, इस्तीफे की बात बजट सत्र के दौरान की गई।

पहला भौम प्रदोष व्रत 11 को

प्रदोष व्रत भगवान शिव और मां पार्वती की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन पूजा करने से साधक को महादेव का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही रुके हुए का जल्द पूरे होते हैं।

अगर आप भी भगवान शिव और मां पार्वती को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो प्रदोष व्रत के दिन शुभ मुहूर्त में महादेव की पूजा करें और नियम का पालन करें। इससे साधक को पूजा का पूरा फल मिलेगा। इस बार मार्च के पहले प्रदोष व्रत की डेट को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति बन रही है। ऐसे में आइए हम आपको बताएंगे प्रदोष व्रत की सही तारीख और पूजा के शुभ मुहूर्त के बारे में।

प्रदोष व्रत डेट और शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 11 मार्च को सुबह 08 बजकर 13 मिनट पर होगी और अगले दिन यानी 12 मार्च को सुबह 09 बजकर 11 मिनट पर तिथि का समापन होगा। इस प्रकार 11 मार्च को प्रदोष व्रत किया जाएगा। प्रदोष व्रत के दिन महादेव की पूजा संध्याकाल में होती है। इस दिन पूजा करना का शुभ मुहूर्त शाम को 06 बजकर 27 मिनट से 08 बजकर 53 मिनट तक है।

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 58 मिनट से 05 बजकर 47 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 17 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 25 मिनट से 06 बजकर 49 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 06 मिनट से 12 बजकर 55 मिनट तक

प्रदोष व्रत पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर दिन की शुरुआत महादेव के ध्यान से करें।

इसके बाद स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें।

इसके बाद शिवलिंग का अभिषेक करें।

महादेव का चंदन, भस्म आदि से तिलक करें।

देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें और महादेव के मंत्रों का जप करें।

इसके बाद खीर, दही और फिर सूजी के हलवे समेत आदि चीजों का भोग लगाएं।

आखिरी में लोगों में प्रसाद बाटें और खुद भी ग्रहण करें।

प्रदोष व्रत पर राशि अनुसार करें इन चीजों का दान

वैदिक पंचांग के अनुसार, मंगलवार 11 मार्च को फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी है। हर माह कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत मनाया जाता है। यह दिन पूर्णतया देवों के देव महादेव को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। प्रदोष व्रत करने से साधक की हर एक मनोकामना पूरी होती है। साथ ही जीवन में व्याप्त हर परेशानी दूर हो जाती है।

प्रदोष व्रत पर पूजा, जप-तप के साथ दान-पुण्य किया जाता है। अगर आप भी देवों के देव महादेव की कृपा पाना चाहते हैं, तो प्रदोष व्रत पर भक्ति भाव से भगवान शिव की पूजा करें। वहीं, पूजा के बाद राशि अनुसार दान करें। इन चीजों के दान से कुंडली में

खुशियों से भर जाएगा जीवन

अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त हो जाता है।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि के जातक प्रदोष व्रत के दिन मसूर दाल और लाल रंग के वस्त्र का दान करें।

वृषभ राशि के जातक त्रयोदशी तिथि पर चावल, आटा, नमक और चीनी का दान करें।

मिथुन राशि के जातक कारोबार के दाता बुध देव की कृपा पाने के लिए हरी सब्जियों का दान करें।

कर्क राशि के जातक मानसिक तनाव से निजात पाने के लिए दूध और दही का दान करें।

सिंह राशि के जातक आत्मा के कारक सूर्य देव की कृपा पाने के लिए गुड़ और गेहूं का दान करें।

कन्या राशि के जातक मनचाहा वर पाने के लिए साबुत मूंग, मूंग की दाल और चूड़ियों का दान करें।

तुला राशि के जातक सुखों में वृद्धि पाने के लिए जरूरतमंदों को पोहा, दही और चीनी का दान करें।

वृश्चिक राशि के जातक मंगल देव को प्रसन्न करने के लिए लाल रंग के वस्त्र और शहद का दान करें।

धनु राशि के जातक गुरु मजबूत करने के लिए केला, पपीता और चने की दाल का दान करें।

मकर राशि के जातक शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए काले तिल और काले रंग के वस्त्र का दान करें ।

कुंभ राशि के जातक भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए जरूरतमंदों को धन का दान करें।

मीन राशि के जातक प्रदोष व्रत के दिन बेसन, मकई, पीले रंग के कपड़े का दान करें।

मंदिर में शिवलिंग की तरफ क्यों होता है नंदी का मुंह, कैसे बनें महादेव की सवारी?

सनातन धर्म में भगवान शिव को सोमवार का दिन प्रिय है। इस शुभ अवसर पर भक्त भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति के लिए विधिपूर्वक व्रत भी करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सोमवार के दिन इन शुभ कामों को करने से साधक के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही महादेव की कृपा प्राप्त होती है।

इस दिन लोग महादेव के दर्शनों के लिए शिव मंदिर भी जाते हैं। शिव जी के दर्शन कर शिवलिंग की पूजा करते हैं। शिवलिंग के सामने नंदी विराजमान होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिव मंदिर में शिवलिंग के सामने ही नंदी क्यों विराजमान होते हैं? अगर नहीं पता, तो ऐसे में आइए हम आपको बताएंगे इसकी वजह के बारे में।

पौराणिक कथा के अनुसार, शिलाद नाम के ऋषि थे। वह महादेव की अधिक तपस्या करते थे, जिसकी वजह से उन्होंने नंदी को पुत्र रूप में प्राप्त किया। एक बार ऐसा समय आया जब शिलाद के आश्रम में दो संतों का आगमन हुआ।

ऋषि ने उनकी सेवा की। उनके इस काम को देख संत प्रसन्न हुए और ऋषि को लंबी आयु का वरदान दिया, लेकिन उन्होंने नंदी को कोई आशीर्वाद नहीं दिया और उन संतों ने नंदी की आयु कम भविष्यवाणी की। इस बात को जानकर ऋषि शिलाद और नंदी चिंतित हुए। ऐसे में नंदी ने महादेव के कठोर तपस्या की और प्रभु का ध्यान किया। नंदी ने तपस्या कर महादेव को प्रसन्न किया और उन्हें (नंदी को) अपना वाहन बना लिया और नंदी का अभिषेक करवाया। इसके बाद नंदी का मरुतों की पुत्री सुयशा का विवाह हुआ।

महादेव ने दिया वरदान

महादेव ने प्रसन्न होकर नंदी को वरदान दिया कि जिस स्थान पर नंदी का निवास होगा। उसी स्थान के सामने भगवान शिव वास करेंगे। इसी वजह से शिव मंदिर में शिवलिंग के सामने नंदी का विराजमान होते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव के साथ नंदी की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी मनोकामनाएं जल्द पूरी होती हैं।

चैत्र माह में 27 को मासिक शिवरात्रि

जानिए शुभ मुहूर्त और शिव जी की पूजा विधि

महादेव की कृपा प्राप्ति के लिए मासिक शिवरात्रि को एक उत्तम तिथि माना गया है। इस दिन पर भगवान शिव के निमित्त व्रत और पूजा-पाठ करने से उनकी असीम कृपा प्राप्त की जा सकती है। इस दिन पर आप पूजा के दौरान शिव जी के मंत्रों का जप कर विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मासिक शिवरात्रि शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी 27 मार्च को रात 11 बजकर 03 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन 28 मार्च को शाम 07 बजकर 55 मिनट पर होगा। ऐसे में चैत्र माह की मासिक शिवरात्रि का व्रत गुरवार, 27 मार्च 2025 को किया जाएगा। मासिक शिवरात्रि की पूजा मध्य रात्रि में की जाती है। इसलिए इस दिन शिव जी की पूजा का मुहूर्त इस प्रकार रहेगा -

मासिक शिवरात्रि पूजा मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 03 से 28 मार्च 12 बजकर 49 मिनट तक

शिव जी की पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवित् हो जाएं।

मंदिर की साफ-सफाई कर गंगाजल का छिड़काव करें।

एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर शिव जी और पार्वती माता की मूर्ति स्थापित करें।

कच्चे दूध, गंगाजल, और शुद्ध जल से शिवलिंग का अभिषेक करें।

शिव जी को बेलपत्र, धतूरा, और भांग आदि अर्पित करें।

भगवान शिव को मखाने की खीर, फल, हलवा या फिर चावल की खीर का भोग लगाएं।

साथ ही माता पार्वती को 16 शृंगार की सामग्री अर्पित करें।

दीपक जलाकर भगवान शिव और माता पार्वती की आरती करें।

शिव चालीसा और शिव जी के मंत्रों का जप करें।

अंत में सभी लोगों में पूजा का प्रसाद बांटें।

शिव जी के मंत्र -

शिव मूल मंत्र - ॐ नमः शिवाय।।

भगवान शिव का गायत्री मंत्र - ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।।

महामृत्युंजय मंत्र - ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ।।

ध्यान मंत्र - करचरण कृतं वाक्कायजं कर्मजं वा। श्रवणनयनजं वा मानसं वापराधं। विहितमविहितं वा सर्वमेतत्क्षमस्व। जय जय करुणाब्धे श्रीमहादेव शम्भो ।।

रुद्र मंत्र - ॐ नमो भगवते रुद्राये।।

शीघ्र विवाह के लिए मंत्र -

ओम कात्यायनी महामाये महायोगिन्यधीश्वरि।

नंदगोपसुतम् देवि पतिम् मे कुरुते नमः।।

कब और कहां देवों के देव महादेव और मां पार्वती ने लिए थे सात फेरे?

विष्णु जी ने निभाई थी अहम भूमिका

हिंदू धर्म में माता पार्वती और भगवान शिव के विवाह को महाशिवरात्रि पर्व के रूप में मनाया जाता है। यह विवाह इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके साथ ही महादेव ने वैराग्य जीवन छोड़ गृहस्त जीवन में कदम रखा था। इस विवाह में शिव जी के गणों समेत देवी-देवताओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया था।

कहां हुआ था विवाह

शिव-पार्वती का विवाह उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के त्रियुगीनारायण गांव में हुआ था, जहां आज त्रियुगीनारायण मंदिर स्थापित है। यह मंदिर गंगा और मंदाकिनी सोन नदी के संगम पर बना है। यह खूबसूरत गांव लगभग 1,900 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। पूरा क्षेत्र पहाड़ों से घिरा हुआ है, जिससे इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। सर्दियों में बर्फ पड़ने पर इस स्थान की खूबसूरती और भी बढ़ जाती है।

क्या हैं मान्यताएं

इस मंदिर के आस-पास का प्राकृतिक दृश्य तो मन मोह ही लेता है, लेकिन यहां

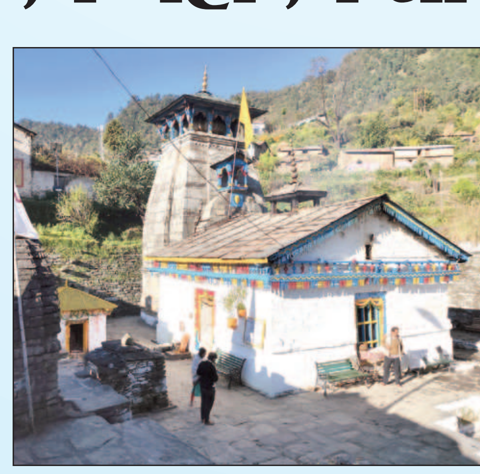

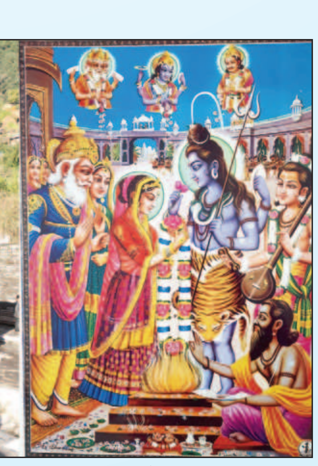

से जुड़ी मान्यताएं भी व्यक्ति को यहां आने पर मजबूर कर देती हैं। मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में आज भी वह पवित्र अग्नि जल रही है, जिसे साक्षी मानकर भगवान शिव और माता पार्वती ने विवाह किया था। तीन युगों से अग्नि जलने के कारण ही इस मंदिर को त्रिजुगी नारायण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

साथ ही यह भी माना जाता है कि जो भी व्यक्ति अखंड ज्योत की भभूत अपने साथ ले जाता है, उसका वैवाहिक जीवन सदा खुशहाल बना रहता है। इस मंदिर की मान्यता इतनी अधिक है कि लोग आज भी यहां विवाह करने के लिए पहुंचते हैं। ऐसा माना जाता है कि यहां विवाह करने वाले जोड़े को शिव-पार्वती का आशीर्वाद मिलता है।

ब्रह्मा जी और विष्णु जी ने निभाई अहम भूमिका

शिव-शक्ति के इस मिलन में विष्णु जी ने पार्वती के भाई के रूप में सभी रस्में निभाई थीं। वहीं ब्रह्मा जी विवाह यज्ञ के आचार्य की भूमिका निभाई थी। मंदिर के ठीक सामने जो विवाह स्थल है उसे ब्रह्म शिला के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान का महात्म्य पुराणों में भी मिलता है। कहा जाता है कि विवाह सम्पन्न कराने से पहले सभी देवताओं ने यहां स्नान भी किया था, इसलिए यहां रुद्र, विष्णु और ब्रह्म नामक तीन कुंड भी बने हुए हैं।

क्या संकेत देता है ऊंचाई से गिरने का सपना हो जाएं सावधान

स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि व्यक्ति का हर सपना उसे भविष्य में घटने वाली कुछ घटनाओं के बारे में संकेत दे सकती हैं। इस प्रकार हर सपने के अपने अलग-अलग मायने होते हैं। कई बार कुछ सपनों का अर्थ समझना मुश्किल होता है। ऐसे में अगर आपको अक्सर ऊंचाई से गिरने का सपना आता है, तो यह आपके भविष्य के लिए एक संकेत हो सकता है।

मिलता है ये संकेत

स्वप्न शास्त्र में ऊंचाई से गिरने के सपने को शुभ नहीं माना गया। इस सपने का अर्थ माना जाता है कि आपको किसी स्वास्थ्य समस्या का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही यह सपना आपको किसी बड़ी विपत्ति के आने का भी संकेत देता है। वहीं अगर कोई व्यक्ति खुद को सपने में आसमान या बादलों से गिरते हुए देखता है, तो यह भविष्य में होने वाली किसी दुर्घटना की ओर इशारा करता है।

सावधान रहने की है जरूरत

कई बार व्यक्ति को पहाड़ या फिर चट्टान से गिरने का भी सपना आता है। स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि व्यक्ति का ये सपना भविष्य में आने वाले आर्थिक संकट की ओर इशारा करता है। साथ ही यह सपना यह भी बताता है कि आप कार्यस्थल की किसी बात को लेकर तनाव में हैं।

इन सपनों का अर्थ

यदि आप सपने में किसी दूसरे व्यक्ति को गिरते हुए देखते हैं, तो इस सपने का यह अर्थ माना जाता है कि आप अपने दुश्मनों को हरा देंगे। वहीं अगर कोई व्यक्ति सपने में खुद को फिसलकर गिरते हुए देखता है, तो यह सपना किसी परिचित से धोखा मिलने का संकेत देता है। इसलिए व्यक्ति को सचेत रहने की आवश्यकता है।

हो जाएं सतर्क

स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि अगर कोई व्यक्ति सपने में खुद को छत से गिरते हुए देखता है, तो यह सपना भी इस बात की ओर संकेत करता है कि व्यक्ति को कोई शारीरिक समस्या झेलनी पड़ सकती है। इसलिए इस तरह का सपना आने पर व्यक्ति को सतर्क हो जाना चाहिए।

अमिताभ बच्चन पर हो रहा बढ़ती उम्र का असर!

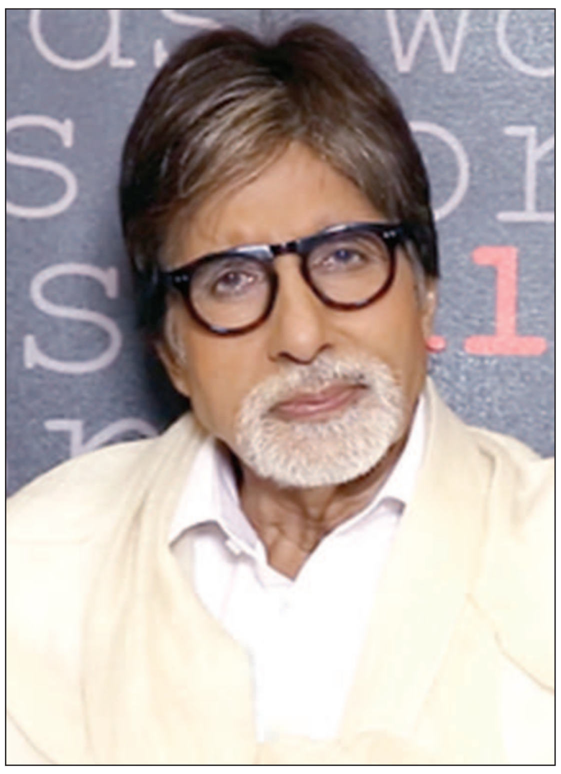

भूल जाते हैं डायलॉग के लाइन्स, पोस्ट में छलका बिग बी का दर्द

मेगास्टार अमिताभ बच्चन भले ही अभी भी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में एक्टिव हैं, लेकिन 82 साल की उम्र में उन्हें अपनी उम्र के कारण कई सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने ब्लॉग के ज़रिए अपने संघर्षों के बारे में बताया और बताया कि उन्हें अपनी लाइनें याद करने में कैसे परेशानी होती है। दिग्गज सुपरस्टार ने यह भी बताया कि कैसे वह कभी-कभी देर रात अपने डायरेक्टर्स को फोन करते हैं और अपने सीन्स को बेहतर तरीके से करने के लिए दूसरा मौका मांगते हैं।

अमिताभ ने शेयर की दिल की बात

अमिताभ बच्चन ने लिखा, काम आने के लिए मीटिंग्स और मीटिंग्स और मीटिंग्स बहुत होती हैं, और यह एक परीक्षा, एक चुनौती बन जाती है कि क्या लेना है, क्या अस्वीकार करना है, क्या विनम्रता से मना करना है। मुद्दा यह है कि चर्चा अंततः फिल्म उद्योग, और इसके कामकाज और इसकी स्थिति के विषय पर समाप्त होती है, जिसके बारे में मैं बिल्कुल भी नहीं जानता।

दिग्गज सुपरस्टार ने आगे लिखा, चिंता हमेशा यही रही है कि मुझे क्या काम मिल रहा है और क्या मैं उसके साथ न्याय कर पाऊंगा या नहीं, उसके बाद क्या होगा, यह सब धुंधला है। प्रोडक्शन, लागत, मार्केटिंग, प्रदर्शनी... वगैरह... बस एक अज्ञात, समझ से परे अंधेरा, धुंधलापन।

डायरेक्टर को आधी रात करता हूं फोन

बिग बी ने आगे कहा, और जब आप उम्रदराज होते हैं, तो यह सिर्फ लाइनों को याद रखने की बाधा नहीं होती, बल्कि कई उम्र से संबंधित समस्याएं भी होती हैं जिन्हें पूरा करना होता है ताकि आप कंटेंट को सही तरीके से प्रिजेंट कर सकें। और फिर आप घर आते हैं और महसूस करते हैं कि कितनी गलतियां हुईं और उन्हें कैसे सुधारें।। निर्देशक को आधी रात को फोन करके एक और मौका मांगते हैं ताकि सुधार किया जा सके।

ब्लॉग में उन्होंने लिखा, एक और दिन बीत गया, एक और आर्टिकल आ गया, दोस्तों के साथ एक और मुलाकात शुरू हो गई और एक और आशंका अभी भी हावी है। क्या वे वहां होंगे या नहीं? और यह महसूस होता है कि शुभचिंतकों का उत्साह धीरे-धीरे कम हो रहा है। यह होना ही है- प्रोफेशनल वक्त के साथ फीके पड़ जाते हैं। जब अभिनेता का चेहरा दर्शकों का सामना नहीं कर पाता।। वे चले जाते हैं। यह सबके साथ होगा। चाहे कुछ भी कहा जाए, जीवन का चक्र कभी नहीं रुकता।

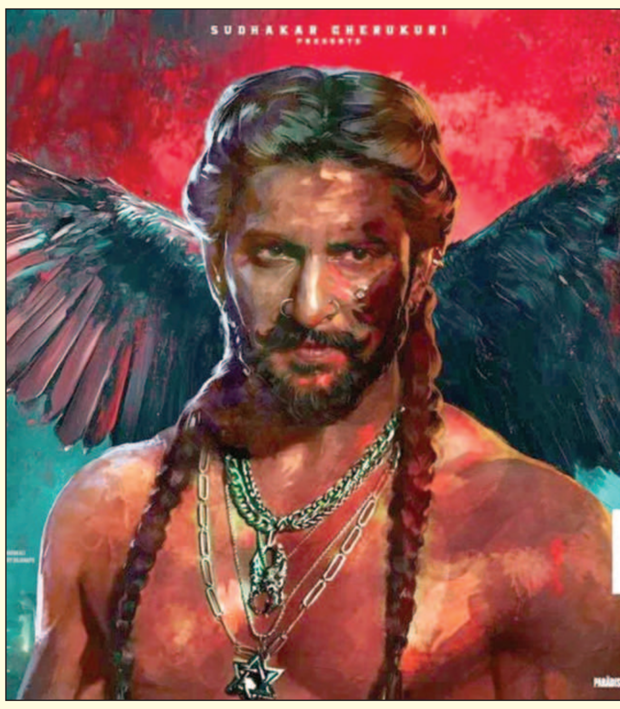

द पैराडाइज से नानी की पहली झलक आई सामने

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता नानी काफी समय से अपनी आगामी फिल्म द पैराडाइज को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान श्रीकांत ओडेला ने संभाली है।दशहरा के बाद यह श्रीकांत और नानी के बीच दूसरा सहयोग है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सुधाकर चेरुकुरी इस फिल्म के निर्माता हैं।अब आखिरकार द पैराडाइज से नानी की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमे उनका धांसू अवतार दिख रहा है।द पैराडाइज एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बंगाली भाषा में रिलीज किया जाएगा। खास बात यह है कि यह फिल्म अंग्रेजी और स्पेनिश भाषा में भी दर्शकों के बीच आएगी।द पैराडाइज की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 26 मार्च, 2026 को रिलीज होगी।फिल्म द पैराडाइज का हाल ही में जो वीडियो रिलीज किया गया है उसकी थीम डार्क है। फिल्म का वीडियो एक वॉइस ओवर से शुरू होता है। इसमें एक महिला बोलती है इतिहास में सब लोगों ने तोते और कबूतरों के बारे में लिखा लेकिन उसी जाति में पैदा हुए कौओं के बारे में नहीं लिखा। ये क्रोधित हुए उन कौओं की कहानी है। ये जमाने से बिछाई गई उन लाशों की कहानी है। मां की छाती से दूध नहीं निकला तो खून पिला कर परवरिश हुई उस जाति की कहानी है। एक जिसने आकर पूरी जाति में जोश लाया। थूके जाने वाले कौओं ने तलवार अपना ली। ये नुचे हुए कौओं को जोड़ने वाली एक औलाद की कहानी है। मेरा बेटा नायक बना वह कहानी है।द पैराडाइज फिल्म समाज से बहिष्कृत एक निडर नेता के नेतृत्व में उत्पीड़ित वर्ग के विद्रोह की कहानी है। जारी वीडियो में कई जगहों पर आग जलने के दृश्य दिखाए गए हैं। इसके साथ कौओं के नाचने के दृश्य दिखाए गए हैं। वीडियो में कई जगहों पर लोग नाच रहे हैं, जश्न मना रहे हैं। वीडियो के आखिर में गोली चलने की आवाज आती है। नानी के अलावा इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। श्रीकांत ओडेला एक युवा निर्देशक हैं, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म दसारा से ही अपनी छाप छोड़ी थी, जिसमें नानी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म एक जबरदस्त हिट साबित हुई और नानी को बॉक्स ऑफिस पर पहली बार 100 करोड़ की सफलता मिली। श्रीकांत अब एक बार फिर नानी के साथ एक और पीरियड ड्रामा फिल्म द पैराडाइज के लिए साथ आए हैं।

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म छावा का तेलुगु ट्रेलर रिलीज

7 मार्च को रिलीज होगी फिल्म

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म छावा का तेलुगु ट्रेलर सोमवार को काफी धूमधाम से रिलीज किया गया। ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा, जिसने पहले ही हिंदी में धूम मचा दी है, अब फिल्म अपनी तेलुगु रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में विक्की ने वीर मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई है, जबकि रश्मिका ने उनकी पत्नी येसुबाई भोंसले का किरदार निभाया है।अपनी मोस्ट अवेटेड रिलीज के बाद ट्रेलर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से धूम मचाई और कई लोगों ने फिल्म के तेलुगु वॉयसओवर की तारीफ की। बता दें तेलुगु में छावा 7 मार्च 2025 को रिलीज ने के लिए तैयार है। छावा हिंदी में दुनियाभर में तबाही मचा रही है।तेलुगु में रिलीज होने के लिए सबसे बड़ी बात यह है कि तेलुगु वर्जन में लेजिम डांस पर किसी तरह की रोक नहीं लगाई गई है। यानि तेलुगु दर्शकों को फिल्म के हिंदी वर्जन से हटाया गया लेजिम डांस भी देखने को मिलेगा।

इस बात पर लोगों ने सोशल मीडिया पर अपना एक्साइटमेंट जाहिर किया। एक यूजर ने लिखा, तेलुगु दर्शक ज्यादा भाग्यशाली हैं कि वे महाराज लेजिम देख सकते हैं। जय भवानी। एक ने लिखा, क्या बात है, तेलुगु वाले लोग वकी हैं। बता दें विक्की कौशल का लेजिम डांस सीक्वेंस बड़े हंगामे के बाद हिंदी वर्जन से हटाना पड़ा था।छावा पहले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है, अब तक फिल्म 450 करोड़ से ऊपर कलेक्शन कर चुकी है। वहीं वर्ल्डवाइड 600 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली है अब इसकी तेलुगु रिलीज केवल इसकी सफलता में इजाफा करने वाली है।

सिकंदर के पहला गाने का टीजर आया सामने

सलमान खान के लिए जोहरा जबीं रश्मिका मंदाना

सलमान खान ने ईद 2025 पर अपने फैंस का फुल मनोरंजन का करने प्लान बना लिया है। इस ईद सलमान खान अपने फैंस के लिए साल 2025 की मास एक्शन फिल्म सिकंदर से सिल्वर स्क्रीन पर लौट रहे हैं। सिकंदर से रिलीज पोस्टर और टीजर ने सलमान खान के फैंस की फिल्म के प्रति बेचैनी बढ़ा दी है और अब सिकंदर का पहला गाना जोहरा जबीं आज रिलीज होने के लिए तैयार है। 3 मार्च को दूसरे रमजान में सिकंदर के पहले गाने जोहरा जबीं का टीजर जारी कर दिया गया है। जोहरा जबीं एक पार्टी थीम सॉन्ग नजर आ रहा है, जो रमजान के महीने में चार चांद लगा देगा।जोहरा जबीं के टीजर में सलमान खान का प्योर भाईजान लुक देखने को मिल रहा है। सलमान खान ने सिल्वर कढ़ाई वाला ब्लैक कुर्ता पायजामा पहना हुआ है। इस लुक में सलमान खान बेहद डैशिंग दिख रहे हैं और अब इस रमजान सलमान खान का यह कुर्ता उनके फैंस भी सिलवाने वाले हैं। वहीं, टीजर में साउथ हसीना रश्मिका मंदाना की भी खूबसूरत झलक देखने को मिल रही है। सॉन्ग जोहरा जबीं में रश्मिका काले रंग के सीक्वेंस लहंगे में दिख रही है और रश्मिका ने मांग टीका लगा हुआ है और सलमान खान के साथ उनकी जोड़ी बेहद जंच रही है।सिकंदर एक मास एक्शन फिल्म है, जिसे ब्लॉकबस्टर फिल्म गजनी के डायरेक्टर ए।आर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं, जो सलमान खान के साथ किक जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के टीजर से फिल्म की बाकी स्टारकास्ट के लुक भी सामने आए थे। सिकंदर में फिल्म बाहुबली में कट्टप्पा का रोल कर चुके साउथ एक्टर सत्यराज अहम रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म सिकंदर इस ईद के मौके पर रिलीज होने जा रही है।

नादानियां का नया पोस्टर जारी

अपने-अपने परिवार के साथ दिखे खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान

शाउना गौतम के निर्देशन में बन रही फिल्म नादानियां को दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहा हैं।यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं।फिल्म में इब्राहिम की जोड़ी खुशी कपूर के साथ बनी है। आर्चीज और लवयापा के बाद यह उनके करियर की तीसरी फिल्म है।अब निर्माताओं ने नादानियां का नया पोस्टर जारी कर दिया है।नए पोस्टर में इब्राहिम और खुशी की खूबसूरत केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। वह दोनों अपने-अपने परिवार के सदस्यों के साथ नजर आ रहे हैं।फिल्म में खुशी के पिता सुनील शेट्टी बने हैं तो वहीं उनकी मां की भूमिका महिमा चौधरी निभा रही हैं। उधर, इब्राहिम के पिता के किरदार में जुगल हंसराज दिखेंगे तो वहीं उनकी मां दिया मिर्जा बनी हैं।नादानियां 7 मार्च से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। करण जौहर इसके निर्माता हैं।

द वेकिंग ऑफ ए नेशन का ट्रेलर जारी, सामने आएगा जलियांवाला बाग हत्याकांड का सच

जाने-माने निर्देशक और निर्माता राम माधवानी इन दिनों अपनी वेब सीरीज द वेकिंग ऑफ ए नेशन को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।इस शो में जलियांवाला बाग हत्याकांड से जुड़े कई पहलुओं को दिखाया जाएगा। इसमें तारुक रैना और निकिता दत्ता मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।अब निर्माताओं ने द वेकिंग ऑफ ए नेशन का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें जलियांवाला बाग हत्याकांड के दौरान हुए दंगों और भारत की स्थिति की झलक दिख रही है।द वेकिंग ऑफ ए नेशन का प्रीमियर 7 मार्च, 2025 से ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होने जा रहा है।इसमें तारुक और निकिता के अलावा साहिल मेहता, भावशील सिंह, एलेक्स रीस और पॉल मैकइवान जैसे कई कलाकार भी अभिनय करते दिखाई देंगे।शांतनु श्रीवास्तव और शत्रुजीत नाथ और राम माधवानी ने मिलकर इस शो को लिखा है।बता दें कि राम माधवानी को नीरजा और आर्या जैसी वेब सीरीज के लिए जाना जाता हैं।

दक्षिण भारतीय फिल्मों में डेब्यू के लिए तैयार सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड में दबंग, तेवर जैसी फिल्में देने वाली अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। जानकारी के अनुसार अभिनेत्री तेलुगू भाषा की फिल्म जटाधारा में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी।जटाधारा में सुधीर बाबू भी हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इंडस्ट्री के सूत्रों ने अभिनेत्री के फिल्म में शामिल होने के संकेत दिए हैं। फिल्म में सोनाक्षी को एक मजबूत और अलग तरह की भूमिका के लिए चुना गया है।अपकमिंग फिल्म जटाधारा के बारे में बता दें, फिल्म का मुहूर्त पूजन हाल ही में हैदराबाद के एक मंदिर में किया गया। धूमधाम से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथियों के तौर पर निर्देशक हरीश शंकर, पुष्पा 2: द रूल के निर्माता रवि शंकर समेत फिल्म जगत के अन्य सितारे शामिल हुए।मुहूर्त पूजन में निर्देशक वेंकी अटलूरी, निर्देशक मोहना इंद्रगांती, शिल्पा शिरोधाकर समेत अन्य ने शिरकत की।जटाधारा एक्शन और सस्पेंस से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें अभिनेता सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं। जटाधारा की पौराणिक कथाओं के साथ कहानी को निर्माताओं ने मनोरंजक मोड़ दिया है।फिल्म के बारे में सुधीर बाबू ने कहा, मैं इस नई यात्रा के लिए रोमांचित हूं। जटाधारा का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हूं। स्क्रिप्ट में हमारी समृद्ध पौराणिक मान्यताओं को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ सहजता से जोड़ा गया है, जो दर्शकों के लिए एक बेहतरीन और नया अनुभव लेकर आएगा और मेरा मानना है कि यह दर्शकों पर एक खास प्रभाव छोड़ेगा।जटाधारा के मुहूर्त समारोह में जी स्टूडियो के प्रस्तुतकर्ता उमेश के.आर. बंसल और प्रेरणा वी. अरोड़ा भी शामिल हुईं।वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा के पास जटाधारा के अलावा तू है मेरी किरण भी है, जिसमें वह पति-अभिनेता जहीर इकबाल के साथ नजर आएंगी। सोनाक्षी सिन्हा के पास निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस भी है।

वेब सीरीज खाकी: द बंगाल चैप्टर का ऐलान, खून या कानून; किसकी होगी जीत?

नीरज पांडे के निर्देशन में बनी वेब सीरीज खाकी: द बिहार चैप्टर को काफी पसंद किया गया था। इसमें करण टैकर, रवि किशन, अविनाश तिवारी, अभिमन्यु सिंह और आशुतोष राणा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आए थे।यह सीरीज 25 नवंबर, 2022 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब लगभग 2 साल बाद खाकी: द बिहार चैप्टर के दूसरे सीजन का ऐलान हो गया है, जिसका नाम खाकी: द बंगाल चैप्टर रखा गया है।खाकी: द बंगाल चैप्टर का पहला पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है। यह सीरीज जल्द ही नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।ओटीटी प्लेटफॉर्म ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, खून या कानून, किसकी होगी जीत?इस सीरीज में निकिता दत्ता, जतिन सरना, श्रद्धा दास और अनूप सोनी जैसे सितारे नजर आएंगे। नीरज पांडे ही दूसरे सीजन का निर्देशन करने वाले हैं।

बजट घोषणाओं से कृषि क्षेत्र में होंगे नवाचार, मजबूत होगा कृषक

जयपुर,04 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में बजट 2025-26 कृषि क्षेत्र में उत्पादन एवं आय में वृद्धि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में उपयोगी सिद्ध होगा। बजट घोषणाओं द्वारा कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी को बढ़ावा मिलेगा। राज्य में कृषि एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। यहां की अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्यों द्वारा ही अपनी आजीविका चलाती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। राज्य सरकार द्वारा कृषकों को राहत देने व उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई है।

कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है। 900 करोड़ रूपये का अनुदान देकर 25 हजार फार्म पौण्ड, 10 हजार डिग्गी, 50 हजार सौर पम्प संयंत्र तथा 20 हजार किमी सिंचाई पाइपलाइन द्वारा 4 लाख से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जायेगा। 1 लाख हैक्टेयर क्षेत्र से अधिक में माइक्रोइरिगेशन तथा 3 लाख 50 हजार हैक्टेयर में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिस्टम लगाने के लिए 1 हजार 250 करोड़ रूपये का अनुदान दिया जाएगा। 324 करोड़ रूपये का व्यय कर 75 हजार किसानों को 30 हजार किमी लम्बाई में तारबन्दी पर अनुदान दिया जायेगा। राजस्थान कृषि विकास योजना अन्तर्गत 1 हजार 350 करोड़ रूपये से कृषि में नई तकनीकों कृषि आदान, जैविक खेती एवं क्षमता विकास के कार्य करवाए जायेंगे।

कृषकों को 180 करोड़ रूपये की लागत से 35 लाख बीज मिनिकिट निः शुल्क वितरित किये जायेंगे । मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना के अन्तर्गत 5 लाख 44 हजार कृषकों को उच्च गुणवता युक्त बीज उत्पादन हेतु 63 करोड़ रूपये के 1 लाख 13 हजार क्विंटल बीज दिये जायेंगे। मृदा शक्ति संर्वधन योजना के अन्तर्गत किसानों को हरी खाद के लिए 3 लाख ढैंचा बीज मिनिकिट एवं 50 हजार किसानों को गोर्वधन जैविक उर्वरक योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जायेगा। 210 करोड़ रूपये का व्यय कर 1 हजार कस्टम हायरिंग सेन्टरों की स्थापना की जायेगी। इसके साथ ही आधुनिक तकनीकी आधारित कृषि उपकरणों, टैक्रक्टर चलित यंत्र उपलब्ध कराने हेतु 350 करोड़ रूपये का अनुदान देकर 1 लाख किसानों को लाभान्वित किया जायेगा।

कृषि क्षेत्र में एआई का उपयोग कर उत्पादकता बढ़ाने हेतु 50 करोड़ रूपये की लागत से की स्थापना की जायेगी। मक्का फसल की उत्पादकता में वृद्धि एवं मूल्य संवर्धन हेतु बांसवाडा में 20 करोड रूपये .की लागत से स्थापना की जायेगी। प्रदेश में मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करने हेतु भरतपुर में 15 करोड़ रूपये की लागत से मधुमक्खी पालन की स्थापना के साथ-साथ 11 करोड़ रूपये का व्यय कर प्रतिवर्ष 2 हजार मधुमक्खी पालक कृषकों को 5 हजार रूपये तक का अनुदान दिया जायेगा।

ग्रीन हाऊस, पॉली हाऊस, शेडनेट, प्लास्टिक मल्चिंग और लो-टनल पर 225 करोड़ रूपये का अनुदान देकर 2 हजार कृषकों को लाभान्वित किया जायेगा। 1 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के छिडकाव पर प्रति हैक्टेयर 2 हजार 500 रूपये का अनुदान दिया जायेगा। किसान उत्पादन संगठन (एफपीओ) के 100 कृषक सदस्यों को इजरायल सहित अन्य देशों में और 5 हजार किसानों को राज्य से बाहर प्रशिक्षण हेतु भेजा जायेगा। 50 करोड़ की लागत से 1 लाख भूमिहीन कृषि श्रमिकों को 5 हजार लागत तक के कृषि यंत्र एवं उपकरण उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है।

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में राजीविका का अहम योगदान: मुख्य सचिव

जयपुर,04 मार्च (एजेंसियां)। शासन सचिवालय में मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत द्वारा राजीविका रंगोत्सव - 2025 का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन शासन सचिवालय में 4 मार्च से 7 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राजीविका से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के उद्यमशीलता की सफलता को प्रदर्शित किया जायेगा। मुख्य सचिव ने शर्बत स्टॉल, बगरू प्रिन्ट दुपट्टा, कशीदाकारी बैग, बाजरा कुकीज आदि स्टॉलो से खरीददारी कर महिला उद्यमियों का उत्साह बढ़ाया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत की और आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने राजसमंद व जोधपुर जिलों में शर्बत व बाजरा आधारित उत्पादों की बिक्री की सराहना की।

राजीविका रंगोत्सव का उद्देश्य राज सखियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किये गये असाधारण कार्यो को प्रदर्शित करना है, जिन्होंने सफल उद्यमियों के रूप में अपनी पहचान बनाई है। इस आयोजन में हस्त निर्मित एवं जैविक उत्पाद सीताफल, नीम और गेंदा जैसे जैविक तत्वों से निर्मित हर्बल गुलाल, हिमाल्यन मल्टी फ्लोरा, जामुनहनी, वाईल्ड फोरेस्ट सरसों हनी से निर्मित फ्लेवर्ड हनी, हस्त निर्मित साबुन, पर्सनल केयर उत्पाद, पारम्परिक स्नेक्स, चमड़े के उत्पाद, हस्त निर्मित वस्त्र और पारम्परिक परिधान, सस्टेनेबल व लकड़ी के हस्तशिल्प और आभूषण बॉक्स, ब्लू पोटरी, पेन्टिंग्स और पारम्परिक पेय पदार्थ शामिल है।

माइंस विभाग का रेवेन्यू संग्रहण पर फोकस

24 फीसदी ग्रोथ के साथ 7963 करोड़ का रेकार्ड राजस्व संग्रहित

जयपुर,04 मार्च (एजेंसियां)। प्रमुख सचिव माइंस एवं जियोलोजी टी. रविकान्त ने कहा है कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति को देखते हुए विभाग का फोकस अधिक से अधिक रेवेन्यू संग्रहण करना है। इसके लिए राजस्व संग्रहण की दैनिक आधार पर मोनेटरिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि माइंस विभाग ने 3 मार्च तक 24 फीसदी विकास दर के साथ 7963 करोड़ से अधिक का रेवेन्यू राजकोष में जमा कर माइंस के रेवेन्यू अर्जन का नया रेकार्ड बना दिया है। उन्होंने बताया कि विभाग नए लक्ष्यों की और आगे बढ़ते हुए रेवेन्यू संग्रहण का नया कीर्तिमान बनायेगा।

प्रमुख सचिव माइंस व जियोलोजी टी. रविकान्त मंगलवार को खनिज भवन में निदेशक माइंस श्री दीपक तंवर, जेएस माइंस श्रीमती आशु चौधरी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि माइंस विभाग राज्य सरकार का प्रमुख रेवेन्यू अर्जन करने वाला विभाग है। ऐसे में अधिकारियों को हिदायत दी कि रेवेन्यू संग्रहण में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी वहीं रेवेन्यू अर्जन के सभी संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर वसूली के कारगर प्रयास किये जाये। माइंस विभाग के अतिरिक्त निदेशकों द्वारा प्रतिदिन रेवेन्यू संग्रहण के आंकड़ों का विश्लेषण किया जाएगा और संबंधित अधीनस्थ अधिकारियों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

श्री टी. रविकान्त ने कहा कि 10 करोड़ से अधिक के न्यायालयों के विचाराधीन प्रकरणों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की कमेटी बना दी गई है। यह कमेटी गुणावगुण आधार पर अध्ययन कर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

चार माह का एक्शन प्लान बनाकर करें अकृषि क्षेत्र के बकाया ऋणों की वसूली : मंजू राजपाल

जयपुर,04 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश के सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक पुरजोर प्रयास कर बकाया अकृषि ऋणों एवं राज्य सरकार की ब्याज अनुदान योजनाओं में वितरित ऋणों की वसूली सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वसूली की प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा होगी और ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

राजपाल मंगलवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने अकृषि ऋणों की वसूली की प्रगति अपेक्षानुरूप नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और अधिकारियों को कार्यशैली में सुधार तथा तत्परता लाने की सख्त हिदायत दी। श्रीमती राजपाल ने कहा कि अकृषि क्षेत्र में वितरित किये गए ऋणों की वसूली पर विशेष रूप से फोकस किया जाए। उन्होंने कम प्रकरणों में नोटिस जारी किए जाने पर अधिकारियों को फटकार लगाई। प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार ने कहा कि केवल कृषि क्षेत्र के ऋणों के मामलों में कुर्की पर रोक है वसूली किये जाने पर कोई रोक नहीं है।

सिंगर दिलजीत के कॉन्सर्ट के टिकट बेचने का आरोपी गिरफ्तार

फर्जी वेबसाइट बनाकर बेच रहा था टिकट

गुरुग्राम,04 मार्च (एजेंसियां)। सिंगर दिलजीत के कॉन्सर्ट की जोमेटो के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाकर फर्जी तरीके से कॉन्सर्ट के टिकट बेचने के एक आरोपी पुलिस ने काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि आरोपी फर्जी वेबसाइट्स के माध्यम से यह दो टिकट 7998 रुपयों में बेच चुका था।

जानकारी के अनुसार 17 सितंबर 2024 को जोमेटो की तरफ से थाना साइबर दक्षिण गुरुग्राम में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में कहा गया कि जोमेटो के नाम से फर्जी वेबसाईट्स ई-मेल बनाकर व इंस्टाग्राम के माध्यम से दिलजीत (सिंगर) के कंसर्ट के ऑनलाइन टिकट बेचकर धोखाधड़ी की गई है। अधिकृत रूप से जोमेटो ही कंसर्ट के लिए टिकट बेच सकता था। इस शिकायत पर थाना साईबर अपराध दक्षिण गुरुग्राम में केस दर्ज करके जांच शुरू की गई। साइबर अपराध थाना प्रबंधक निरीक्षक नवीन कुमार के नेतृत्व में निरीक्षक कंवर सिंह ने एक आरोपी को तीन मार्च 2025 को काबू किया। आरोपी की पहचान नितिन निवासी नवीन विहार राजीव नगर, बेगमपुर उत्तर पश्चिम दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए कहा कि वह जोमेटो के नाम से फर्जी वेबसाईट बनाकर सिंगलर दिलजीत के कॉन्सर्ट के टिकट बेच रहा था। सिंगर के कंसर्ट के टिकट अधिकारिक रूप से जोमेटो द्वारा ही बेचे जा रहे थे। फर्जी वेबसाइट्स के माध्यम से आरोपी 2 टिकट 7998 रुपयों में बेच चुका था।

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र 7 मार्च से

चंडीगढ़,04 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा के 7 मार्च से शुरू हो रहे बजट सत्र के मद्देनजर विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मंगलवार को सुरक्षा संबंधी बैठक बुलाई। इस बैठक में उन्होंने सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करने के लिए हरियाणा, पंजाब और यूटी चंडीगढ़ के शीर्ष अधिकारियों से ब्योरे पर चर्चा की। कल्याण ने इन अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए।

बैठक में तय हुआ कि विधान सभा के बजट सत्र के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा प्रबंध पुख्ता किए जाएंगे। इसके लिए उन्होंने हरियाणा, पंजाब और यूटी चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों की समन्वय कमेटी बनाने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से सत्रावधि के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी। किसी भी मामले में कार्रवाई के लिए चंडीगढ़ पुलिस भी मौके पर मौजूद रहेगी। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि विधान सभा परिसर और उसके आसपास वन्य जीवों से बचाव के लिए भी प्रबंध करने चाहिए। पिछले दिनों यहां हुए मधुमक्खियों द्वारा किए गए हमले का उदाहरण भी उन्होंने दिया।

सुरक्षा बैठक में सभी मंत्रियों, विधायक, अधिकारी और प्रेस प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया है कि वे विधान भवन में मोबाइल फोन न लाएं। यदि यह लाना बहुत आवश्यक हो तो उसे स्वागतकर्ता के पास जमा करवा दें या साइलेंट मॉड पर रखें। विधान सभा परिसर के बाहर किसी भी प्रकार के रोष प्रदर्शन की अनुमति नहीं रहेगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके लिए पहले से पूरी तैयारी रखें। बैठक में तय हुआ है कि सत्र के दौरान किसी भी आम या खास को हथियार के साथ प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। इसके लिए विधान सभा सचिवालय की ओर से विधायकों को एक पत्र भी लिखा जा रहा है।

विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि विधान सभा सत्र की कार्यवाही देखने के लिए बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेजों के विद्यार्थियों के दल के आने की संभावना है। इसके मद्देनजर आवश्यक प्रबंध करने की जरूरत है।

बिजली की पुरानी व कम लोड वाली तारों को भी बदला जाएगा : विज

चंडीगढ़,04 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि ऊर्जा विभाग में इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं और इसी कड़ी में यमुनानगर में 800 मेगावाट का नया बिजली संयंत्र स्थापित किया जा रहा हैं और इसके लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इसी प्रकार से बिजली की पुरानी तारों/कम लोड वाली तारों को भी बदला जाएगा।

इसके अलावा, विज ने बताया कि पुरानी बसों को बदलने के साथ-साथ बस अड्डों की हालत में भी सुधार कर आधुनिक रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर जिले में ड्राइविंग स्कूल स्थापित होंगे और प्रत्येक जिले में ऑटोमेटिक वॉशिंग मशीन सिस्टम और ऑटोमेटिक सिस्टम फॉर चेकिंग व्हीकल फिटनेस स्थापित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। ऐसे ही, प्रत्येक जिले में श्रमिकों के लिए एयर कंडीशन अस्पताल स्थापित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं ताकि श्रमिकों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके।

2025-26 के बजट में शामिल किये जायेंगे मंत्रियों और विधायकों के सुझाव : सैनी

चंडीगढ़,04 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में पंचकूला आयोजित दो दिवसीय बजट-पूर्व परामर्श बैठक आज संपन्न हो गई। इस कार्यक्रम में सभी मंत्रीगण, विधायकगण और प्रशासनिक सचिव आगामी वित्त वर्ष 2025-26 के बजट के लिए बहुमूल्य जानकारी और सुझाव देने के लिए एक मंच पर एकत्रित हुए। सभी ने एक समावेशी बजट की परिकल्पना को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

परामर्श बैठक की अध्यक्षता करते हुए नायब सिंह सैनी, जो वित्त विभाग का कार्यभार भी संभाल रहे हैं, ने मंत्रियों और विधायकों द्वारा हरियाणा प्रदेश और इसके नागरिकों के कल्याण हेतु दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी सुझावों पर ध्यानपूर्वक विचार किया जाएगा और हरियाणा के सतत विकास को और गति देने के लिए आगामी राज्य बजट में इन्हे शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसा बजट पेश करना है जो राज्य के प्रत्येक नागरिक के लिए समृद्धि लाए। मुख्यमंत्री ने विधायकों को अपने सुझाव लिखित रूप में प्रस्तुत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया ताकि सभी महत्वपूर्ण सुझावों को सम्माहित कर प्रदेश में हो रहे नॉन स्टॉप विकास को और तीव्र गति प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि हम ऐसा बजट बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे नागरिकों की जरूरतों और आकांक्षाओं पर खरा उतरे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने परामर्श बैठक में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सभी मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों का धन्यवाद भी व्यक्त किया। परामर्श बैठक के दौरान जिन प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया उनमें मुख्य रूप से सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार, खेल सुविधाएं, जलापूर्ति, बिजली, परिवहन, औद्योगिक विकास, सरकारी संपत्तियों का बेहतर उपयोग, प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, नशे के नेटवर्क का उन्मूलन, नशे के आदी लोगों का पुनर्वास, समूचित सिंचाई जल वितरण, सरकारी विभागों का डिजिटलीकरण, अधिकारियों के लिए आवास सुविधा, साइबर अपराध से निपटना, क्षमता निर्माण और यातायात प्रबंधन आदि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा पिछले कई दिनों से समाज के विभिन्न हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ कर बजट-पूर्व परामर्श बैठकें आयोजित की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आगामी बजट हरियाणा के लोगों की आकांक्षा और अपेक्षाओं के अनुरूप हो। इससे पहले, गुरुग्राम में उद्योग और विनिर्माण, हिसार में किसान और कृषि वैज्ञानिक, कुरुक्षेत्र में युवा और स्टार्टअप उद्यमी, पंचकूला में विभिन्न क्षेत्रों की प्रभावशाली व उद्यमी महिलाएं, पानीपत में कपड़ा उद्योग के प्रतिनिधि और फरीदाबाद में विनिर्माण हितधारकों सहित विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इस वर्ष प्रदेश सरकार ने एक अन्य अभिनव पहल भी शुरू की है, जिसके तहत प्रदेश के प्रबुद्ध नागरिक बजट पर ऑनलाइन सुझाव दे सकते हैं। अभी तक, ऑनलाइन पोर्टल पर जनता से 10,000 से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं।

आज का राशिफल

मेष - चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप का दिन अपेक्षा से अधिक अच्छा हैं व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे। छोटे बच्चे अपने दोस्तों के साथ पार्क में खेलने जायेंगे। साथ ही वो छुट्टी का आनंद उठायेंगे। घर-परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा। इस राशि के जिन लोगों का रेस्टुरेंट है, उनके धन में वृद्धि होने की संभावना है। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न होंगे। करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा। भोजन हल्का ही लेवें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा ।

वृषभ - इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन मे परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा मन हर्षित रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त बने रहेंगे। केमिस्ट्री स्टूडेंट्स के लिए दिन फायदेमंद रहने वाला है। आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही आई. टी से जुड़े स्टूडेंट्स को भी लाभ की प्राप्ति होगी। कुछ लोग आपसे प्रभावित होंगे। साथ ही वो आपसे जुड़ने की कोशिश भी करेंगे। बिजनेसमैन को बेहतर मौके मिलेंगे । शनिदेव को तिल्ली चढाए तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मिथुन - क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप कर्ज मुक्त होने की दिशा मे आगे बढेंगे करियर में आप को अपने सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको सुबह-शाम टहलना चाहिए। इससे आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। आप नकारात्मक सोच रखकर स्वयं को थोड़ा उदास रख सकते हैं। परिवार वालों के साथ किसी टूर का प्लान बनायेंगे। लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। दिनभर की थकान के बाद शरीर मे सुस्ती रहेगी आलसीपन छाया रहेगा।

कर्क - ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह माता-पिता के बातो को नजरअंदाज करना आप को भारी पडेगा । मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिलेगी। आपकी सेहत में उत-ार-चढ़ाव बना रहेगा। आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आप जरूरतमंद लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ायेंगे। जो छात्र फैशन डिजायनिंग का कोर्स कर रहे हैं, उन्हें कुछ नया डिजाईन करने को मिल सकता है। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए।

सिंह - म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सुबह ही सूर्यनमस्कार करे मनोबल बढेगा आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता रहेगी। साथ ही आपको तरक्की के कई अवसर भी मिलेंगे। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बनायेंगे। आपको व्यापार में मुनाफा होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। कोई नया काम करने के लिए सोचेंगे। दाम्पत्य जीवन में सलाह-मशविरा से आगे बढ़ने मे मदद मिलेगी । जीवन में आपकी तरक्की सुनिश्चित होगी। शरीर स्वास्थ्य चुस्त दुरुस्त रहेगा।

कन्या - टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को मनोबल बढाकर रखना होगा आप का खुशनुमा व्यवहार घर में बहुत ही अच्छा माहौल बना देगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहने वाला है। उन्हें काम से जुड़ी कोई खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। राजनीति से जुडे हुए लोगों को नये अवसर मिलेंगे।

तुला - र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने कारोबार को बढाने के लिए तुलसी के पौधे को जल सींचे कन्या का सम्मान करें। ऑफिस के काम की गति अच्छी रहेगी, आप अपने सारे पेंडिंग वर्क निपटा लेंगे। जीवनसाथी को उनकी पसंद का कोई गिफ्ट देंगे। किसी वजह से दोस्तों के साथ घूमने का प्रोग्राम टल जायेगा। कोई जरूरी चीज आप कहीं रखकर भूल सकते हैं। आपको अपने सामान का खास ध्यान रखना चाहिए। आपको तली-भुनी चीजों को खाने से बचना चाहिए। सीनियर्स को कुछ उपहार देने से नजदीकी बढेगी पदोन्नति के अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक - तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ तीर्थ यात्रा का अवसर बनाए बच्चों को सुसंस्कार मिलेंगे जीवनसाथी । परिवार का माहौल भी खुशनुमा बन रहेगा। आपको कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होगा। आप कामकाज में बहुत बिजी हो सकते हैं। किसी खास काम के लिए परिवार के लोगों को आपसे उम्मीद होगा व्यर्थ खर्च से आपको बचना चाहिए।

धनु - ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप के सभी जरूरी काम पूरे होंगे दोपहर के बाद का समय सुकून भरा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने फिरने जाने से आपको ख़ुशी मिलेगी। धन से जुड़ी चिंताएं दूर हो जाएगी, साथ ही रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। नींद पूरी होने के कारण आप बेहतर महसूस करेंगे। आप को इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र मे रोजगार के अवसर तलाशने चाहिए ।

मकर - भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बच्चें परिवार मे कोई अच्छी खबर सुनाएंगे। जीवन में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। ऐग्रिकल्चर का कामकाज अगर आप देख रहे है तो आय की आय मे बढ़ोतरी होने की संभावना है। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से ही काम बढाना चाहिए । नए व्यापार के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन उत्साह से भरा रहेगा। पेट रोग से पीडा आप को रात्रि मे परेशान कर सकती हैं

कुम्भ - गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी,छात्रों को टीचर्स का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। कुछ दिनों से किसी विषय में आ रही समस्या आसानी से दूर हो जायेगी। सुबह के समय योग से ही दिन की शुरूआत करें । आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज में लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर आपका कामकाज बहुत शानदार रहेगा। पीपल के वृक्ष मे जल-दूध सींचे कार्य सिद्ध होंगे।

मीन - दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने गुरु द्वारा मंत्र जप आप को जीवन मे तरक्की के रास्ते खोलेगा । साथ ही बडो की बेहतर सलाह मिलने से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो सकती है। शिक्षकों के लिए दिन बेहतर रहेगा। किसी काम में सफलता मिलेगी। आप खुद को ऊर्जा से भरा हुआ महसूस करेंगे। आपको जल्दबाजी में कोई फैसला करने से बचना चाहिए। आपकी सेहत दिनभर आप का साथ देंगी।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 05 मार्च 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 12:53 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 01:09 तक
योग : वैधृति रात्रि 11:06 तक
करण : तैतिल दोपहर 12:53 तक
चन्द्र राशि : मेष प्रातः 08:13 तक
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 06:23 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY

पटना में एमडीएम रसोइया बहनों का उग्र प्रदर्शन

पुलिस ने धरना स्थल का मेन गेट किया बंद, माहौल गर्माया

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की एमडीएम (मिड-डे मील) रसोइया बहनों ने सरकार के खिलाफ एक बार फिर अपना आक्रोश जताते हुए पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पर जोरदार प्रदर्शन किया।

हजारों की संख्या में रसोइया बहनों और भाइयों ने अपने मानदेय में बढ़ोतरी और सामाजिक सुरक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन तेज कर दिया। प्रदर्शनकारी बिहार विधानसभा तक मार्च निकालने पर अड़े हुए थे, लेकिन पुलिस ने गर्दनीबाग धरना स्थल का मुख्य द्वार बंद कर दिया, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।

रसोइया बहनों का कहना है कि वे प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत बिहार के सरकारी स्कूलों में काम करती हैं, लेकिन सरकार उनके साथ उपेक्षा और भेदभाव कर रही है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि करीब ढाई लाख एमडीएम रसोइया न्यूनतम मजदूरी से भी कम वेतन पर काम करने को मजबूर हैं, जबकि वे विद्यालय खुलने से लेकर बंद होने तक पूरी ईमानदारी से अपनी सेवाएं दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में उनके मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। इस साल के केंद्रीय बजट में भी रसोइयों के वेतन में इजाफे को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। इसके अलावा बिहार की डबल इंजन सरकार ने भी 2020 के बाद से मानदेय में कोई वृद्धि नहीं की है।

रसोइया बहनों ने आरोप लगाया कि हरियाणा, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और झारखंड जैसे राज्यों ने अपने रसोइयों के वेतन में बढ़ोतरी की है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा गया है। लेकिन बिहार में अब तक न वेतन बढ़ा और न ही किसी तरह की सामाजिक सुरक्षा दी गई।

उन्होंने बताया कि 60 साल की उम्र पूरी होने के बाद रसोइया बहनों को बिना किसी पेंशन या रिटायरमेंट पैकेज के नौकरी से निकाल दिया जाता है। यहां तक कि उन्हें भविष्य निधि, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व अवकाश और विशेष अवकाश जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं दी जातीं।

रसोइया बहनों का कहना है कि सरकार रोज नए-नए फरमान जारी कर उनके काम का बोझ बढ़ाती जा रही है।

इसके बावजूद उनके अधिकारों को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। यही कारण है कि वे धरना प्रदर्शन के लिए मजबूर हुई और बिहार विधानसभा तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए मार्च निकालने की मांग कर रही हैं।

गर्दनीबाग धरना स्थल पर हालात तब तनावपूर्ण हो गए, जब पुलिस ने विधानसभा की ओर बढ़ने से रोकने के लिए मेन गेट बंद कर दिया।

इसके बाद प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों के खिलाफ नारेबाजी करने लगे और पानी की बोतलें फेंकने लगे। मौके पर जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी प्रदर्शनकारियों को समझाने में जुटे रहे, लेकिन रसोइया बहनें अपनी मांगों पर अड़ी रहीं और विधानसभा तक जाने की जिद करती रहीं।

रसोइया बहनों का कहना है कि अगर सरकार उनकी मांगों को जल्द से जल्द नहीं मानती, तो वे आगे और उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मानदेय में बढ़ोतरी और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की गारंटी नहीं दी गई, तो वे प्रदेशव्यापी हड़ताल करेंगी।

फिलहाल प्रशासन स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहा है, लेकिन प्रदर्शनकारी अपने आंदोलन को और तेज करने की तैयारी में हैं।

दिलीप जायसवाल बने बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष

मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने किया एलान

पटना (एजेंसियां)।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पद से इस्तीफा देने वाले भारतीय जनता पार्टी के वरीय नेता दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष चुन लिया गया है। हालांकि छह महीना पहले वह इस पद पर विराजमान हो चुके थे। लेकिन, आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं हुई थी। अब संवैधानिक तरीके से उनके नाम की एलान कर दिया गया है। दरअसल, दिलीप जायसवाल प्रदेश अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया सोमवार से ही शुरू हुई थी। उन्होंने पार्टी के चुनाव पदाधिकारी सह प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा के सामने प्रदेश अध्यक्ष के लिए अपना पर्चा दाखिल किया था। वहीं दोनों डिप्टी सीएम, स्वास्थ्य मंत्री, और एमएलसी संजय मयूख दिलीप जायसवाल के प्रस्तावक बने। मंगलवार को इनके नाम पर भाजपा आलाकमान ने फिर से मुहर लगा दिया। अब दिलीप जायसवाल 2025-27 तक अध्यक्ष रहेंगे।

पटना के बापू सभागार में प्रभारी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एलान कर दिया है। उन्होंने 'बिहार है तैयार फिर से एनडीए सरकार' का नया नारा दिया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा समेत पार्टी के सभी वरीय नेता, विधायक और मंत्री शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता फिर से एनडीए सरकार को बहुमत से जिताने जा रही है। 2025 में हम 200 प्लस सीटों के साथ एनडीए सरकार बनाएंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना में चल रहा रिश्वतखोरी का खेल

आवास सहायक के वायरल ऑडियो से खुला राज

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतीहारी से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को पक्के मकान देने के सरकारी प्रयासों के बीच भ्रष्टाचार और धांधली की गंभीर खबर सामने आई है। मेहसी प्रखंड के झिटकहिया पंचायत में आवास सहायक द्वारा लाभार्थियों से नाम जोड़ने के बदले पैसे मांगने का ऑडियो वायरल हो गया है। इस ऑडियो में आवास सहायक अभिषेक चंचल कथित तौर पर खुलेआम पैसे लेने और उन्हें सूची में शामिल करने की बात कर रहे हैं।

वायरल हुए ऑडियो में आवास सहायक और पंचायत के एक व्यक्ति के बीच बातचीत दर्ज है। इसमें आवास सहायक कथित रूप से कह रहे हैं कि सबसे पैसा ले लो, आज आएंगे तो सबका नाम जोड़ देंगे।

जब दूसरी तरफ से व्यक्ति कहता है कि कुछ लोग बहुत गरीब हैं और पैसे नहीं दे सकते, तो आवास सहायक का जवाब आता है कि हजार-दो हजार के लिए कौन गरीब है? हटाओ सबका नाम, मेरा मोबाइल इन सब चीजों से भर गया है। जो पैसा दिया है, वह तुम रख लो, पहले तुम्हारा ही काम करेंगे।

ऑडियो में आगे जब व्यक्ति अपने एक 53-54 साल के बुजुर्ग रिश्तेदार के नाम जुड़वाने की बात करता है, तो आवास सहायक कथित रूप से कहते हैं कि माल ज्यादा देना पड़ेगा, तो उसका काम भी हो जाएगा।

हालांकि इस वायरल ऑडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन सोशल मीडिया पर यह तेजी से वायरल हो रहा है और स्थानीय प्रशासन के लिए सवाल खड़े कर रहा है।

इस मामले को लेकर मेहसी प्रखंड विकास पदाधिकारी से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका सरकारी मोबाइल नंबर लगातार बंद मिला। इसके बाद आवास पर्यवेक्षक को भी फोन किया गया, लेकिन कई बार कॉल करने के बावजूद उन्होंने फोन नहीं उठाया। अधिकारियों की इस चुप्पी ने मामले को और अधिक संदिग्ध बना दिया है।

पटना में गृह रक्षा वाहिनी ने किया जोरदार प्रदर्शन

समान काम के बदले समान वेतन की मांग

पटना

पटना में गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) के जवानों ने अपने हक और अधिकारों के लिए गर्दनीबाग धरना स्थल पर जोरदार प्रदर्शन किया। हजारों की संख्या में पटना पहुंचे होमगार्ड कर्मियों ने समान काम के बदले समान वेतन और अन्य सुविधाओं की मांग उठाई। प्रदर्शनकारी सरकार पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि पुलिसकर्मियों की तरह काम करने के बावजूद उन्हें समान वेतन और सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं।

प्रदर्शनकारियों में शामिल होमगार्ड कर्मी अरुण कुमार ठाकुर ने बताया कि सरकार उनकी 21 सूत्री मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि कोर्ट का फैसला भी उनके पक्ष में आया है, जिसमें होमगार्ड जवानों को 774 रुपये प्रति दिन की दर से भुगतान करने की बात कही गई थी। अगर इस दर से भुगतान किया जाए तो होमगार्ड कर्मियों को हर महीने करीब 33,000 रुपये वेतन मिलना चाहिए। लेकिन वर्तमान में उन्हें इससे बहुत कम मिल रहा है और सरकार ने अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। होमगार्ड कर्मियों का कहना है कि वे दिन-रात पुलिसकर्मियों के साथ ड्यूटी करते हैं, लेकिन उन्हें उसी अनुपात में वेतन और सुविधाएं नहीं मिलतीं।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी आर-ोप लगाया कि सरकार होमगार्ड जवानों को किसी भी प्रकार की छुट्टी का लाभ नहीं देती। अगर वे बीमार पड़ जाएं और ड्यूटी पर न जा सकें, तो उनकी सैलरी काट ली जाती है। होमगार्ड कर्मी नंद किशोर ठाकुर ने बताया कि कम वेतन के कारण उनका परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। मजबूरन बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाना पड़ता है और कई बार घर खर्च के लिए कर्ज लेना पड़ता है।

होमगार्ड कर्मियों ने यह भी बताया कि उनकी ड्यूटी रोस्टर सिस्टम के आधार पर लगती है। अगर किसी कर्मी का नाम रोस्टर से हट जाता है तो उसे उस दिन की ड्यूटी नहीं मिलती और सैलरी भी काट ली जाती है। कई बार तो 10 दिनों तक ड्यूटी नहीं मिलती, जिससे आर्थिक तंगी बढ़ जाती है।

गृह रक्षा वाहिनी के जवान बिहार के पुलिस थानों और अन्य सरकारी विभागों में ड्यूटी करते हैं। हालांकि अपने हक की लड़ाई के लिए 50% जवान प्रदर्शन में शामिल हुए हैं, जबकि 50% जवान अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया है कि अगर उनकी मांगों पर सरकार जल्द ध्यान नहीं देती, तो वे आगे और उग्र आंदोलन करेंगे। फिलहाल प्रशासन प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें समझाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन होमगार्ड जवान अपनी मांगों को लेकर अडिग हैं।

महिला को तेज रफ्तार पिकअप ने कुचला, मौके पर हुई मौत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के शुभइ चौक के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग (एनएच-22) पर सड़क पार कर रही एक महिला को तेज रफ्तार पिकअप वैन ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। गुस्साए लोगों ने पिकअप वैन को घेर लिया और चालक को पकड़ लिया। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सराय थाना अध्यक्ष मणि भूषण कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पिकअप वैन को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया। वहीं, महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया गया।

मृतका की पहचान सराय थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी अब्दुल कादीर की 60 वर्षीय पत्नी आसमा परवीन के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वह राशन का सामान खरीदने के लिए शुभइ चौक आई थीं। सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार पिकअप वैन की चपेट में आ गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सराय थाना अध्यक्ष मणि भूषण कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप वैन को जब्त कर लिया। चालक को भी हिरासत में ले लिया गया है। मृतका के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म मामले में दोनों आरोपी गिरफ्तार, चलते ट्रक में की थी दरिंदगी

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले में चलते नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, महुआ थाना क्षेत्र में चलते ट्रक में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। इसको लेकर नाबालिग की मां ने महुआ थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया था। पीड़िता की मां ने शिकायती आवेदन में बताया कि देह व्यापार का धंधा करने वाली एक महिला, नाबालिग बेटी को अपने साथ ले जाकर ट्रक में छोड़कर मौके से फरार हो गई थी। उसके बाद ट्रक में मौजूद दो लो-गों ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। जानकारी के मुताबिक, आ-वेदन मिलते ही पुलिस ने तुरंत आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, गिरफ्तार महिला से गहन पूछताछ के बाद घटना को अंजाम देने वाले दोनों आरोपियों को भी पुलिस में गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त ट्रक को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की को पैसे का प्रलोभन देकर आरोपी महिला ट्रक में छोड़कर फरार हो गई थी।

जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले मो. वारिस की पत्नी पाकीजा खातून उर्फ फुल्लो, सकरा थाना क्षेत्र के रहने वाले सुरेश पासवान के बेटे छोटू कुमार और वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र के शिवशंकर राय के बेटे पिंक उर्फ पिन्टू कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने मुजफ्फरपुर से ही ट्रक को जब्त किया है।

महुआ एसडीपीओ सौरभ सुमन ने बताया कि बीते एक मार्च को महुआ थाने को एक आवेदन प्राप्त हुआ। उसमें फरियादी ने बताया कि उनकी 14 वर्षीय की बेटी को ग्रामीण महिला पाकीजा खातून उर्फ फुल्लो ने बहला-फुसला कर 27 फरवरी को ट्रक में छोड़ दिया। जहां दो लोगों ने चलते ट्रक में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटना को अंजाम दिया।

उक्त आवेदन पर महुआ थाना पुलिस ने कांड सं0-264/25 एक मार्च को बीएसएन की धारा 137(2)/87/64/351/3(5) और 04/06 पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया था। उसके बाद आरोपी महिला पाकीजा खातून उर्फ फुल्लो को गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपी महिला से पूछताछ के बाद अन्य दोनों आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी की जा रही थी। इसी सिलसिले में 03/04 मार्च की रात मुख्य आरोपी पिक उर्फ पिन्टु कुमार और छोटू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त ट्रक को भी जब्त कर लिया गया है।

युवक से पैसा मांगने वाला थानेदार हुआ सस्पेंड

ऑडियो वायरल होने के बाद हुई कार्रवाई

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया में एसपी ने एक थानाध्यक्ष पर कार्रवाई करते हुए उसे सस्पेंड कर दिया है। उस पर आरोप है कि उसने एसपी के नाम पर एक युवक से दो लाख रुपये की मांग की थी। मामला जानकीनगर थाना का है, जहां के थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा अब निलंबित हो गये हैं। एसपी ने यह कार्रवाई पूर्णिया डीआईजी प्रमोद मंडल के आदेश पर बातचीत का ऑडियो सामने आने के बाद किया है।

थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा एक युवक से स्मैक मामले को लेकर बातचीत कर रहा था। सोशल मीडिया में यह ऑडियो वायरल हो गया, जिसमें जानकीनगर थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा एक युवक से एसपी के नाम पर दो किलो (कोड वर्ड में दो लाख) की व्यवस्था करने की बात कह रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीआईजी प्रमोद कुमार मंडल ने मामले की जांच करने का निर्देश दिया। जानकीनगर थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले की जांच के बाद एसपी ने थानाध्यक्ष को सस्पेंड करने का निर्देश दिया है।

डीआईजी प्रमोद मंडल ने कहा कि ऐसे मामलों में संलिप्त पुलिस पदाधिकारी की जांचकर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। एसपी कार्तिकेय के. शर्मा ने कहा कि मामले की जांच के बाद डीआईजी के निर्देश पर जानकीनगर थानाध्यक्ष संतोष झा को सस्पेंड कर दिया गया है। एसपी ने बताया कि यह वायरल ऑडियो 17 मार्च 2024 का है। यह ऑडियो का एक छोटा सा अंश है। यह बात जिससे हो रही थी, वह जानकीनगर का रहने वाला है। उस शख्स को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जा चुका है।

चर्चा है कि 13 फरवरी को जानकीनगर थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा ने स्मैक बरामद किया था। इसमें दिलखुश कुमार नामक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसी स्मैक केस में एक और धंधेबाज की गिरफ्तारी होनी थी, जिसके एवज में रूपए की मांग की जा रही थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com